आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, शनिवार
28 जून 2025
वर्ष: 38, अंक: 200
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

देश

छोटे उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत स्तंभः मुर्मु

झारखंड

चौपारण में रथ यात्रा महोत्सव का हुआ आयोजन, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

हज़ारीबाग

कैथा में उमड़ा आस्था का सैलाबः जगन्नाथ रथयात्रा में सांसद मनीष जायसवाल और विधायक ममता देवी हुए शामिल

पटना जा रहे इंडिगो विमान का टायर रांची एयरपोर्ट पर हुआ पंक्चर, यात्रियों में मचा हड़कंप

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांचीः राजधानी रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर शुक्रवार की दोपहर उस वक्त अजीबोगरीब स्थिति बन गई, जब पटना जा रहे इंडिगो एयरलाइंस के विमान का टायर पंक्चर हो गया। जिसके बाद इस विमान को रांची में ही ग्राउंडेड करना पड़ा। इसी विमान में लखनऊ जाने वाले यात्री भी सवार थे। घटना का पता चलते ही सभी यात्रियों में हड़कंप मच गया। इसके बाद इस उड़ान को रद्द कर दिया गया, जिसके चलते इसमें सवार लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह विमान दोपहर 3:15 बजे कोलकाता से रांची में लैंड हुआ था। लैडिंग के बाद जब एप्रन पर विमान की नियमित जांच की गई तो अगले पहिए में तकनीकी खराबी पाई गई। ऐसे में इस उड़ान को रद्द कर दिया गया और पटना जाने वाले सभी यात्रियों को टैक्सी से पटना के लिए रवाना किया गया, जबकि पटना से लखनऊ जान वाले यात्रियों को कनेक्टिव फ्लाइट से दिल्ली भेजा गया। इंडिगो एयरलाइंस के मुताबिक विमान देर रात को रांची से उड़ान भरेगा।

इस घटना के बाद, पटना जाने वाले सभी यात्रियों को टैक्सी के माध्यम से पटना भेजा गया। वहीं, लखनऊ जाने वाले यात्रियों को कनेक्टिव फ्लाइट के जरिए दिल्ली भेजा गया। इंडिगो एयरलाइंस ने बताया कि विमान रात में रांची से उड़ान भरेगा।

यात्रियों की प्रतिक्रिया : यात्रियों ने इस घटना पर चिंता व्यक्त की और एयरलाइंस की सेवाओं में सुधार की मांग की। तकनीकी खराबियों के चलते यात्रा में होने वाली असुविधा को लेकर यात्रियों में नाराजगी देखी गई।

धार्मिक उल्लास और आस्था का संगम

रांची के जगन्नाथपुर मंदिर से निकली भव्य रथ यात्रा

विशेष संवाददाता द्वारा

रांचीः राजधानी रांची के धुर्वा स्थित ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मंदिर से गुरुवार को भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की भव्य रथ यात्रा निकाली गई. हर वर्ष की तरह इस बार भी यह आयोजन पूरी (ओडिशा) की परंपरा के अनुरूप किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान की भक्ति में अपने को समर्पित कर दिया.

सीएम का संदेश ज्ञौरतलब हो कि इस दौरान कांग्रेस के नेता आलोक दुबे ने मंच से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का संदेश सुनाया. उन्होंने भक्तों को सीएम के पिता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अस्वस्थ होने की सूचना दी. साथ ही उन्होंने कहा कि वह जल्द स्वस्थ हो प्रभु जगन्नाथ से ही कामना है. फिलहाल शिबू सोरेन दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में भर्ती है. जहां उनका इलाज चल रहा है. बता दें कि प्रत्येक वर्ष जगन्नाथपुर रथ यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पूजा स्थल पर जरूर पहुंचते थे. इस बार उनके पिता शिबू सोरेन दिल्ली में इलाजरत है. इसलिए वह उपस्थित नहीं हो पाए.

सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी थी. विशेष पूजा-अर्चना और महाभोग अर्पण के बाद भगवान को सजे-धजे रथ पर विराजमान कराया गया. इसके बाद आरती, शंखध्वनि और मंत्रोच्चार के बीच रथ यात्रा का विधिवत शुभारंभ हुआ.

भगवान जगन्नाथ अपने भाई और बहन के साथ मौसी बाड़ी (गुंडिचा मंदिर) के लिए रवाना हुए. मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ साल में एक बार अपनी मौसी के घर जाते हैं और वहां दस दिनों तक विश्राम करते हैं. इस दौरान भगवान मंदिर में नहीं, बल्कि मौसी बाड़ी में ही श्रद्धालुओं को दर्शन देते हैं. यात्रा के दौरान भक्तों ने रथ की रस्सियों को पकड़कर स्वयं खींचते हुए भगवान को उनके गंतव्य तक पहुंचाया. इस कार्य को भाग्यशाली और पुण्य का कार्य माना जाता है. इस दौरान जय जगन्नाथ के जय घोष से पूरा माहौल भक्तिमय दिखा.

इस पावन अवसर पर राज्य के विभिन्न जिलों से हजारों श्रद्धालु पहुंचे. महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने पारंपरिक वस्त्र पहनकर रथ यात्रा में भाग लिया. पूरा वातावरण ÷जय जगन्नाथ के उद्घोष से गूंज उठा. श्रद्धालु भगवान के रथ को खींचते हुए भक्ति में लीन दिखे. मंदिर प्रांगण से लेकर मौसी बाड़ी तक रास्ते के दोनों ओर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें दिखीं.

इस बार भी अन्य प्रदेशों से व्यापारी और श्रद्धालु मेले में पहुंचे, जिससे मेले की रौनक कई गुना बढ़ गई. जगह-जगह भक्ति संगीत, ढोल-नगाड़ों और झांकियों ने माहौल को और भी भव्य बना दिया.

रथ यात्रा को देखते हुए प्रशासन ने विशेष सुरक्षा व्यवस्था की थी. मेला परिसर और रथ मार्ग पर महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी. किसी भी वाहन की मेला क्षेत्र में एंट्री पूरी तरह से प्रतिबंधित थी. ट्रैफिक को रूट डायवर्ट कर दिया गया था ताकि भीड़ नियंत्रण में रहे और किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो. इसके अलावा आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता भी सुरक्षा व्यवस्था और भक्तों को सहयोग देने के लिए जगह-जगह तैनात दिखे.

रथ यात्रा के साथ लगे मेला परिसर में भी जबरदस्त चहल-पहल रही. बच्चों के लिए झूले, खिलौनों की दुकानें, महिलाओं के लिए श्रृंगार और बड़ों के लिए विभिन्न मनोरंजन के साधन मौजूद थे. खाने-पीने की दुकानों से लेकर धार्मिक साहित्य तक–हर किस्म की दुकानें सजी थीं. मेले में झारखंड की लोक संस्कृति और धार्मिक विरासत की झलक साफ दिखी.

संगठन सृजन कार्यक्रम : झामुमो के गढ़ में अपनी पकड़ मजबूत बनाने में जुटी कांग्रेस

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

दुमका वैसे तो संताल परगना प्रमंडल को झामुमो का गढ़ माना जाता है इसके बाबजूद प्रत्येक विधान सभा चुनाव में कांग्रेस को कुछ सीटों पर सफलता मिल ही जाती है. वर्ष 2024 के चुनाव परिणाम को देखें तो प्रमंडल के 18 सीट में से महगामा, पोड़ैयाहाट, पाकुड़ और जामताड़ा सीट पर कांग्रेस को सफलता मिली जबकि जरमुंडी सीट कांग्रेस के हाथ से फिसल गया. प्रमंडल में कांग्रेस संगठन कैसे मजबूत हो इसको लेकर इन दिनों संगठन सृजन कार्यक्रम चलाया जा रहा है. 26 जून को देवघर से शुरू हुआ कार्यक्रम 30 जून को साहिबगंज में समाप्त होगा. कार्यक्रम के बहाने कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के. राजू सहित पार्टी का कुनबा इन दिनों संताल परगना प्रमंडल के दौरे पर है.

इसी कड़ी में शुक्रवार को दुमका में संगठन सृजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया. शिव पहाड़ चौक स्थित विजय श्री कॉम्प्लेक्स में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी के राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, मंत्री दीपिका पांडे सिंह, प्रदीप यादव सहित काफी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए. कार्यक्रम के दौरान दुमका जिला में संगठन को कैसे मजबूत बनाया जाए इस बाबत प्रदेश प्रभारी ने कार्यकर्ताओं को आवश्यक निर्देश दिया. कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रदेश प्रभारी के राजू ने कहा कि संगठन सृजन कार्यक्रम का अंतिम चरण पंचायत और शहरी क्षेत्र में वार्ड स्तर पर कमेटी बनाना है. आने वाले समय में दुमका के हरेक पंचायत और शहरी क्षेत्र में प्रत्येक वार्ड में कांग्रेस की कमेटी होगी. उन्होंने कहा की कार्यकर्ता लोगों के बीच जाकर काम करेंगे, इससे एक तरफ जहां आम लोगों का भरोसा कांग्रेस पर बढ़ेगा वही इससे गठबंधन सरकार को भी बल मिलेगा.

पैनम कोल माइंस से 118 करोड़ वसूली के लिए कुर्की जब्ती वारंट जारी करने में देर की वजह झूठी

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांचीः राज्य सरकार ने पैनम कोल माइंस के खिलाफ कुर्की जब्ती वारंट जारी करने में हुई डेढ़ साल की देर की वजह सर्टिफिकेट अफसर का पद खाली रहना बताया था. लेकिन हाइकोर्ट ने यह पाया कि दोनों ही अवसरों किये गये सर्टिफिकेट ऑफिसर के हस्ताक्षर एक ही जैसे हैं. हाईकोर्ट में झूठ पकड़े जाने के बाद सरकार को अब इस मुद्दे पर जवाब देना है.

हाईकोर्ट मैं पैनम कोल माइंस से 600 करोड़ रुपये की वसूली की मांग को लेकर 2015 में एक जनहित याचिका दायर किया गया था. बाद में सरकार ने कोर्ट को यह जानकारी दी कि पैनम से 118 करोड़ रुपये की वसूली की जानी है. इस याचिका का निपटारा अब तक नहीं हुआ है. मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से शपथ पत्र दायर कर पैनम कोल माइंस के खिलाफ दायर सर्टिफिकेट केस में सुस्ती बरते का कारण पूछा था. साथ ही सर्टिफिकेट ऑफिसर द्वारा पारित किये गये आदेश की प्रति मांगी थी. न्यायालय के इस आदेश के आलोक में राज्य सरकार की ओर से मार्च 2025 में पूरक शपथ पत्र दायर किया गया था. साथ ही सर्टिफिकेट ऑफिसर द्वारा दिये गये आदेशों की प्रति की सौंपी. हाइकोर्ट ने सर्टिफिकेट ऑफिसर द्वारा दिये गये आदेश की समीक्षा की. इसमें पाया कि सर्टिफिकेट ऑफिसर ने 1-6-2023 को बकाया वसूली के लिए पैनम कोल माइंस के खिलाफ कुर्की जब्ती वारंट जारी करने का आदेश दिया. साथ ही 31-12-2023 को इस मामले को फिर से पेश करने का निर्देश दिया. लेकिन यह माला 31-12-2023 को पेश नहीं किया गया. ■ शेष पृष्ठ 4 पर

शिबू सोरेन की नासाज सेहत को लेकर जेएमएम कार्यकर्ताओं में चिंता, जगन्नाथ मंदिर में पूजा अर्चना

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांचीः रांची-झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो के राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन की हालत फिलहाल स्थिर है. पैरालिसिस अटैक से जूझ रहे शिबू सोरेन का इलाज नयी दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में चल रहा है. वह पिछले पांच दिनों से अस्पताल में भर्ती हैं. शिबू सोरेन के इलाज को लेकर अस्पताल प्रबंधन विदेश के विशेषज्ञ डॉक्टरों से भी परामर्श ले रहा है. वह आइसीयू में विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में हैं. उनके जल्द स्वस्थ होने को लेकर पूजा की जा रही है. अनुष्ठान किए जा रहे हैं.

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की तबीयत खराब होने के बाद उनका इलाज दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में चल रहा है। जहां राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत परिवार के लोग और पार्टी नेता मौजूद है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी गुरुवार को अस्पताल पहुंच कर उनके स्वास्थ की जानकारी ली थीं।। वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और कार्यकर्ता शिबू सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की कामना को लेकर पूजा अर्चना कर रहे हैं। शिबू सोरेन के बीमार होने के बाद से सीएम हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन, विधायक बसंत सोरेन लगातार दिल्ली में ही डेरा डाले हुए है। नेफ्रोलॉजी विभाग के डॉक्टर एके भल्ला की अगुवाई में डॉक्टरों की टीम गुरु जी का इलाज कर रही है। वही झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी झारखंड कांग्रेस के सह प्रभारी बेला प्रसाद के साथ उन्हें देखने दिल्ली गए हैं। जबकि दोनों संथाल परगना के दौरे पर थे। इसकी जानकारी स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी ने अपने एक्स पर जानकारी दी है। ■ शेष पृष्ठ 4 पर

आपकी यह आदत आपको मौत के मुंह में डाल सकती हैं !

क्राइम संवाददाता द्वारा

धनबादः आप अगर शराब के शौकीन हैं तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। आपकी यह शौक आपको किसी गंभीर बीमारी की चपेट में ले सकता है। जिससे मौत होने की आशंका है, क्योंकि अब सरकारी शराब दुकान में भी नकली शराब बेचे जा रहे हैं। इसका खुलासा तब हुआ जब रांची की टीम धनबाद पहुंची और दो शराब दुकान में छापेमारी है। जहां से कई नामी ब्रांड के नकली शराब को जब्त किया। इसके साथ ही पांच लोगों को भी हिरासत में लिया गया है।

उत्पाद अधीक्षक सुधीर कुमार ने बताया कि उन्हें कई दिनों से शिकायत मिल रही थी कि सरकारी शराब दुकान में नकली शराब बेचे जा रहे हैं। इसके अलावा बोतल में प्रिंट मूल्य से भी ज्यादा पैसे की वसूली की जा रही है। जिसके बाद विभाग की टीम ने मेमको मोड़ और गोल बिल्डिंग स्थित दो सरकारी शराब दुकानों पर

छापेमारी की। इस छापेमारी में भारी मात्रा में नकली शराब बरामद किए गए, जिससे शिकायतों की पुष्टि हुई।

मेमको मोड़ स्थित दुकान से राजेश कुमार, आकाश सिंह और अजय कुमार सिंह नामक तीन सेल्समैनों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, गोल बिल्डिंग स्थित दुकान से रंजीत कुमार और ब्रिजेश कुमार नामक दो सेल्समैनों को हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार सभी सेल्समैनों को आगे की कार्रवाई के लिए धनबाद उत्पाद विभाग को सौंप दिया गया है।

उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि उन्हें लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि सरकारी शराब दुकानों में नकली शराब खुलेआम बेची जा रही है और ग्राहकों से निर्धारित मूल्य से अधिक पैसे वसूले जा रहे हैं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए, उन्होंने एक विशेष टीम का गठन किया और मामले की जानकारी धनबाद के उपायुक्त को दी। उपायुक्त के निर्देश पर, रवींद्रनाथ ठाकुर को दंडाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया और उनके नेतृत्व में छापेमारी की गई।

इस सुनियोजित कार्रवाई के दौरान, मेमको मोड़ स्थित दुकान से लगभग 217 बोतलें और गोल बिल्डिंग स्थित दुकान से लगभग 233 बोतलें विभिन्न ब्रांड की शराब जब्त की गई। जब्त की गई बोतलों में छोटी और बड़ी दोनों साइज की बोतलें शामिल थीं। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि जब्त की गई अधिकांश शराब नकली थी। ■ शेष पृष्ठ 4 पर

जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता निधि
दीया कोष

आपके प्रियजनों को आज ही नामांकित करें, उनका कल सुरक्षित बनाएँ

नामांकन यह सुनिश्चित करता है कि आपकी मृत्यु के बाद आपके प्रियजनों को बिना किसी परेशानी के आपकी वित्तीय परिसंपत्तियाँ प्राप्त हो जाएँ

- अपने बैंक खाते, लॉकर और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए अपना नामांकन करें
- नामांकन के विवरण की जाँच बैंक से की जा सकती है

अधिक जानकारी के लिए, https://rbikehtahai.rbi.org.in/nf पर विजिट करें
फ़ीडबैक देने के लिए, rbikehtahai@rbi.org.in को लिखें

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

चुनाव आयोग ने 345 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों को सूची से हटाया

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने ऐसे 345 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की पहचान कर उनको सूची से हटाने का काम शुरु कर दिया है जो पिछले छह वर्षों में एक भी चुनाव लड़ने की आवश्यक शर्त को पूरा करने में विफल रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने मिलकर 345 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटाने की कार्यवाही शुरू कर दी है। इस दायरे में वे सभी राजनीतिक दल होंगे जो 2019 से कहीं भी सक्रिय नहीं हैं। ये सभी पंजीकृत गैर-मान्यताप्राप्त दल देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मौजूद हैं। आयोग ने कहा है कि उसके संज्ञान में आया है कि वर्तमान में आयोग के पास 2,800 से अधिक पंजीकृत गैर मान्यताप्राप्त दल हैं जो शर्तों को पूरा नहीं करते हैं लेकिन उसने देशव्यापी अभियान चलाकर अब तक 345 ऐसे दलों की पहचान की गई है जो सूची में बने रहने के पात्र नहीं हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई भी पार्टी अनुचित रूप से सूची से बाहर न हो जाए, संबंधित राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के चुनाव अधिकारियों को ऐसे दलों को कारण बताओ नोटिस जारी करने को कहा गया है और ऐसे दलों को सुनवाई के लिए एक मौका दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले रोहन जेटली, पिता अरुण जेटली की स्मृतियों को किया साझा

नई दिल्ली। वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. अरुण जेटली के पुत्र रोहन जेटली ने आज अपने परिवार सहित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने स्व. अरुण जेटली के योगदान को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके सिद्धांतों एवं मूल्यों को याद किया।प्रधानमंत्री कार्यालय में हुई इस आत्मीय भेंट के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने आपातकाल के दौर और उसमें अरुण जेटली की भूमिका को याद करते हुए कहा कि वह आज भी जेटली जी के विचारों और मूल्यों से प्रेरणा लेते हैं। भेंट के बाद रोहन जेटली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी भावना साझा करते हुए लिखा, आज परिवार सहित माननीय प्रधानमंत्री से भेंट कर अत्यंत गौरव और सम्मान की अनुभूति हुई। उनकी आत्मीयता, सौम्यता और गहराई ने हम सभी को घर जैसा महसूस कराया। आपातकाल के दिनों की स्मृतियां, पिता जी की भूमिका, कई विचारों का आदान-प्रदान और कुछ हल्की-फुल्की बातें भी हुईं, जिनका विशेष आनंद हमारी बेटी ने उठाया! यह मुलाकात केवल एक शिष्टाचार भेंट नहीं थी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र और राजनीतिक मूल्यों की विरासत को याद करने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी बनी। प्रधानमंत्री और जेटली परिवार के बीच की यह संवादात्मक भेंट भारतीय राजनीति में साझा आदर्शों और पारिवारिक संबंधों की गर्मजोशी का प्रतीक कही जा सकती है।

आपातकाल लोकतंत्र की हत्या का काला अध्याय, जिसे हर पीढ़ी को पढ़ना चाहिए - भूपेन्द्र यादव

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय करार देते हुए कहा कि हर युवा को इस इतिहास के बारे में जानना जरूरी है, ताकि भविष्य में लोकतंत्र कभी बंधक न बने। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए आर्थिक समृद्धि के साथ मजबूत लोकतंत्र भी जरूरी है । गढ़ी कैंट स्थित हिमालयन कल्चरल सेंटर में आयोजित प्रेस-वार्ता में केन्द्रीय मंत्री ने ये बातें कही। इस दौरान उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह दुर्भाग्यपूर्ण दिन था, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से देश में आपातकाल लागू किया गया। यह लोकतंत्र पर बड़ा हमला था। यह निर्णय लोकतांत्रिक मूल्यों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर सीधा आघात था। आज से 50 वर्ष पूर्व कांग्रेस सरकार की ओर किए गए इस दमनकारी निर्णय की स्मृति में यह दिन संविधान हत्या दिवस के रूप में याद किया जाता है। भारत के लोकतंत्र की असली आजादी मार्च 1977 को मिली।

राहुल गांधी के सवाल कुछ लोग हजम नहीं कर पा रहे : सुखदेव भगत

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि जिस अंदाज में उनके नेता राहुल गांधी चुनाव आयोग से सवाल पूछ रहे हैं वो कुछ लोगों को रास नहीं आ रहा। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में मैच फिक्सिंग हुई है और सांसद गांधी ने इस मुद्दे की ओर पूरे देश का ध्यान आकर्षित कराया है। उन्होंने समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा, इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि चुनाव आयोग की भूमिका हमेशा से ही संदेह के घेरे में रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी इस मुद्दे को हमेशा उठाते रहे हैं। उन्होंने इस मामले पर लेख लिखकर पूरे देश का ध्यान आकृष्ट कराया था।कांग्रेस नेता ने दावा किया कि महाराष्ट्र में मैच फिक्सिंग हुई है, जिसमें चुनाव आयोग की भी भूमिका रही है, और इसी मुद्दे को हमारे पार्टी के नेता राहुल गांधी उठा रहे हैं, जिसे कुछ लोग हजम नहीं कर पा रहे हैं। खैर, हम इस मुद्दे को लगातार उठाते रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने कांवड़ सेवा समितियों के साथ की बैठक, बोलीं- सबसे यादगार होगा कांवड़ आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को दिल्ली सचिवालय में कांवड़ महोत्सव में शिव भक्तों के लिए पंडाल, भंडारा इत्यादि का प्रबंध करने वाली कांवड़ सेवा समितियों के साथ संवाद बैठक की। इस बार दिल्ली सरकार के ई- डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर गूगल फॉर्म के जरिये कांवड़ समितियों का पंजीकरण किया जा सकेगा। बैठक में कांवड़ सेवा आयोजन के लिए बनी समिति के अध्यक्ष व दिल्ली सरकार के संस्कृति व पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, सदस्य व विधायक अनिल शर्मा, संजय गोयल, अजय महावर, प्रद्युमन राजपूत, अभय वर्मा आदि मौजूद रहे। इससे पहले कांवड़ सेवा समितियों ने यहां मुख्यमंत्री का सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने कांवड़ सेवा में समर्पित सभी शिव भक्तों और समितियों को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली हर वर्ष कांवड़

यात्रियों की सेवा में समर्पित रहती है और इस बार दिल्ली सरकार पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ इसे भव्य बनाने के लिए जुट गई है। उन्होंने कहा कि यह हमारी सरकार का पहला कांवड़ आयोजन है और सरकार का संकल्प है कि यह अब तक का सबसे यादगार, सुविधाजनक और व्यवस्थित अनुभव हो। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने सफाई, शौचालय, सुरक्षा, बिजली, लाइटिंग, मेडिकल सुविधाएं की प्रक्रिया को पहले से बेहतर बनाया है। अब केवल 72 घंटों में अनुमति देने की व्यवस्था की गई है। साथ ही सभी कैम्पों के लिए 1200 यूनिट तक फ्री बिजली की सुविधा देने का भी निर्णय लिया गया है। इसके अतिरिक्त कांवड़ महोत्सव के समापन के बाद सभी लंबित भुगतान तीन माह के भीतर करने की बात भी कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के सभी बार्डरों पर खुद सरकार के मंत्री, विधायक आदि शिव भक्तों का स्वागत पुष्पवर्षा से करेंगे। हर एंट्री पॉइंट पर सुरक्षित कॉरिडोर, सफाई, प्रकाश व्यवस्था और चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही छोटी से छोटी संस्था को भी बराबरी का सहयोग मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार शिव भक्तों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। पहली बार कांवड़ यात्रा को प्रशासनिक स्तर पर इतनी भव्यता के साथ आयोजित किए जाने की तैयारी है।

चुनाव आयोग से मुलाकात से पहले कांग्रेस की शर्त- वीडियो फुटेज और डिजिटल मतदाता सूची की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर अपनी दो मांगों को फिर दोहराया है। इसमें डिजिटल मतदाता सूची और चुनाव की वीडियो फुटेज शामिल है। साथ ही कहा है कि दोनों मांगों के पूरा होने के बाद पार्टी आयोग से मिलने को भी राजी है और इसमें पार्टी अपना विशलेषण भी आयोग के समक्ष रखेगी। कांग्रेस की ओर से बनाए गए विशेष समूह (ईगल-नेताओं और विशेषज्ञों का सशक्त कार्य समूह) ने आयोग को पत्र लिख कर कहा है कि उसे महाराष्ट्र के लोकसभा और विधानसभा चुनावों की अंतिम मतदाता सूची की मशीन रिडेबल डिजिटल कॉपी और महाराष्ट्र तथा हरियाणा के मतदान दिवस की वीडियो फुटेज चाहिए। पत्र में कहा गया है कि पार्टी की यह लम्बे समय से चली आ रही मांग है और चुनाव आयोग इसे आसानी से पूरा कर सकता है। पार्टी का कहना है कि इसे प्राप्त करने के बाद पार्टी नेतृत्व चुनाव आयोग से मिलने को तैयार है। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग लगातार कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर मिलने के लिए आमंत्रित कर रहा है। इस संबंध में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पत्र भी लिखा गया है।वहीं, कांग्रेस की मांगों पर आयोग का कहना है कि नियमों के तहत मतदाता सूची अपडेट होती है और इसे सभी राजनीतिक दलों को आपत्तियां देने के लिए समय से उपलब्ध भी कराई जाती हैं।

साइबर अपराधियों पर सीबीआई का शिकंजा, 5 राज्यों में छापेमारी, 9 गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने साइबर अपराधों और डिजिटल अरेस्ट स्कैम्स पर शिकंजा कसते हुए एक बड़ी कार्रवाई की। ऑपरेशन चक्र-5 के तहत सीबीआई ने पांच राज्यों (राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश) में 42 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की।

यह कार्रवाई उन म्यूल बैंक खातों के खिलाफ की गई, जो संगठित साइबर अपराधियों द्वारा यूपीआई धोखाधड़ी, फर्जी विज्ञापनों, निवेश धोखाधड़ी और डिजिटल अरेस्ट स्कैम्स में प्रयोग किए जा रहे थे। सीबीआई की शुरुआती जांच में यह खुलासा हुआ कि देशभर की 700 से अधिक बैंक शाखाओं में लगभग 8.5 लाख म्यूल अकाउंट्स खोले गए थे। ये खाते या तो फर्जी केवाईसी के आधार पर खोले गए या फिर ग्राहक सत्यापन और जोखिम मूल्यांकन की प्रक्रियाएं पूरी तरह से नजरअंदाज की गईं। इसके बाद, बैंक प्रबंधकों ने संदिग्ध लेनदेन पर कोई गंभीरता नहीं दिखाई और कई मामलों में खाताधारकों को पहचान पत्र या

धन्यवाद पत्र तक नहीं भेजे गए, जो नियमों का उल्लंघन है। सीबीआई की मानें तो इस पूरे घोटाले में कुछ बैंक अधिकारियों, एजेंटों, बैंक कॉरेस्पॉन्डेंट्स, ई-मित्रों और बिचौलियों की मिलीभगत पाई गई है। ये लोग म्यूल खातों को खोलने और साइबर फ्रॉड की रकम को ठिकाने लगाने में अहम भूमिका निभा रहे थे। सीबीआई ने इस मामले में 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एजेंट, मिडिल मैन, खाता धारक, एग्रीगेटर और बैंक कर्मी शामिल हैं। इसके अलावा, जांच एजेंसी ने मोबाइल फोन, खाता खोलने से जुड़े दस्तावेज, लेन-देन विवरण, केवाईसी दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य भी जब्त किए हैं। इस पूरे मामले में सीबीआई ने आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, जालसाजी और जाली दस्तावेज के प्रयोग जैसे गंभीर अपराधों के तहत एफआईआर दर्ज की है। इसके साथ ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत बैंक अधिकारियों के खिलाफ भी मामले दर्ज किए गए हैं। सीबीआई ने अपने प्रेस बयान में कहा कि यह कार्रवाई भारत सरकार के साइबर अपराधों के विरुद्ध सख्त रुख और ऐसे अपराधों के जड़ों को खत्म करने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश किया गया है और जांच अब भी जारी है।

'ऑपरेशन सिंधु' के तहत ईरान-इजराइल संघर्ष से करीब चार हजार भारतीय सुरक्षित निकाले गए

एजेंसी

नई दिल्ली। ईरान और इजराइल के बीच जारी तनावपूर्ण हालात के बीच भारत सरकार ने वहां फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए 'ऑपरेशन सिंधु' चलाया। इस अभियान के तहत अब तक 4,000 से अधिक भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश लाया जा चुका है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने जानकारी दी कि यह ऑपरेशन 18 जून को शुरू किया गया था।

जायसवाल ने बताया कि ईरान में करीब 10,000 और इजराइल में लगभग 40,000 भारतीय नागरिक मौजूद थे। इनमें से ऑपरेशन सिंधु के तहत ईरान से अब तक 3,426 भारतीय नागरिकों के साथ 11 ओसीआई (ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया) कार्डधारकों को निकाला गया है। इनके अलावा नेपाल के नौ नागरिक, कुछ श्रीलंकाई नागरिक और एक ईरानी नागरिक, जो एक भारतीय का जीवनसाथी है, को भी

सुरक्षित निकाला गया। उन्होंने बताया कि कुल 14 उड़ानें ईरान, आर्मेनिया और तुर्कमेनिस्तान से संचालित की गईं, जिनमें से अंतिम उड़ान आर्मेनिया से थी। वहीं इजराइल से भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए चार विशेष उड़ानों का संचालन किया गया, जिनमें जॉर्डन और मिस्र के रास्ते कुल 818 भारतीय नागरिकों को वापस लाया गया। जायसवाल ने ऑपरेशन की सफलता के लिए ईरानी सरकार का विशेष आभार व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने भारत के अनुरोध पर अपना हवाई क्षेत्र खोलकर इस मानवीय प्रयास को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

एयर इंडिया के दुर्घटनाग्रस्त विमान के ब्लैक बॉक्स की जांच जारी:मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली।नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एअर इंडिया हादसे के बाद मिले ब्लैक बॉक्स की जांच से जुड़ी जानकारी साझा की है। मंत्रालय ने बताया है कि 24 जून को फ्रंट ब्लैक बॉक्स से क्रैश प्रोटेक्शन मॉड्यूल (सीपीएम) को सुरक्षित रूप से निकाल लिया गया, 25 जून को मेमोरी मॉड्यूल को सफलतापूर्वक एक्सेस किया गया और इसका डेटा एएआईबी लैब में डाउनलोड किया गया। सीवीआर और एफडीआर डेटा का विश्लेषण जारी है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई-171 के ब्लैक बॉक्स डेटा का विश्लेषण अभी चल रहा है। कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) दोनों को बरामद कर लिया गया था, उन्हें दिल्ली ले जाया गया है और विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी)

प्रयोगशाला में डेटा विश्लेषण जारी है। मंत्रालय ने कहा कि टीम का नेतृत्व एएआईबी के महानिदेशक कर रहे हैं। इसमें यूएस नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) के प्रतिनिधि, एक विमानन चिकित्सा विशेषज्ञ और एक एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) अधिकारी शामिल हैं। मंत्रालय के मुताबिक भारत, आईसीएओ शिकागो कन्वेंशन (1944) का हस्ताक्षरकर्ता होने के नाते आईसीएओ अनुलग्नक 13 और विमान (दुर्घटनाओं और घटनाओं की जांच) नियम, 2017 के अनुरूप जांच कर रहा है। एएआईबी ऐसी जांच के लिए नामित प्राधिकारी है और उसने दुर्घटना के एक दिन बाद 13 जून, 2025 को एक बहु-विषयक टीम का गठन किया था।

ब्लैक बॉक्स की रिकवरी और ट्रांसफर:मंत्रालय के अनुसार हैंडलिंग कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) दोनों अहमदाबाद में दुर्घटना स्थल से बरामद किए गए थे। इसमें एक 13 जून को इमारत की छत से और दूसरा 16 जून को मलबे से बरामद हुआ था। दोनों उपकरणों को पुलिस सुरक्षा और सीसीटीवी निगरानी सहित सख्त प्रोटोकॉल के तहत संभाला गया। इसके बाद 24 जून को ब्लैक बॉक्स भारतीय वायु सेना के विमान के जरिए अहमदाबाद से दिल्ली ले जाया गया। इस विमान के सामने का ब्लैक बॉक्स दोपहर 2ः00 बजे एएआईबी के महानिदेशक के साथ एएआईबी लैब पहुंचा, जबकि पिछला ब्लैक बॉक्स एएआईबी की दूसरी टीम द्वारा शाम 5:15 बजे पहुंचाया गया। उस शाम, एएआईबी और एनटीएसबी तकनीकी सदस्यों वाली टीम ने डेटा निष्कर्षण शुरू किया।

नीट परीक्षा में धांधली की व्यापक स्तर पर हो जांच : कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा-नीट में हो रही कथित धांधली को लेकर राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनटीए) पर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया और कहा कि जिस एनटीए को इस परीक्षा को पारदर्शी तरीके से कराने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है वह भ्रष्टाचारी एजेंसी बन गयी है और युवाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है। कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई के प्रभारी कन्हैया कुमार ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश की एनटीए 'राष्ट्रीय भ्रष्टाचार एजेंसी' बन चुकी है। नीट परीक्षा होती है तो भ्रष्टाचार से जुड़ी नयी-नयी चीजें सामने आती हैं। एनटीए जो भी परीक्षा कराती है, उसका डेटा लीक हो जाता है। एनटीए अविश्वनीय बन चुकी है और यह परीक्षा एजेंसी किसी भी परीक्षा को पारदर्शी तरीके से आयोजित नहीं कर पा रही है इसलिए इसके अधिकारियों की जांच होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि एनटीए के जरिए हो रही नीट परीक्षा के आयोजन में भ्रष्टाचार अत्यंत गंभीर तरीके से सामने आ रहा है। केन्द्रीय जांच ब्यूरों (सीबीआई) ने महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है जिसमें कुछ लोग गिरफ्तार हुए हैं और इसमें गंभीर बात यह है कि प्राथमिकी में पैसा लेकर ओएमआर शीट बदलने की बात सामने आई है। नीट परीक्षा के माध्यम से बच्चे डॉक्टर बनते हैं जो देश की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ होती है। इस प्राथमिकी के बाद एनटीए फिर शक के घेरे में है, लेकिन उसके खिलाफ अब तक कोई बड़ी जांच नहीं बिठाई गयी है।

भारतीय नौसेना की मेजबानी में हुई समुद्री सुरक्षा पर आईओएनएस कार्य समूह की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। समुद्री सुरक्षा पर भारतीय महासागर नौसेना संगोष्ठी (आईओएनएस) कार्य समूह की बैठक नई दिल्ली में भारतीय नौसेना ?की मेजबानी में हुई।? इसमें आईओएनएस? के 13 सदस्य देशों ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, फ्रांस, भारत, केन्या, मोजाम्बिक, ओमान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, तंजानिया और थाईलैंड के प्रतिनिधि शामिल हुए।

सहायक नौसेना प्रमुख (विदेशी सहयोग एवं खुफिया) रियर एडमिरल निर्भय बापना ने अपने मुख्य संबोधन में हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में क्षेत्रीय समुद्री सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई और समकालीन समुद्री सुरक्षा चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए बहुपक्षीय तंत्र की बढ़ती आवश्यकता पर बल दिया।दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रतिनिधियों ने क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से व्यापक विचार-विमर्श किया। इस दौरान सूचना-

साझाकरण ढांचों को बढ़ाने, समुद्री डोमेन जागरुकता को आगे बढ़ाने और उभरते खतरों को कम करने के लिए सहयोगी दृष्टिकोण अपनाने पर केंद्रित चर्चाएं हुईं। कार्य समूह ने समन्वित और समय पर क्षेत्रीय प्रतिक्रियाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए सामंजस्यपूर्ण परिचालन दिशा-निर्देशों और व्यावहारिक उपायों के निर्माण पर भी विचार-विमर्श किया। बैठक के परिणामों से सदस्य नौसेनाओं के सुरक्षित हिंद महासागर क्षेत्र को बनाए रखने के सामूहिक संकल्प को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है।

भारत-कनाडा में उच्चायुक्तों की बहाली पर दोनों देशों में सहमति : विदेश मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और कनाडा के बीच हाल के महीनों में उत्पन्न कूटनीतिक तनाव कम करने की दिशा में सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि दोनों देश अपने-अपने उच्चायुक्तों की बहाली को लेकर सहमत हैं और इस पर काम जारी है। विदेश मंत्रालय की आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कनाडा में भारत के उच्चायुक्त की बहाली को लेकर पूछे गए सवाल पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत-कनाडा संबंधों में स्थिरता लाने के प्रयास जारी हैं और उच्चायुक्तों की वापसी इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने बताया कि जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान कनाडा के अल्बर्टा स्थित कनानास्किस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की पिछली मुलाकात हुई थी। उस बैठक के बाद जारी संयुक्त प्रेस बयान में दोनों नेताओं ने साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन के प्रति सम्मान और संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांतों पर आधारित आपसी संबंधों की पुष्टि की थी। रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच यह सहमति बनी थी कि आपसी रिश्तों में संतुलन और स्थिरता वापस लाने के लिए संतुलित व रचनात्मक कदम उठाए जाएंगे, जिसकी शुरुआत एक-दूसरे की राजधानियों में उच्चायुक्तों की जल्द वापसी से होगी।

उन्होंने यह भी कहा कि दोनों पक्ष अब इस विशेष मुद्दे पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भारत-कनाडा संबंध पिछले वर्ष उस समय तनावपूर्ण हो गए थे जब कनाडा ने खालिस्तान समर्थक आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत पर सार्वजनिक रूप से आरोप लगाए थे, जिसके जवाब में भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी।

नीट-यूजी 2025 : सुप्रीम कोर्ट का दिल्ली हाई कोर्ट से मामला स्थानांतरित करने से इनकार

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मेडिकल स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा 2025 को चुनौती देने वाली एक रिट याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने असद खत्री की गुहार ठुकराते हुए कहा कि यह याचिका सार्वजनिक हित के तथ्यों पर आधारित नहीं है और इसलिए इस विवाद का शीर्ष अदालत की बजाय उच्च न्यायालय में ही निपटारा किया जाना चाहिए।

पीठ ने याचिकाकर्ता द्वारा उठाई गई इस चिंता पर विचार करते हुए कि जुलाई के मध्य तक सीटें (मेडिकल स्नातक की) भर जाएंगी,उन्हें सुनवाई आगे बढ़ाने की अनुमति दी।

पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने मामले को 31 जुलाई के लिए सूचीबद्ध किया है।पीठ ने याचिकाकर्ता की चिंता और तात्कालिक महत्व को देखते हुए संभावित शीघ्र सुनवाई के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष इसका उल्लेख करने की याचिकाकर्ता को अनुमति दी। याचिकाकर्ता की ओर से पेश व्यक्तिगत तथ्यों पर आधारित है। इसमें किसी कानून की वैधता को चुनौती नहीं दी गई है। इसलिए यह मामला शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने योग्य नहीं है।

अधिवक्ता सुभाष झा ने इस मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित याचिका को शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था। इस पर न्यायमूर्ति विश्वनाथन की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि वर्तमान याचिका? न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने अधिवक्ता से कहा,आपका मामला व्यक्तिगत तथ्यों पर आधारित है। हम तभी स्थानांतरण कर सकते हैं, जब विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं में कानून के एक समान प्रश्न हों।

सुप्रीम कोर्ट महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण विवाद पर जुलाई में करेगा विचार

एजेंसी

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय महाराष्ट्र में शिक्षा और रोजगार में मराठाओं को 10 फीसदी आरक्षण प्रावधान को चुनौती देने वाली याचिका पर 14 जुलाई के बाद विचार करेगा। न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने एक अधिवक्ता की संबंधित मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने की गुहार पर यह अनुमति दी। पीठ ने कहा कि याचिका को फिर से खुलने वाले सप्ताह (गर्मी की छुट्टियों के बाद 14 जुलाई से शुरू होने वाले सामान्य कार्य दिवस) में सूचीबद्ध किया जाएगा। याचिका में बॉम्बे उच्च न्यायालय के उस अंतरिम आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें संबंधित मराठा आरक्षण कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया गया था।? उच्च न्यायालय ने आरक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं के अंतिम फैसला आने तक 10 फीसदी आरक्षण की अनुमति दी थी। शीर्ष अदालत के समक्ष वकील ने तर्क दिया कि उच्च न्यायालय ने मराठा आरक्षण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया और इसे अंतरिम आधार पर लागू करने की अनुमति दी। शीर्ष अदालत के समक्ष वकील ने दलील दी, यह उद्देश्य के लिए पर्याप्त नहीं है। इस माननीय न्यायालय ने इससे पहले के विवाद में रोक लगाई, यहां तक कि उच्च न्यायालय ने रोक लगाई थी। उच्च न्यायालय की तीन सदस्यीय पीठ ने 11 जून को एक आदेश पारित किया, जिसमें मराठा समुदाय को मराठा आरक्षण कानून 2024 को चुनौती देने वाली याचिकाओं के अंतिम फैसला आने तक शिक्षा और रोजगार में 10 फीसदी आरक्षण का लाभ उठाने की अनुमति दी गई है।उच्च न्यायालय ने मामले के शीघ्र निपटान करने के उच्चतम न्यायालय के निर्देश के अनुसरण में आने वाली चुनौतियों पर विचार के लिए शनिवार को विशेष बैठकें आयोजित करने का भी प्रस्ताव रखा। उच्च न्यायालय में दायर याचिकाओं में महाराष्ट्र राज्य सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों (एसईबीसी) के लिए आरक्षण अधिनियम, 2024 की वैधता को चुनौती दी गई है, जो ओबीसी श्रेणी के तहत मराठों को 10 फीसदी आरक्षण प्रदान करता है। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) सुनील बी. शुक्रे के नेतृत्व वाले महाराष्ट्र राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग (एमएसबीसीसी) की एक रिपोर्ट के आधार पर 20 फरवरी, 2024 को राज्य विधानमंडल में अधिनियम पारित किया गया था। इस रिपोर्ट में मराठा समुदाय को आरक्षण देने के औचित्य के रूप में असाधारण परिस्थितियों का हवाला दिया गया, जो राज्य में कुल आरक्षण सीमा 50 प्रतिशत से अधिक है।

कैथा में उमड़ा आस्था का सैलाब: जगन्नाथ रथयात्रा में सांसद मनीष जायसवाल और विधायक ममता देवी हुए शामिल

- सांसद मनीष जायसवाल ने की जगन्नाथ स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना और किया महाप्रसाद वितरण
- कैथा जगन्नाथ मंदिर का है 75 साल का समृद्ध इतिहास: मनीष जायसवाल

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के रामगढ़ जिले के कैथा में गुरुवार को श्री श्री जगन्नाथ स्वामी रथयात्रा-2025 का भव्य आयोजन हुआ। इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं का विशाल जनसैलाब उमड़ पड़ा, जिसने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। इस रथयात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल और विशिष्ट अतिथि के रूप में रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक ममता देवी सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

मुख्य अतिथि सांसद मनीष जायसवाल ने सबसे पहले श्री जगन्नाथ स्वामी मंदिर, कैथा में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर माथा टेका। इसके पश्चात, उन्होंने आयोजन समिति द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का विधिवत फीता काटकर उद्घाटन किया। सांसद जायसवाल ने अपने हाथों से श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण भी किया, जिससे उपस्थित सभी भक्तजन आनंदित हुए। स्थानीय आयोजन समिति ने सांसद मनीष जायसवाल और विधायक ममता देवी सहित अन्य गणमान्य लोगों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। यह सम्मान उनके आगमन और कार्यक्रम में सहभागिता के प्रति आभार व्यक्त करने का एक तरीका था।

सांस्कृतिक कार्यक्रम और मेले ने बढ़ाया उत्साह

रथयात्रा के दौरान कैथा में एक ओर जहां मंदिर परिसर में आस्था का सैलाब दिखा, वहीं दूसरी ओर सांस्कृतिक कार्यक्रम और मेले में लोगों ने खूब मनोरंजन किया। यह आयोजन धार्मिक आस्था और सामाजिक उत्सव का एक सुंदर संगम बन गया था।

सांसद मनीष जायसवाल ने सराहा आयोजन समिति के प्रयास

इस अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि श्री जगन्नाथ स्वामी मंदिर कैथा परिसर में पिछले करीब 75 सालों से रथयात्रा का आयोजन हो रहा है। उन्होंने कैथा जगन्नाथ मंदिर के समृद्ध इतिहास का जिक्र करते हुए वर्तमान वर्ष में आयोजन समिति द्वारा किए गए बदलावों की सराहना की। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से सनातन संस्कृति और सभ्यता को अक्षुण्ण रखने में ऐसे आयोजन मील के पत्थर साबित होगा। उन्होंने भगवान जगन्नाथ से क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की ।

मौके पर ये गणमान्य लोग रहें मौजूद

इस भव्य आयोजन में विशेष रूप से रामगढ़ जिले के सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल, रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस, सांसद प्रतिनिधि सह भाजपा नेता सरदार अनमोल सिंह, भाजपा जिला महामंत्री विजय जायसवाल, रंजन सिंह फ़ौजी, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, आयोजन समिति के अध्यक्ष सुदर्शन महतो, सचिव संतोष महतो, कोषाध्यक्ष कुलदीप महतो, उपाध्यक्ष ध्यानचंद महतो, उपाध्यक्ष देवलाल महतो, उपसचिव शिव कुमार, उपकोषाध्यक्ष रूपेन्द्र महतो और व्यवस्थापक गुणीनाथ महतो सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

जैगुआर एफसी ने अंबेडकर एफसी को 3-0 से हराया, सुनील मुंडा की हैट्रिक

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के पूर्व फुटबॉल खिलाड़ियों एवं रेफरियों द्वारा आयोजित ए डिविजन फुटबॉल लीग में आज एक रोमांचक मुकाबला खेला गया। इस मैच में लोहरसा केरेडारी की टीम जैगुआर एफसी ने अंबेडकर फुटबॉल क्लब को एकतरफा अंदाज़ में 3-0 से पराजित किया। जैगुआर एफसी की ओर से सुनील मुंडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार तीन गोल दागकर हैट्रिक बनाई और अपनी टीम को जीत दिलाई।

मैच के बाद आयोजकों द्वारा खिलाड़ियों को एक-एक वृक्ष देकर पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। यह पहल खिलाड़ियों और दर्शकों द्वारा सराही गई।

आज के मैच में मुख्य रेफरी अशोक कुमार, सुरेंद्र राम एवं शशि कुमार थे। संघ की ओर से नजरुल हसन, भैया मुरारी, सुरेंद्र शुक्ला, सरफराज अहमद, लाल किशोर प्रसाद, उमेश कुमार, मोहम्मद जलील एवं सफीउल्लाह की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम की जानकारी संघ के भैया मुरारी सिन्हा ने दी।

बड़कागांव मे रथ यात्रा मेला का भव्य आयोजन हजारों श्रद्धालुओं मेला देखने में भाग लिया

बड़कागांव संवाददाता

बड़कागांव। प्रखंड स्थित विख्यात बड़कागांव राम जानकी मंदिर में रथ यात्रा को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई है। गुरुवार को राम जानकी मंदिर में स्थापित भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा को स्नान ध्यान एवं नए आकर्षक वस्त्र पहनाया गया। तत्पश्चात पुजारी चिंतामन महतो द्वारा पूजा अर्चना कर भगवान के समक्ष छप्पन भोग परोसा गया। इसमें सबसे पहले भगवान का सबसे प्रिय भोग चिरायता का शरबत परोसा गया। तत्पश्चात दूध, दही, मधु, आम, अंगूर, केला, संतरा, किसमिस, बादाम, खीर, पूड़ी, चना, चावल, दाल, साग, पनीर वगैरह कई प्रकार की मिठाई कुल 56 प्रकार की भोग लगाया गया। पूजा अर्चना के उपरांत पुजारी चिंतामन महतो ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भोग में चढ़े प्रसाद ग्रहण करवाया। आज शुक्रवार को प्रखंड के दर्जनों गांव से हजारों की संख्या में श्रद्धालु पूजा करने एवं मेला देखने बड़कागांव राम जानकी मंदिर पहुंचेंगे, भगवान का दर्शन कर पूजा अर्चना करेंगे। आज शाम लगभग 6:00 बजे भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को रथ पर बैठाकर क्षेत्र भ्रमण कराया जाएगा तत्पश्चात उन्हें 9 दिनों के लिए रेंज ऑफिस प्रेम नगर स्थित मौसी बाड़ी ले जाया जाएगा। बताते चलें कि बड़कागांव प्रखंड में 74 वर्ष पूर्व 1941 में रथ यात्रा का शुभारंभ का शुरुआत की गई थी तब से लेकर अब तक स्थानीय ग्रामीणों के प्रयास से रथ मेला एवं पूजा का कार्य शांतिपूर्वक किया जा रहा है।

छप्पन भोग प्रसाद ग्रहण करने वालों में मुख्य रूप से पुजारी चिंतामणि महतो, रथ पूजा अध्यक्ष पिटू गुप्ता, मनोज गुप्ता, सचिव पवन कुमार, इंग्लेश सोनी, रविंद्र लाल ,सरजू भुइयां, हरि महतो, आनंद कुमार, डोमन महतो, हरीनाथ राम, प्रेमचंद महतो, कीर्तन महतो, दर्शन महतो, अंतू महतो, वीरेंद्र महतो, हरिनाथ राम, अवध किशोर यादव, बंधन महतो ,प्रीतम महतो, ठाकुर दयाल महतो मदन महतो, अलावा कई लोग उपस्थित थे।

हजारीबाग विधायक के सौजन्य से भगवान जगन्नाथ धाम मंदिर में महाभोग (खिचड़ी) का वितरण

- रथयात्रा आस्था और सेवा का पर्व है, भगवान जगन्नाथ की कृपा सभी श्रद्धालुओं पर बनी रहे: प्रदीप प्रसाद

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सदर प्रखंड स्थित सिलवार गांव के प्राचीन भगवान जगन्नाथ धाम मंदिर में रथयात्रा महोत्सव के पावन अवसर पर हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद के सौजन्य से श्रद्धालुओं के बीच महाभोग स्वरूप खिचड़ी का भव्य वितरण किया गया। महाभोग का वितरण सुबह लगभग 10:00 बजे प्रारंभ हुआ, जो देर शाम तक अनवरत रूप से चलता रहा। बताते चले कि महाभोग का वितरण पिछले कई सालो से करवाया जाता रहा है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच अत्यंत सुव्यवस्थित ढंग से प्रसाद वितरण किया गया, जिससे श्रद्धालुओं में उत्साह एवं संतोष का वातावरण बना रहा। हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद निजी कारणों से शहर से बाहर होने के बावजूद उन्होंने पूर्व से ही आयोजन की विस्तृत योजना तैयार कर अपने प्रतिनिधियों व कार्याकर्ताओं को निर्देशित कर दिया था। विधायक की अनुपस्थिति में भी आयोजन में कहीं कोई कमी नहीं दिखी। विधायक की टीम भाजपा के नेता व कार्याकर्ताओं ने पूरी तत्परता और समर्पण के साथ महाभोग वितरण कार्य को कुशलतापूर्वक संपन्न कराया विधायक प्रदीप प्रसाद के सुपुत्र सूर्यांश कुमार विशेष रूप से मंदिर परिसर पहुंचे और भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा माता की विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने क्षेत्रवासियों की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की तथा श्रद्धालुओं के बीच स्वयं प्रसाद वितरण करते हुए सेवा कार्य में लगे रहे। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भक्ति और उल्लास का वातावरण बना रहा। भजन-कीर्तन, पूजा-पाठ और प्रसाद वितरण से पूरा इलाका भक्तिरस में डूबा रहा। स्थानीय लोगों एवं ग्रामीणों ने इस आयोजन को अत्यंत सराहनीय बताते हुए विधायक प्रदीप प्रसाद के प्रति आभार जताया। हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद ने दूरभाष के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा की रथयात्रा हमारे समाज में आस्था, परंपरा और लोकसेवा का प्रतीक है। हर वर्ष की भांति इस बार भी महाभोग वितरण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जिससे श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ की कृपा प्राप्त कर सकें। मैं स्वयं उपस्थित नहीं रह सका, इसका खेद है, परंतु मेरी टीम व भाजपा नेता व कार्यकर्ताओं ने जिस प्रतिबद्धता के साथ आयोजन को सफल बनाया, वह अत्यंत प्रशंसनीय है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं, मंदिर समिति, स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों पुलिस व मीडिया बन्धुओ को धन्यवाद देते हुए भगवान जगन्नाथ से क्षेत्रवासियों के कल्याण की प्रार्थना की।

इस खास अवसर पर भाजपा नेता व पूर्व जिला परिषद सदस्य कौलेश्वर रजक, धर्मनाथ प्रसाद, सचिव नेमीचंद कुशवाहा, भाजपा नेता रामअवतार शर्मा, बिरजू रवि, अमृत पासवान, राजू प्रसाद, प्रमेश्वर गोप, रंजीत राम, राजेश साव, राजेन्द्र मेहता, मनोज कुशवाहा, महेन्द्र राम, जगदीश प्रसाद, नरेश यादव, विशेष्वर पाडेय, मंदिर समिति अध्यक्ष अभय सिह, प्रवेश रजक, टुन्नू पाडेय, राजेश यादव, भजन साव, मोनू कुमार, अविनाश कुमार, राजेश ठाकुर, राहूल मंडल, ज्वाला प्रताप, मनीष ठाकुर, चंदन सिह, दीपक प्रजापति सहित सैकेडों संख्या मे लोग महाभोग वितरण व रथ यात्रा मेला मे श्रद्धालुओं के स्वागत में मुस्तेद रहें।

सांढ़ पंचायत में चलाया गया नशा मुक्ति अभियान, लोगों को किया गया जागरूक

बड़कागांव संवाददाता

बड़कागांव। सांढ़ पंचायत में मुखिया सुलेखा कुमारी के नेतृत्व में नशा मुक्ति अभियान चलाकर सम्पूर्ण पंचायत को नशामुक्त करने का निर्णय लिया गया। नशा मुक्ति को लेकर प्रबुद्ध जनों के द्वारा सांढ़ उत्क्रमित मध्य विद्यालय से शिवाडीह पीएम श्री उच्च विद्यालय तक प्रभात फेरी निकाली गई। तथा ग्रामीणों को जागरूक किया गया ।

।मौके पर बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल ने कहा कि नशा मुक्त समाज को बनाने में स्वयं की सहभागिता महत्वपूर्ण होती है,क्योंकि जब लोग स्वयं को नशा से दूर रखेंगे तब घर को नशा से दूर रख सकते हैं। जब घर नशा से दूर होगा तो समाज को नशा से मुक्ति दिलाई जा सकती है। जिससे हमारा समाज सुदृढ़ व सशक्त होगा। इसके साथ-साथ उपस्थित सभी महिला पुरुषों ने शपथ लिया कि ना अपने घर में किसी को नशा का सेवन करने देंगे और ना ही अगल-बगल आज पड़ोस में किसी को करने देंगे।मौके पर मुखिया सुलेखा कुमारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल, पूर्व मुखिया भीखन महतो ,पंचायत समिति सदस्य उपेंद्र कुमार ,गिन्नी वर्मा ,गुरुदयाल कुमार जिज्ञासु, जलसहिया नेहा कुमारी ,रेखा कुमारी ,विकास कुमार ,ममता कुमारी ,सुचित्रा सिंह, विष्णु दयाल कुशवाहा ,कृष्ण कुमार मिश्रा, दशरथ महतो, प्रमोद कुमार ,संगीता कुमारी सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

सिलवार स्थित जगन्नाथ धाम मंदिर प्रांगण में आयोजित रथयात्रा मेला में ओम आरोहणम् संस्था की संस्थापिका सह भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने भव्य लंगर का किया आयोजन

भविष्य में भी इस मेले के आयोजन एवं मंदिर के कार्य में हरसंभव सहयोग करने के लिए तत्पर रहूंगी: शेफाली गुप्ता

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। हजारीबाग सदर प्रखण्ड स्थित सिलवार स्थित जगन्नाथ धाम मंदिर प्रांगण में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी इस वर्ष भी पूरे हर्ष-उल्लास के साथ भगवान जगन्नाथ की पूजा अर्चना एवं रथ मेले का आयोजन किया गया। इस मौके पर ओम आरोहणम् संस्था की संस्थापिका सह भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता के द्वारा भव्य लंगर का आयोजन किया गया। लंगर में भोग का प्रसाद वितरण किया गया। मुख्य रूप से हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, पी के शुक्ला, आरबी सिंह, समाजसेवी श्रद्धानंद सिंह सहित पत्रकार बंधुगण एवं महिला साथीगण उपस्थित रही। भक्तों के बीच प्रेमपूर्वक लंगर परोसा गया और सभी ने भगवान का प्रसाद ग्रहण किया। इस आयोजन में श्रद्धा, सेवा और समर्पण का अद्भुत संगम देखने को मिला। मेले में आए श्रद्धालुओं ने लंगर में प्रसाद ग्रहण कर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

जगन्नाथ धाम पूरी से मंगवाकर मुकुट, वस्त्र एवं श्रृंगार सहित अन्य सजावट की समाग्री जगन्नाथ धाम मंदिर में भगवान जगन्नाथ के चरणों में पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी अर्पित किया। विधिवत पूजा- अर्चना कर भगवान जगन्नाथ के चरणों में माथा टेककर हजारीबाग क्षेत्रवासियों के लिए सुख, समृद्धि एवं शांति की मंगल कामना की।

मौके पर ओम आरोहणम् संस्था की संस्थापिका सह भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने मेले में आए तमाम लोगों को संबोधित कर कहा कि भगवान जगन्नाथ सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें और हम सबको ऐसे ही भक्ति और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते रहें। उन्होंने कहा कि मेले में लंगर का आयोजन एवं भगवान जगन्नाथ की श्रृंगार में सहयोग करना मेरे लिए काफी सौभाग्य की बात है। भविष्य में भी इस मेले के आयोजन एवं मंदिर के कार्य में हरसंभव सहयोग करने के लिए तत्पर रहूंगी।

चौपारण में तीसरी बार आयोजित रथ महोत्सव में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

- सांसद- विधायक सहित कई गणमान्य हुए शामिल, रथ खींचकर भगवान से क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। शुक्रवार को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के बरही विधानसभा क्षेत्रांतर्गत चौपारण प्रखंड स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर बैजनाथ नगर, सियरकोनी में लगातार तीसरे साल तीसरी पहली बार श्री रथयात्रा महामहोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस श्री रथयात्रा महामहोत्सव के भव्य आगाज़ के अवसर पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल बतौर मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के रूप में बरही विधायक मनोज कुमार यादव, बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव, चतरा जिप उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी सहित अन्य गणमान्य

लोग शामिल हुए और रथ की रस्सी खींचते हुए भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र से क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इससे पूर्व यहां पहुंचने पर सांसद मनीष जायसवाल और विधायक मनोज कुमार यादव, विषयक अमित कुमार यादव सहित अन्य अतिथियों का रथ यात्रा आयोजन समिति के लोगों ने पगड़ी और पट्टा पहनाकर अभूतपूर्व स्वागत किया। रथ यात्रा में गाजे- बाजे, ढ़ोल-तासे, घोड़ा गाड़ी, भजन- कीर्तन जत्थे, विदेशी नागरिकों के हरे कीर्तन सहित अन्य प्रकार की अद्भुत झलक के साथ श्रद्धा और ईश्वर आस्था में डुबकी लगाते हुए सनातन श्रद्धालुजन शामिल हुए। यात्रा के संचालन में आरएसएस के स्वयंसेवक सहित कई स्थानीय राजनीतिक, धार्मिक, आध्यात्मिक और सामाजिक संगठनों के लिए जुटे हुए रहें।

मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा की चौपारण में जीटी रोड़ पर प्रचंड गर्मी में भी आस्था का जो जनसैलाब उमड़ा वह अभूतपूर्व, ऐतिहासिक और अद्भुत है। उन्होंने कहा की भारत के प्राचीन संस्कृति की जीवंत झलक यहां दिखी। उन्होंने यह भी कहा की वाकई हमारा देश और समाज बदल रहा है। इस महामहोत्सव के आगाज़ में धार्मिक आस्था का जनसैलाब ईश्वर भक्ति से सराबोर दिखा। हरे कृष्णा हरे राम, जय श्री राम के साथ जय जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र पूरा क्षेत्र गुंजायमान दिखा।

सिलवार स्थित जगन्नाथ धाम रथ मेला में उमड़ा जनसैलाब

धार्मिक मान्यता के अनुरूप भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र संग रथ पर सवार होकर पंहुचेंगे मौसीबाडी

हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने टेका माथा, क्षेत्र की खुशहाली की कामना की

शुक्रवार को हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्रांतर्गत सदर प्रखंड के सिलवार पंचायत स्थित सिलवार जगन्नाथ धाम में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी रथ द्वितीय के अवसर पर भव्य रथ- यात्रा मेला का आयोजन हुआ। यहाँ वर्ष 1952 में एक खपरैल मंदिर से भगवान जगन्नाथ की पूजा- अर्चना कुछ स्थानीय लोगों ने मिलकर शुरू की थी जो आज वृहत रूप ले चुका है। यहाँ स्थापित भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र की प्रतिमा ओडिशा के पुरी से लायी गयी है। हरे- भरे पहाड़ियों की श्रृंखलाओं के बीच अवस्थित इस स्थल में वर्तमान समय में एक भव्य मंदिर का निर्माण हो गया है। मंदिर परिसर की खुबसुरती से आकर्षित होकर और यहाँ आयोजित धार्मिक रथ मेला में सम्मिलित होने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से श्रधालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। धार्मिक मान्यता के अनुरूप विधिवत पूजा- अर्चना के उपरांत सिलवार मंदिर से भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र संग रथ पर सवार होकर केशुरा पहाडी स्थित मौसीबाडी पंहुचेंगे। इस दौरान श्रधालुओं के साथ दोपहर में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने भी यहां पंहुचकर ईश्वर की पूजा- अर्चना की और रथ को प्रणाम कर क्षेत्र की सुख, समृद्धि और खुशहाली की मंगलकामना की।

मेले में आकर्षक का केंद्र झुला, मौत का कुंवा, ठेले और खोमचे में बिख रहे तरह-तरह की मिठाई रही। स्थानीय लोगों ने हिल ट्रैकिंग का भी जमकर आनंद ले रहे हैं। मेले के दौरान मंदिर समिति के लोग और पुलिस बल के जवान तत्परता और सक्रियता से मेले के सफल संचालन में जुटे हैं। मौके पर विशेषरूप विशेषरूप से भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता, संघ के तारकांत शुक्ल, भाजपा एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष महेंद्र राम बिहारी, स्थानीय भाजपा मंडल अध्यक्ष कृष्णा मेहता, आनेश्वर प्रसाद, अभय सिंह, राजेश साव, बीपी प्रसाद, भगीरथ प्रसाद, नुनुलाल भुइयां, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

पूर्व मध्य रेल

ई. निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई. निविदा सं० पूमरे–मुप्रअ–नि–द–पीएसएस –02–25–26 दो पैकेट सिस्टम, कार्य का नाम : सीएओ/सी/दक्षिण के अधिकार क्षेत्र के तहत गैर–ईपीसी अनुबंध के माध्यम से निष्पादित विभिन्न निर्माण स्थलों/वर्गों पर परियोजना पर्यवेक्षण सेवाएं (पीएसएस) प्रदान करना। **अंकलित मूल्य (रू) :** 52,40,49,540.00, **बोली प्रतिभूति (रू):** 27,70,300.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 36 महीने। **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय :** 16.07.2025, 12.00 बजे।

ऐसी ई–निविदाओं के तहत डाक/ कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल निविदा अस्वीकार्य होगा तथा उसके बारे में बिना किसी विचार के तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई–निविदा दस्तावेज सहित की संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : **http//www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्य : निविदा सूचना में पाए गए किसी भी विसंगति विवरण के मामले में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा। प्रत्याशित निविदादाताओं को यह सलाह दी जाती है कि इस ई–निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम पंद्रह दिन पहले वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/दक्षिण/महेन्द्रूघाट, पटना

पीआर/493/सीओएन–एमएचएक्स/सीओएनएसटी/टी/25–26/40

संक्षिप्त समाचार

सड़क का पुनर्निर्माण, जेएमएम की पहल से ग्रामीणों को मिली राहत

बालूमाथ। बालूमाथ भारी वर्षा के कारण चितरपुर गांव की जर्जर हो चुकी ग्रामीण सड़क अब पुनर्निर्माण के रास्ते पर है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की ओर से इस दिशा में अहम पहल की गई है। पार्टी के लातेहार जिला अध्यक्ष लाल मोतीनाथ सहदेव के निर्देश पर बालूमाथ प्रखंड के युवा अध्यक्ष औरंगज़ेब ख़ान ने इस कार्य को गंभीरता से लेते हुए मरम्मत कार्य की शुरुआत करवाई। पिछले कई दिनों से हो रही मूसलधार बारिश के कारण यह सड़क पूरी तरह से गड्ढों में तब्दील हो गई थी, जिससे स्थानीय ग्रामीणों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। सबसे ज़्यादा दिक्कतें स्कूली बच्चों, मरीजों और दिहाड़ी मजदूरों को हो रही थीं,जिनके लिए यह सड़क मुख्य मार्ग के रूप में उपयोग होती है।सड़क मरम्मत कार्य शुरू होते ही ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और झामुमो युवा नेता औरंगज़ेब ख़ान का आभार जताया। ग्रामीणों ने कहा कि झामुमो ने हमेशा आम जनता की समस्याओं को प्राथमिकता दी है और समय रहते उनका समाधान किया है। पार्टी की यह सक्रियता जनसेवा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस पहल को लेकर स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है और उन्होंने आशा जताई कि आने वाले दिनों में गांव की अन्य समस्याओं पर भी इसी तरह तेजी से कार्रवाई की जाएगी।

बालूमाथ में निकली भगवान जगरनाथ की रथयात्रा

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड में शुक्रवार को जगरनाथ पूजा के अवसर पर विशाल शोभायात्रा निकालकर श्रद्धालुओं द्वारा पूजा अर्चना की गई।रथ पूजा के अवसर पर महावीर मंदिर के प्रांगण से श्रद्धालुओं द्वारा विशाल शोभायात्रा निकाला गया।शोभा यात्रा मुख्य बाजार से होते हुए शहीद चौक दिवाकर नगर टमटम टोला होते हुए दुर्गा मंडप स्थल पहुंचकर संपन्न हुई। इस मौके पर जीप उपाध्यक्ष अनिता देवी,सीओ प्रवीण सिंह, बजरंग दल के प्रखंड अध्यक्ष लालदेव गंझू, रविन्द्र प्रसाद, शशि भूषण, मुखिया नरेश लोहरा, उपमुखिया अमित गुप्ता, जेएमएम पूर्व प्रखंड अध्यक्ष ऐश्वर्य उराव, उपेन्द्र रंगीला, प्रेम प्रसाद गुप्ता, रंजू सिंह, संदीप प्रजापति, बिनोद कुमार साव, सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

फेसबुक आईडी पर अश्लील पोस्ट करना युवक को पड़ा महंगा

- पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
हंटरगंज (चतरा)। सोशल मीडिया के एक फेसबुक खाता पर महिला की अश्लील पोस्ट और फोटो वायरल करने के मामले में हंटरगंज थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पीड़िता ने 25 जून 2025 को हंटरगंज थाना में लिखित शिकायत दी थी। उसने बताया कि फेसबुक आईडी पर एक युवक के द्वारा अश्लील पोस्ट और फोटो ऑडियो वाइरल किया। शिकायत के आधार पर हंटरगंज थाना में कांड संख्या 110/25 दर्ज किया गया। इसमें धारा 356(1)(2), 351(2,) और आईटी एक्ट की धारा 66(इ), 67(ए) लगाई गई। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार कर लिया है। आगे की कानूनी कार्रवाई करते हुए युवक को न्यायिक हिरासत में चतरा भेज दिया गया है। गिरफ्तार युवक थाना क्षेत्र के डाहा निवासी योगेंद्र यादव का 22 वर्षीय पुत्र मुकेश कुमार है।

संत मरियम स्कूल में पीटी- 1 का रिजल्ट आज

मेदिनीनगर। संत मरियम स्कूल में पीटी-1 परीक्षा परिणाम की घोषणा आज की जाएगी। मालूम हो कि कुछ दिनों पहले विद्यालय में पीटी -1 परीक्षा का आयोजन किया गया था। विद्यालय के चारों शाखाएं संत मरियम स्कूल कजरी, संत मरियम आवासीय विद्यालय नावाटोली, संत मरियम स्कूल नावाहाता, संत मरियम किड्स स्कूल चैनपुर में परीक्षा परिणाम की घोषणा की जाएगी। उक्त जानकारी संत मरियम स्कूल के चेयरमैन श्री अविनाश देव ने दिया। कहा कि पिछले माह में सीबीएसई 10वीं और 12वीं की परीक्षा परिणाम की घोषणा हुई जिसमें संत मरियम विद्यालय के छात्र उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले के तमाम मेधावी छात्रों के शीर्ष पंक्ति में अपना जगह बनाया। विद्यालय में समय-समय पर टेस्ट परीक्षा का आयोजन किया जाता है ताकि बच्चों की बुद्धिमता का अवलोकन कर उन्हें उचित मार्गदर्शन व शिक्षा दिया जा सके।

बुढ़वा महादेव परिसर में राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया

बड़कागांव संवाददाता
बड़कागांव। बुढ़वा महादेव परिसर में प्राचीन शिव मंदिर के बगल में पड़रिया - चोरका के ग्रामीणों के द्वारा राम मंदिर निर्माण हेतु भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन के मुख्य पुजारी प्रभुदयाल ठाकुर, भोला महतो और कीनू राम के द्वारा विधिवत पूजा अर्चना किया गया। मौके पर पड़रिया निवासी संजय महतो ने कहा

कि बुढ़वा महादेव परिसर में हम सनातनियों के आराध्य प्रभु श्री राम की मंदिर की कमी खल रही थी जिसे देखते हुए हम चोरका एवं पड़रिया के ग्रामीणों ने बैठक कर श्री राम मंदिर निर्माण करने का निर्णय लिए। जिसका आज विधिवत भूमि पूजन हम लोगों ने किया। मौके पर मुख्य रूप से पड़रिया ग्राम के संजय महतो, सरजू महतो, बिक्रम गंझू, रामचंद्र राणा, संतोष महतो, मुंशी महतो, दिनेश्वर महतो, राजनाथ महतो, सहदेव राणा, दशरथ महतो, महेश राणा, बालेश्वर महतो, विनेश महतो, रामकुमार महतो, टीकू महतो, मुकेश कुमार, राम जन्म महतो, कृष्णा साव, विष्णु राम, बसंती देवी, मूर्ति देवी, सुमित्रा देवी, शांति देवी, यसोदा देवी, पूनम देवी, रुक्मणी देवी, मगहिया देवी, सीता देवी के अलावा दर्जनों लोग उपस्थित थे।

चौपारण में रथ यात्रा महोत्सव का हुआ आयोजन, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

भगवान जगन्नाथ पहुंचे बिगहा स्थित मौसी बाड़ी

आदिवासी एक्सप्रेस
चौपारण (हजारीबाग)। प्रखण्ड में रथ यात्रा महोत्सव का हुआ भव्य आयोजन। यह महा महोत्सव श्री जगन्नाथ कृपा फाउंडेशन के तत्वाधान में निकाल गया। आयोजकों के द्वारा इस भव्य रथयात्रा का आयोजन ऐतिहासिक रहा। महाप्रभु केशवानंद प्रभु के नेतृत्व में रथयात्रा का उत्सव सुबह नौ बजे से शुभारम्भ किया गया। रथयात्रा चैथी मोड़ कात्यानी मंदिर से होकर चौपारण के रास्ते चतरा मोड़ से गुजरते हुए चतरा चौपारण मार्ग स्थित बिगहा मौसीबाड़ी हनुमंत मंदिर पहुंची, जहां मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। रथयात्रा में उड़ीसा, के साथ साथ विदेशों से आने वाले अतिथियों, कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। वही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्व हिन्दू परिषद के कर्मठ सदस्यों एवं दुर्गा वाहिनी द्वारा भव्य प्रस्तुति प्रस्तुत की गयी। चौपारण के लिए यह पल

ऐतिहासिक एवं गौरान्वित करने वाले पल की गवाही बना। यह रथयात्रा। चौपारण के इतिहास में अविस्मरणीय पल के रूप में लिखा जाएगा। इस रथ यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। कई देशों के भक्तजन रथयात्रा में शामिल होने के लिए चौपारण पहुंचे। चौपारण के रथयात्रा का संचालन इस्कॉन ट्रस्ट के द्वारा किया गया। प्रत्येक वर्ष की तरह राधा कृष्ण मंदिर चौपारण में भी केशरवानी समाज की ओर से भव्य रथयात्रा का नगर भ्रमण बड़ी धूमधाम से निकाला गया। रथ यात्रा मा महोत्सव के इस कार्यक्रम में हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल, चतरा सांसद कालीचरण सिंह, हजारीबाग पुलिस अधीक्षक, बरही विधायक मनोज कुमार यादव, सिमरिया विधायक उज्ज्वल कुमार दास, पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला यादव चतरा जिला उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी समेत हजारों की संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तगण शामिल हुए। इस मौके पर पुलिस प्रशासन के द्वारा व्यापक पैमाने पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसका विशेष ध्यान रखा गया था। श्रद्धालुओं के लिए जगह-जगह पर पेयजल, शरबत, गुड और चने की व्यवस्था की गई थी।

भगवान जगन्नाथ की जयकारा से गूंजा शहर- रुचिर तिवारी

आज जगन्नाथ रथ यात्रा के अवसर पर मानवाधिकार आयोग सूचना पश्चिमी पलामू ने शनि मंदिर के समीप कैंप लगाकर श्रद्धालुओं एवं गरीबों के बीच पानी और बिस्कुट का वितरण किया। मौके पर मानवाधिकार आयोग के जिला अध्यक्ष संध्या सिंह ने सभी भक्तगण एवं श्रद्धालुओं की खुशहाली की कामना की। मौके पर डाल्टनगंज विश्व के पूर्व विधायक उम्मीदवार सह मानवाधिकार आयोग के लीगल सेल के प्रभारी रूचिर कुमार तिवारी ने कहा कि भगवान जगन्नाथ पूरे शहर भ्रमण करते हुए आज मौसीबाड़ी में प्रवेश किया शहर में काफी उत्साह देखने को मिला हजारों श्रद्धालु एक साथ भगवान जगन्नाथ के रथ को खींच रहे थे और चारों और भगवान जगन्नाथ के जयकारा गूंज रहा था। संपूर्ण शहर वासियों को भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा की बधाई देता हूं उनके सुखमय जीवन की कामना करता हूं। मौके पर रवि रंजन शुक्ला, असतोरा देवी, रामराज तिवारी, चंद्रशेखर तिवारी, शाश्वत कुमार, शाहिद सभी ने श्रद्धालुओं के बीच पानी और बिस्कुट का वितरण किया।

लेस्लीगंज में ज्वेलरी चोरी का खुलासा, दो अंतरराज्यीय चोर गिरफ्तार

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
पलामू। लेस्लीगंज थाना क्षेत्र में सोना महल दुकान से गहनों से भरा बैग चोरी मामले का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। पुलिस ने आंध्र प्रदेश और ओडिशा के दो अपराधियों को चैनपुर थाना क्षेत्र के लादी गांव से गिरफ्तार किया है। इनके पास से करीब 135 ग्राम सोना, 1150 ग्राम चांदी, दो मोबाइल और एक पल्सर बाइक बरामद की गई है। गिरफ्तार अभियुक्तों में आवला दुर्गा प्रसाद (आंध्र प्रदेश) और अवला बलराम (उड़ीसा) शामिल हैं। बलराम के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

बड़गांव मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष बना मुबारक अली, सचिव बने कुदूश मियां को बनाया गया है

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- अबुल कलाम
टंडवा- (चतरा) प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बड़गांव में मोहर्रम से संबंधित 27 जून 2025 को बाद नमाजे जुम्मा मदरसा गौसिया में एक बैठक रखी गई जिसमें ग्राम बड़गांव के दोनों अंजुमन के सदर सेक्रेट्री और गांव के आवाम लगभग 400 की संख्या में उपस्थित हुए जिसमें मोहर्रम पर्व को मनाने से संबंधित अहम निर्णय लिया गया एवं अध्यक्ष

सचिव का चुनाव किया गया इस में अध्यक्ष मुबारक अली व सचिव अब्दुल कुदूस अंसारी खजांची साबिर अंसारी को सर्वसम्मति से चुना गया। बैठक में गौसिया मदरसा के सदर रियासत अली जामा मस्जिद के सदर आफताब अंसारी सेक्रेट्री यूसुफ अंसारी मेराज अंसारी शौकत अली मोहम्मद कुरैश अफज़ल अंसारी कासिम अंसारी इदरीस रजा मोहम्मद मुजफ्फर सैय्यद अली मोहम्मद सद्दाम मोहम्मद कलीम मोहम्मद आजाद मोहम्मद साबिर मोहम्मद शमसाद मोहम्मद जावेद एवं गांव के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित हुए।

समारोह पूर्वक सामुदायिक शौचालय का उद्घाटन

वर्षों की जनता की मांग पूरी हुई

जमुआ, प्रतिनिधि। जमुआ चौक पर एक अदद सामुदायिक शौचालय की मांग करने वाले लोगों के लिए यह किसी खुशखबरी से कम नहीं कि शुक्रवार को सार्वजनिक सामुदायिक शौचालय का उद्घाटन जमुआ प्रमुख मिष्टू देवी ने समारोह पूर्वक किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जमुआ न केवल गिरिडीह जिला का प्रमुख केंद्र है बल्कि देव नगरी देवघर के अलावा बिहार कोडरमा व रांची जाने वाले लोगों का एक अस्थाई पड़ाव स्थल है। कहा हर दिन दस बीस हजार लोगों का आना जाना जमुआ में रहता है। शौचालय न होने से उन्हें फजीहत का सामना करना पड़ता था। भाजपा के वरिष्ठ नेता साहेब महतो ने कहा कि चीर काल से लोगों की मांग आज पूरी हुई। कहा कि शौचालय को स्वच्छ और गंदगी मुक्त रखने की जरूरत है।

उप प्रमुख रब्बुल हसन ने कहा कि पंचायत समिति सदन द्वारा इस बार हर पंचायत में कुछ न कुछ जनोपयोगी कार्य हुआ है। उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों में भी हमलोग बेहतर कर रहे हैं। प्रमुख प्रतिनिधि संजीत यादव ने कहा कि अनुभवी लोगों से भी हमलोग मशविरा करते है तब जमुआ में बदलाव दिख रहा है। कहा कि ब्लॉक परिसर में पार्क का निर्माण करवाए, एक बृहद चबूतरा बनवाए, सामुदायिक शौचालय का सौंदर्यीकरण करवाए, विभिन्न पंचायतों में दर्जनों चबूतरा, और सैकड़ों ग्रामीण पथों का पीसीसीकरण करवाए। कहा कि जनता के साथ खड़े रहने का कार्य वे करते हैं। जिप सदस्य संजय हज़ारा ने कहा कि सार्वजनिक शौचालय जनोपयोगी है। विकास में कोई राजनीति नहीं हो। कार्यक्रम में जे के एल एम की जिलाध्यक्ष सुनीता सिंह ने कहा कि सब मिलकर जमुआ का विकास करें तभी बदलाव दिखेगा। कार्यक्रम को विहिप के प्रखंड महामंत्री सुभाष पंडा, पंसस प्रतिनिधि पंकज यादव, चरघरा की पंसस सोनिया, मो बेलाल हेंब्रम, पूर्व मुखिया महेंद्र यादव, कांग्रेस नेता सच्चिदानंद सिंह, यूथ फॉर्स के अध्यक्ष गौतम सागर राणा,सचिव रंजीत मंडल ने भी विचार रखे। कार्यकम में सुभाष पंडा, बद्री यादव, बिरेंद्र यादव, रामजी यादव, मो अलम ,रवि रजक, रमेश बजाज, ललन यादव, वकील यादव, भरत मोदी, उज्ज्वल कुमार साहा, भोला राम, मो सरताज रंजीत यादव, राजद पूरण यादव कांग्रेस के सुभाष यादव, गोविंद हेंब्रम सहित कई लोग थे। यह शौचालय चौक के पास है महिला पुरुष के लिए अलग अलग दो दो शौचायल है दो दो स्नानघर हैं।

इटखोरी में सिमरिया विधायक कुमार उज्जवल दास ने गुप्ता फर्मा अंग्रेजी दवा खाना का किया उद्घाटन

आदिवासी एक्सप्रेस/ संतोष कुमार दास
इटखोरी (चतरा)। इटखोरी प्रखंड के कैनाल रोड में गुप्ता फार्मा का उद्घाटन सिमरिया विधायक कुमार उज्ज्वल दास ने किया। इस अवसर पर विधायक कुमार उज्जवल दास ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से कहा कि आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिले। इसके लिए इस तरह की दवा की दुकानों का खुलना जरूरी है ताकि आम लोगों को समय पर दवाएं उपलब्ध हो सके। गुप्ता फार्मा के संचालक चंदन कुमार गुप्ता ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार जताया और भरोसा दिलाया कि ग्राहकों को सही दवा और सेवा इस दुकान के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। उद्घाटन कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य सरिता देवी, भाजपा मंडल अध्यक्ष देव कुमार सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता रामकुमार सिंह, विजय दांगी, टुन्नी सिंह, निरंजन कुमार सिंह, शिवकुमार राणा, मलकपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि राजकुमार रजक, प्रकाश कुमार दास, अनुज दांगी, सुरेश शर्मा, सतीश कुशवाहा, संतोष दांगी समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

शिबू सोरेन की नासाज सेहत को लेकर जेएमएम कार्यकर्ताओं में चिंता.......

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया है कि वह कांग्रेस के प्रभारी के. राजू के निर्देश पर संताल परगना का दौरा छोड़ कर दिल्ली रवाना हो रहे हैं। उन्होंने शिबू सोरेन और उनके पिता फुरकान अंसारी के रिश्ते का भी जिक्र किया है और बताया है कि दोनों ही झारखंड अलग राज्य निर्माण के लिए पूरी ताकत लगा दी थी और अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया है। उन्होंने लिखा है कि स्वास्थ्य मंत्री होने के नाते उनका फर्ज बनता है कि इस कठिन समय में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनके परिवार के साथ रहे। उन्होंने कहा है कि वह गुरु जी को स्वस्थ करके अपने साथ लाएंगे।

उधर, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने शुक्रवार को गुरुजी के स्वास्थ्य की जानकारी लेने को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को फोन किया। रघुवर दास ने हेमंत सोरेन से हुई फोन पर बातचीत के बाद बताया कि मुख्यमंत्री ने उन्हे जानकारी दी है कि बाबा को हल्का पैरालिसिस अटैक आया है।

रघुवर दास ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- मै महाप्रभु भगवान जगन्नाथ से बाबा के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं, वो यथाशीघ्र स्वस्थ होकर झारखंड की जनता की सेवा में जुट जाए।

जेएमएम प्रमुख शिबू सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की कामना को लेकर जगन्नाथ रथयात्रा के मौके शुक्रवार को जेएमएम कार्यकर्ताओं ने रांची के जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। जेएमएम प्रवक्ता मनोज पांडेय के नेतृत्व में पार्टी नेताओं-कार्यकर्ताओं ने जगन्नाथ मंदिर में गुरु जी की तस्वीर के साथ पूजा अर्चना की और उनके स्वस्थ होने की कामना की है।

दरअसल, राजधानी रांची में ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ मेले का आयोजन होता है। शुक्रवार 27 जून से इसकी शुरुआत हुई है। ऐसे में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं ने भगवान जगन्नाथ से शिबू सोरेन के स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

राज्य सरकार के कई मंत्री दिल्ली में कैंप कर रहे हैं. वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर शुक्रवार को शिबू सोरेन को देखने दिल्ली पहुंचे. नगर विकास मंत्री सुदिव्य सोनू, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव, कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने दिल्ली पहुंचकर गुरुजी का हालचाल जाना है.

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के राजू और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश संताल परगना में कार्यक्रम छोड़ दिल्ली के लिए रवाना हुए. पूरा सोरेन परिवार दिल्ली में गुरुजी की देखभाल में लगा है. खुद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, पुत्रवधू कल्पना सोरेन, छोटे बेटे बसंत सोरेन पिछले कई दिनों से दिल्ली में हैं. झामुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य, विनोद पांडेय समेत कई नेता भी दिल्ली में जमे हुए हैं. भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा और रघुवर दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर गुरुजी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है. रघुवर दास ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से फोन पर बात भी की.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने एक्स हैंडल पर वीडियो पोस्ट कर कहा है कि आज महाप्रभु भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा का ऐतिहासिक और पावन महापर्व होता है. हर साल मैं वहां उपस्थित होता था. अभी आदरणीय बाबा दिशोम गुरुजी अस्वस्थ हैं, इसलिए मैं रथयात्रा में शामिल नहीं हो पाया हूं. भगवान जगन्नाथ से प्रार्थना करता हूं कि आदरणीय गुरुजी जल्द से जल्द स्वस्थ होकर हम सभी के बीच आयें और हमेशा की तरह अपना आशीर्वाद बनाये रखें. भगवान जगन्नाथ सभी का कल्याण करें.

आपकी यह आदत आपको मौत के मुंह में डाल सकती हैं!

स्थानीय लोगों का दावा है कि छापेमारी की खबर फैलते ही शहर के अन्य सरकारी शराब दुकानों के सेल्समैन भी अपनी दुकानों से नकली शराब हटाने में जुट गए, जिससे यह स्पष्ट होता है कि नकली शराब का कारोबार व्यापक स्तर पर चल रहा था। उत्पाद अधीक्षक ने आम जनता से अपील की है कि अगर कोई भी सरकारी शराब दुकान निर्धारित मूल्य से अधिक दाम पर शराब बेचती है या नकली शराब बेचती है, तो इसकी सूचना तुरंत विभाग की ओर से जारी हेल्पलाइन नंबर पर दें। उन्होंने आश्वासन दिया है कि ऐसी शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी और दोषी सेल्समैनों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

पैनम कोल माइंस से ११८ करोड़ वसूली के लिए.......

इस मामले को 10 फरवरी 2025 को पेश किया गया और पैनम कोल माइंस के खिलाफ कुर्की जब्ती वारंट जारी किया गया. सरकार की ओर से इस देर की वजह इस अवधि में अफसर का पदस्थापित नहीं होना बताया गया. लेकिन कोर्ट ने दस्तावेज की समीक्षा के दौरान यह पाया कि आदेश पर 1-6-2023 और 10-2-2025 को फाइल पर किया गया हस्ताक्षर एक ही अधिकारी का है. इसलिए हाईकोर्ट ने इस मुद्दे पर सरकार से जवाब मांगा है.

संक्षिप्त समाचार

सरसजोल गांव में धूमधाम से निकाली गई भगवान जगरनाथ की रथ यात्रा

शिकारीपाड़ा/दुमका।
शिकारीपाड़ा के सरसाजोल में रथ यात्रा के शुभ अवसर पर धूमधाम से निकाली गई भगवान जगरनाथ, बलराम और सुभद्रा की रथ यात्रा। रथ निकालने से पहले विधिविधान के साथ पूजा अर्चना कि गई। रथ यात्रा के दौरान जय जगरनाथ के जयकारा से यात्रा गूंजता रहा।
इस अवसर पर गौरांग मंडल, अपूर्व, जीत, बापन, आकाश, कौशिक, बिजय, पियदीप, रितम, रामु , देव, पूर्ण, जाग्रभ, जिष्णुआदि दर्जनों श्रद्धालु मौजूद थे। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के पीछे एक पौराणिक कहानी है। भगवान जगन्नाथ को भगवान श्रीकृष्ण का स्वरूप माना गया है। जब भगवान श्रीकृष्ण का देहांत हुआ तो उनकी अस्थियां समुद्र में विसर्जित कर दी गईं। उसी समय ओडिशा के राजा को सपना आया कि समुद्र में एक पवित्र लकड़ी बहकर आएगी जिसे भगवान के रूप में स्थापित करना है। तब राजा इन्द्रद्युम्न ने उस लकड़ी से भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा की मूर्ति बनवाई।
कहा जाता है कि भगवान की मूर्ति बनाने के लिए खुद देवशिल्पी विश्वकर्मा आए। विश्वकर्मा ने राजा के सामने शर्त रखी कि बंद कमरे में मूर्तियां बनाएंगे। मूर्ति बनने तक अंदर कोई नहीं जाएगा। राजा ने इस शर्त को मान लिया। एक दिन राजा को कमरे के अंदर से कोई आवाज नहीं आई तो वे अंदर चले जाए। तब से भगवान की मूर्तियां अधूरी हैं। राजा ने अधूरी मूर्तियों को ही मंदिर में स्थापित कर दिया। कहा जाता है कि उस समय भविष्यवाणी हुई कि भगवान जगन्नाथ साल में एक बार अपनी जन्मभूमि मझुरा जरूर जाएंगे। तब राजा इन्द्रद्युम्न ने आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के दिन भगवान के उनकी जन्मभूमि जाने की व्यवस्था की। तब से रथ यात्रा की परंपरा चली आ रही है।

दिल दहला देने वाली सड़क दुर्घटना में शिक्षक दंपति का कुचल गया अरमान

● तेज रफ्तार ने पत्नी का पैर काटकर अलग किया, तो पति का हाथ सहित पुरा शरिर हुआ चोटील, घटना में पति गंभीर

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
हिरणपुर (पाकुड़) हिरणपुर रेंज आफिस के समिप शुक्रवार सुबह वन विभाग के समिप दिल दहला देने वाली दर्दनाक सड़क दुर्घटना घटी, जिससे पूरा इलाका स्तब्ध एवं मर्माहत है।
घटना के संबंध में बताया जाता है कि शिक्षक दंपति अपने मोटरसाइकिल से दुमका की ओर जा रहे थे, अपने बच्चों के नामांकन के लिए तभी वन विभाग कार्यालय के समिप विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार ट्रक संख्या डब्ल्लु बी 59 डी 1592 ने उन्हें रौंद दिया । स्थानीय लोगों के अनुसार ट्रक की टक्कर इतना जोरदार था कि पत्नी चारु शीला किस्कू की दाहिना पैर का निचला हिस्सा कटकर अलग हो गया। वही पती रघुनाथ हांसदा को दाहिने हाथ सहित शरीर के कोई हिस्से में गंभीर चोटें आई। घटना कि सूचना मिलते ही हिरणपुर थाना के एएसआई, दिलीप कुमार मंडल घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय लोगों के मदद से दोनों को हिरणपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाकर प्राथमिक इलाज कराया गया। लेकिन गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें सदर अस्पताल सोना जोड़ी रेफर कर दिया गया। फिलहाल दोनों की स्थिति नाजुक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार रघुनाथ हांसदा डोमनगढ़िया मध्य विद्यालय पाकुड़िया में शिक्षक है। और वर्तमान में अपनी पत्नी एवं बच्चों के साथ डी. ए .वी., स्कूल के पास पाकुड़ में रहते हैं। वे मूलतः अमड़ापाड़ा प्रखंड के परयारदाहा गांव के रहने वाला है। दोनों अपने बच्चों के नमकान के लिए दुमका जा रहे थे। इस घटना से हिरणपुर के स्थानीय लोगों में आक्रोश तो देखा गया हि साथ हि पुरा इलाका का मर्माहत है। लोग प्रशासन पर सवाल उठा रहे हैं कि नो एंट्री के दौरान ट्रक कोयला डंपर आदि का परिचालन निरंतर जारी है । ऐसा नहीं है कि पुलिस इस पर कार्रवाई नहीं कर रही है, आए दिन इन कोयला डंपरों पर पुलिस लगातार फाइन कर रही है, चेतावनी दे रही है, बावजूद भी इस प्रकार की घटना कहीं ना कहीं सवाल खड़ा कर रहा है कि कोयला डंपर के मालिकों का इतना मन बढ़ा हुआ आखिर क्यों । यह सोचने वाली बात है। हालांकि थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह ने तत्परता दिखाते हुए सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से ट्रक को चिन्हित करके पकड़ लिया है। परन्तु हादसे कटकर अलग हुआ पैर पति की जिंदगी और संजोए जा रहे अरमान को कौन लौटाएगा।

किशुन हांसदा के जमीन पर सिंचाई कूप निर्माण का निरीक्षण किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। तालझारी डीडीसी सतीश चंद्रा ने शुक्रवार को बड़ा दुर्गा पंचायत के मनरेगा योजना तहत सिंगराय मुर्मू व किशुन हांसदा के जमीन पर सिंचाई कूप निर्माण का निरीक्षण किया गया। इसके साथ साथ पंचायत के अबूआ आवास के लाभुक लखी हेंब्रम, पार्वती हेंब्रम, शांति हेंब्रम व सुनिता हेंब्रम से मुलाकात कर जल्द से जल्द आवास कार्य को पुर्ण कराने को लेकर आवास प्रभारी को निर्देश दिया। मौके पर बीडीओ सह सीओ राम सुमन प्रसाद, बीपीओ रजनीश परासर, जेई मिथलेश कुमार, रोजगार सेवक संतोष कुमार, सहित अन्य मौजूद थे।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस के-सह- प्रभारी डॉ सिरि बेला प्रसाद के साथ स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान गुरु जी का हाल जानने दिल्ली हुए रवाना

देवघर एयरपोर्ट पर मिले श्रम मंत्री संजय यादव

राजा कुमार का रिपोर्ट
कांग्रेस का संगठन सृजन कार्यक्रम तथा हूल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने संथाल परगना के दौरे पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कार्यसमिति के स्थाई सदस्य एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के.राजू एवं प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश 26 जून से ही है। इसी दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा के संरक्षक एवं पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष दिशोम गुरु जी को तबीयत बिगड़ने के कारण दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल इलाजरत थे। अचानक उनकी स्थिति नाजुक होने की जानकारी पर कांग्रेस प्रभारी ने संथाल दौरे के बीच ही सही प्रभारी डॉ सिरि बेला प्रसाद तथा स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी को उनकी स्थिति जानने के लिए दिल्ली जाने को कहा। प्रदेश प्रभारी के निर्देश पर शुक्रवार को देवघर एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए पहली फ्लाइट से रवाना हुए। जाने के क्रम में प्रेस मिडिया को सह प्रभारी डॉ सिरि बेला प्रसाद ने बताया कि गुरुजी शिबू सोरेन जी का स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण दिल्ली के अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनकी स्थिति को जानने तथा बेहतर चिकित्सीय व्यवस्था प्रदान कराने के लिए प्रभारी जी के द्वारा निर्देश प्राप्त हुआ। हम वहां पहुंचकर सारी स्थिति से उन्हें अपडेट कराऐंगें। हमारा ईश्वर से प्रार्थना है वे जल्द स्वस्थ्य होकर हम सबों के बीच आऐं।
स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि हम सभी संथाल पुणे के दौरे पर थे। देवघर और जामताड़ा में कार्यक्रम हो चुका है आगे दुमका, गोड्डा, पाकुड़ तथा साहेबगंज के साथ सिद्धू कान्हो चांद भैरव की धरती भोगनाडी में पदयात्रा कार्यक्रम में शामिल होना था। इसी बीच इलाजरत दिशोम गुरु जी की तबीयत बिगड़ने की सूचना पर प्रदेश प्रभारी के.राजू जी एवं प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश जी के निर्देश पर दिल्ली जा रहा हूँ। आदरणीय शिबू सोरेन जी झारखंड के निर्माता हैं, हमारे अभिभावक हैं। इसके साथ ही हमारा उनका व्यक्तिगत एवं पारिवारिक रिश्ता भी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बड़े भाई हैं,कल्पना सोरेन हमारी भाभी है और बसंत मेरा छोटा भाई है। ऐसे में झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री के नाते उनकी सलामती का तथा उनसे मिलकर उनकी स्थिति को जानने का मेरा दायित्व है। उनको बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिले यह भी सुनिश्चित करना है। हमलोग वहां पहुंचकर वहां के जो हालात है और उनकी जो वर्तमान स्थिति है, उनसे अपने प्रभारी तथा अपने नेताओं को अवगत कराउंगा। हम अपने अल्लाह ताला से और बाबा वैद्यनाथ से प्रार्थना करता हूँ कि हमारे दिशोम गुरु श्री शिबू सोरेन जी यथाशीघ्र स्वस्थ्य हों और उनकी लम्बी आयु हो।
एयरपोर्ट में प्रवेश करने के बाद झारखंड सरकार के श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव भी मिले उन्होंने भी बताया कि वो भी शिबू सोरेन जी को देखने दिल्ली जा रहा हूँ। ऊपरवाले बाबा भोलेनाथ से कामना करता हूँ कि उनका स्वास्थ्य में जल्द सुधार हो। वो पूर्णरूपेण स्वस्थ होकर आएं। इस दौरान देवघर एयरपोर्ट पर उन्हें छोड़ने जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष डॉ मुन्नम संजय, कांग्रेस जिला महासचिव -सह-प्रवक्ता दिनेश कुमार मंडल आदि मौजूद थे।

21 जून को भारतीय युवा कांग्रेस का मेंबरशिप एवं नॉमिनेशन कार्यक्रम लॉन्च किया गया

राजा कुमार का रिपोर्ट
21 जून को भारतीय युवा कांग्रेस का मेंबरशिप एवं नॉमिनेशन कार्यक्रम लॉन्च किया गया है जिसके तहत प्रखंड से लेकर विधानसभा,जिला एवं प्रदेश स्तर के अध्यक्ष तथा महासचिव का चुनाव होना है। चुनाव प्रक्रिया संपन्न करने के लिए संथाल परगना के जोनल कोऑर्डिनेटर सतीश आर्य तथा देवघर जिला कोऑर्डिनेटर मिशबाबुल हसन को नियुक्त किया है। चुनाव प्रक्रिया को संपन्न करने के लिए आज कांग्रेस कार्यालय में जिला अध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश एवं युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष कुमार राज के साथ प्रेस को ब्रीफ करते हुए जिला अध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश ने कहा कि युवा कांग्रेस का चुनाव होना है इस चुनाव प्रक्रिया के लिए हमारे नियुक्त कोऑर्डिनेटर आपको विस्तृत रूप से जानकारी देगें।
संथाल परगना जोनल कोऑर्डिनेटर सतीश आर्य ने प्रेस को बताया कि हमारे नेता राहुल गांधी ने आम युवाओं से आह्वान किया है कि आप नेता बनो, नेता चुनो। इसके लिए ज्वाइन झारखंड युथ कांग्रेस मेंबरशिप तथा नोमिनेशन 21 जून को लांच कर? दिया है। जिसकी घोषणा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की युवा शाखा ने कर दी है। आगे उन्होंने कहा कि भारतीय युवा कांग्रेस में पहले ही पार्टी के आंतरिक चुनावों का एक दौर आयोजित किया जा चुका है। भारत के किसी भी राजनीतिक दल ने अपनी किसी भी संगठन के लिए आंतरिक पार्टी चुनाव आयोजित नहीं किए हैं। यह भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा लिया गया ऐतिहासिक कदम है और यह श्री राहुल गांधी, अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के अध्यक्ष का दृष्टिकोण है, जब वह कांग्रेस पार्टी की युवा शाखाओं भारतीय युवा कांग्रेस (IYC) और राष्ट्रीय छात्र संघ (NSUI) के प्रभारी थे।
IYC के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा कि भारत एक नए युग की शुरुआत देख रहा है, जब पार्टी के युवा राजनीतिक नेता अपने सदस्यता से सीधे तौर पर चुने जाएंगे। नेताओं को नामांकित करने के बजाय चुनाव प्रक्रिया में बदलाव भारतीय राजनीति में ऐतिहासिक विकास है। यह सच्ची लोकतंत्र की क्रियावली होगी। चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए, संगठन ने युवा कांग्रेस चुनाव प्राधिकरण से निवेदन किया है कि वह युवा कांग्रेस चुनावों को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संचालित कराए। इसके लिए जोनल और राज्य स्तर पर रिटर्निंग ऑफिसर्स की एक टीम नियुक्त की गई है।
28 जून से 4 जुलाई तक युवक कांग्रेस नामांकन अभियान चलेगा। उसके बाद सदस्यता प्रक्रिया शुरु होगी और संबंधित तिथियाँ तथा विवरण www.ycea.in पर प्रकाशित किए जाएंगे। इस चुनाव में भाग लेने के लिए 18 से 35 वर्ष होना अनिवार्य है। जिसका कट ऑफ डेट 28-06-1990 से 27-06-2007 है। युवक कांग्रेस उन सभी लोगों को आमंत्रित करती है और प्रोत्साहित करती है जो भारत के आम लोगों के लिए ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करने में रुचि रखते हैं, चुनाव टीम से संपर्क करें। उम्मीदवारों को चुनाव प्रक्रिया, नामांकन प्रक्रिया और भारतीय युवा कांग्रेस में किसी भी पद के लिए अपने क्षेत्र से निर्वाचित नेता बनने के बारे में जानकारी देने के लिए ओरिएंटेशन और प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिसमें उच्चतम पद भी शामिल है। कोई अन्य पार्टी इस तरह का अवसर नहीं देती, जिसमें युवा नेताओं को अपने समुदाय और देश की सेवा करने का मौका मिलता है, साथ ही साथ देश के उच्चतम पदों के लिए एक स्पष्ट और पारदर्शी राजनीतिक करियर मार्ग भी उपलब्ध कराती है।
जिला कोर्डिनेटर मिशबाबुल हसन ने बताया कि भारतीय युवा कांग्रेस की सदस्यता, चुनाव प्रक्रिया या आप कैसे युवा कांग्रेस के नेता बन सकते हैं, इसकी पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। पिछले चुनाव में झारखंड में करीब साढ़े चार लाख सदस्य बने थे और इस बार में 8 लाख नये सदस्य बनाने का लक्ष्य है।
प्रेस वार्ता में युवा जिलाध्यक्ष कुमार राज जिला महासचिव -सह-प्रवक्ता दिनेश कुमार मंडल, देवघर विधानसभा अध्यक्ष आफताब आलम, युवा नेता बिनोद मणि, चंदन, सुशोभित झा आदि मौजूद थे।

उपायुक्त ने उत्पाद दुकानों के कर्मियों एवं उत्पाद विभाग की पदाधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक किये

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
पाकुड़। उपायुक्त मनीष कुमार ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से खुदरा उत्पाद दुकानों में कार्यरत सभी कर्मियों एवं उत्पाद विभाग के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उपायुक्त मनीष कुमार ने 30 जून 2025 के बिक्री काल के पश्चात होने वाले हैंडओवर/टेकओवर के संबंध में आवश्यक दिशा- निर्देश दिया गया। साथ ही साथ हैंडओवर/टेकओवर को सुगम एवं पारदर्शी तरीके से एवं दंडाधिकारियों की उपस्थिति में स्पष्ट गणना के साथ क्रियान्वित करने के लिए निर्देश दिया गया।
बैठक में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, उत्पाद विभाग के पदाधिकारी एवं सभी खुदरा उत्पाद दुकानों के विक्रेता वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे।

कनहारा नदी के समीप धावाटाड जंगल में पुलिस ने पेड़ से लटकता मृत एक महिला की शव को पुलिस ने किया बरामद , जांच में जुटी पुलिस

रामगढ़ /रामजी साह।
रामगढ़ थाना क्षेत्र के बंदर जोड़ा पंचायत के कन्हारा नदी के समीप धावताड जंगल में शुक्रवार को सूचना पर रामगढ़ पुलिस ने पेड़ से लटकता एक महिला के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए दुमका भेजने की तैयारी में जुट गई है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को कुछ ग्रामीणों द्वारा धावताड मौजा के जंगल में पेड़ से 35 वर्षीय महिला का शव को लटकते देखा तो इसकी सूचना रामगढ़ थाना को दिया सूचना पर रामगढ़ थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव अपने कब्जे में ले लिया है इस मामले में रामगढ़ थाना प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि शव का शिनाख्त अभी तक नहीं हो पाया है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर दुमका पोस्टमार्टम के लिए भेजना की तैयारी में जुटी है।यह पुछे जाने पर कि यह हत्या है या आत्महत्या थाना प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ इस पर कहना उचित होगा। बहरहाल पुलिस जांच में जुट गई है।

साहिबगंज की हरियाली वापस लाने के लिए प्रयास शुरू

● 76वां वन महोत्सव पर लगाए जाएंगे 25 हजार पौधे ● ज़िला में 7 लाख पौधा लगाने का लक्ष्य

● राजमहल सांसद, डीएफओ व डीडीसी ने कार्यक्रम में पौधरोपण पर दिया जोर

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से शुक्रवार को तालझरी प्रखंड अंतर्गत बड़ा दुर्गापुर पंचायत में 76वां वन महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजमहल सांसद श्री विजय हांसदा, वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री प्रबल गर्ग , उप विकाश आयुक्त श्री सतीश चंद्रा ने नन्हें पौधे को सिंच कर व पौधा लगा कर वन महोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

अतिथियों ने वन महोत्सव व पौधरोपण के महत्व बताए

कार्यक्रम के दौरान राजमहल सांसद विजय हांसदा ने कहा कि पर्यावरण में तब्दीलियां आ रही हैं। पेड़ों की कटाई से बेमौसम बरसात, भीषण गर्मी, मौसम में परिवर्तन, जलस्तर का नीचे जाना जैसे कई पर्यावरणीय परिवर्तन तेजी से हुए हैं। ऐसी जितनी भी समस्या आ रही है, उसके समाधान के किये सिर्फ सरकार ही नहीं बल्कि एक-एक व्यक्ति को मिलकर काम करना होगा। एक-एक गांव में पौधरोपण करना होगा।
रक्षा सूत्र बांध पेड़ों के संरक्षण का संकल्प लेना होगा और नए पौधे भी लगाने होंगे। इसके लिए सरकार भी मदद कर रही है। लोग अपने स्तर से भी आगे आए। हर व्यक्ति अगर अपने अपने स्तर से पौधारोपण करे तो न सिर्फ हमारा जिला हरा भरा रहेगा बल्कि हम जलवायु परिवर्तन के अनेकों प्रभावों से बच सकेंगे।
वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री प्रबल गर्ग ने कहा कि वन महोत्सव, वन बचाने की दिशा में एक प्रयास है। अगर हम सभी अपने अपने स्तर से वृक्षारोपण करें तो निश्चय ही यह प्रयास सफल हो सकेगा। प्रशासन के सभी विभागों के साथ मिलकर पौधरोपण का कार्य किया जा रहा है। सभी विभाग समन्वय के साथ काम कर रहे हैं। ताकि जिला की हरियाली बहाल की जा सके। उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा ने कहा हमारे जीवन के लिए पेड़-पौधे अनमोल है, जो हमारे लिए शुद्ध हवा देते हैं। इसलिए लोग पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें और पेड़ों को बचाने के लिए अपनी-अपनी भूमिका निभाएं। ज़िला में विकास के कार्य जोर शोर से चल रहे हैं। लेकिन सबसे जरूरी ज़िला में पर्यावरण संरक्षण है। चूंकि पर्यावरण ही नहीं बचेगा तो विकास के काम भी धरातल पर नहीं उतर पाएंगे। उसी का मिला जुला प्रयास है कि जिला प्रशासन व वन विभाग मिल कर एक संदेश दे रहा है कि विकास के कार्यो के अलावे पेड़-पौधों का संरक्षण जरूरी है।

कार्यक्रम के दौरान

सासंद विजय हांसदा, डीएफओ प्रबल गर्ग, डीडीसी सतीश चंद्रा ने संयुक्त रूप से लाभुकों को विभिन्न कल्याणकारी से लाभांवित किया। इस दौरान अबुआ आवास योजना, जन-मन योजना, मंईयां सम्मान योजना, कल्याण विभाग, मनरेगा योजना के बिरसा हरित ग्राम योजना , मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, सावित्रीबाई फुले योजना के साथ बालविकास परियोजना की ओर से अतिथियों ने नवजात बच्चों का अन्नप्रासन कर गोद भराई की।
इसी दौरान सासंद विजय हांसदा, डीएफओ प्रबल गर्ग, डीडीसी सतीश चंद्रा ने महुआ के वृक्ष में रक्षा सूत्र बांधा। वहीं पौधरोपण भी किया।
मौके पर वन क्षेत्र पदाधिकारी श्री पंचम दुबे, डीपीओ नमामि गंगे अमित मिश्रा, प्रभारी वनपाल श्री राणा रंजीत चौधरी, बीडीओ सह सीओ राम सुमन प्रसाद, बीपीओ रजनीश परशर, जेई मिथलेश कुमार, थाना प्रभारी मृत्युंजय पाण्डेय, जिला पशुपालन पदाधिकारी दिनेश सिंह,वनरक्षी पप्पू यादव, प्रेम कुमार, राजेश टुडू, सुनील कुमार, अमित कुमार, सनी रजक, अंकित झा, इंद्रजीत भारती, अखलेश मरांडी आवास कोर्डिनेटर मो इम्तियाज, सीडीपीओ सहित अन्य विभागों के पदाधिकारी व कर्मी मौजूद थे।

देवघर के शिवलोग धाम से जसीडीह मुख्य मार्ग पर रोहिणी मोड़ के करीब स्थित दामोदर ग्राम इस्कॉन मंदिर में रथ यात्रा महोत्सव निकला गया

राजा कुमार का रिपोर्ट
देवघर के शिवलोग धाम से जसीडीह मुख्य मार्ग पर रोहिणी मोड़ के करीब स्थित दामोदर ग्राम इस्कॉन मंदिर में रथ यात्रा महोत्सव निकला गया,
बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह रथ यात्रा देवघर के शिवलोक परिसर से लगभग शाम के 5, बजे से आरंभ होकर रात्रि के 9:00 बजे के आसपास इस्कॉन मंदिर तक लाई गई। यात्रा में भगवान के रथ को खींचने एवं भगवान का दर्शन करने के लिए लाखो संख्या मेंश्रद्धालु मोजूद थे रथ मार्ग के दोनों और लोगों को देखा गया।
रथ यात्रा महोत्सव की शुरुआत देवघर के शिवलोक परिसर में दिन के लगभग 12:00 से हो गई जब भगवान जगन्नाथ भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा जी को इस्कॉन मंदिर से शिवलोक परिसर स्थित बजरंगबली मंदिर तक ले जाया गया। दिन के 2:00 बजे कीर्तन भजन एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, संध्या 3:00 बजे पाहांडी विजय एवं अन्य कार्यक्रम के साथ अनेकों गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में की गई। भगवान को रथ पर विराजमान होने के बाद उनका श्रृंगार किया गया इसके बाद आए हुए गणमान्य अतिथियों के द्वारा पारंपरिक दीपदान एवं नारियल फोड़कर और रथ के आगे पारंपरिक झाड़ू लगाकर रथ को नगर भ्रमण के लिए निकला गया। ढोल नगाड़े कीर्तन भजन एवं अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा जी के साथ नगर वासियों को दर्शन देने के लिए निकल पड़े।
रथ यात्रा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए देवघर इस्कॉन के प्रमुख श्री श्रीनिवास गोपाल दास प्रभु ने बताया कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का मुख्य उद्देश्य भगवान जगन्नाथ को उनके भक्तों के बीच वार्षिक भ्रमण करना है यह यात्रा भगवान के प्रति भक्ति एवं प्रेम व्यक्त करने का एक तरीका है साथी यह सामाजिक एकता एवं सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। इस रथ यात्रा से हमें पापों का नस एवं पुण्य की प्राप्ति होती है एवं साथ ही मोक्ष प्राप्त होता है।

बेटियों के लिये मोह बढ़ना संतुलित समाज का आधार

इक्कीसवीं सदी की चौखट पर खड़ी दुनिया में बड़े व्यापक बदलाव हो रहे हैं। इंसानी रिश्तों की अहमियत को लेकर भी नई सोच पनप रही है। अब अमेरिका, दक्षिण कोरिया, भारत और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है।

ललित गर्ग

दुनियाभर में माता-पिता आमतौर पर अब तक बेटियों की तुलना में बेटों को ज्यादा पसंद करते आ रहे हैं, लेकिन प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में एक सूक्ष्म, महत्वपूर्ण और बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि अब लड़के की तुलना में लड़कियों को अधिक पसंद किया जाने लगा है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि लड़कियों के प्रति पूर्वाग्रह कम है और संभवतः लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह ज्यादा है। नए साक्ष्य एवं अध्ययन इस बदलाव का संकेत देते हैं, जो संभवतः बढ़ते एकल परिवार परम्परा, तथाकथित आधुनिक-सुविधावादी जीवनशैली एवं कैरियर से जुड़ी प्राथमिकताओं के चलते लड़कों से जुड़े एक सूक्ष्म भय, उपेक्षा एवं उदासीनता को उजागर करते हैं। 'द इकोनॉमिस्ट' द्वारा ताजा प्रकाशित रिपोर्टों में, लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में कुछ ऐसे ही दिलचस्प रुझान सामने आए हैं, जिसमें लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में माता-पिता अब लड़कों की तुलना में लड़कियों को भविष्य की सुरक्षा को लेकर अधिक पसंद कर रहे हैं। विकासशील देशों में, लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह कम हो रहा है, जबकि अमीर देशों में लड़कियों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, युवा पुरुषों और महिलाओं के बीच लैंगिक भूमिकाओं को लेकर विचारों में अंतर बढ़ता जा रहा है।

ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 में, भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है, जो पिछले वर्ष की तुलना में दो स्थान नीचे है, और इसका लैंगिक समानता स्कोर 64.1 प्रतिशत है। वर्तमान प्रगति की दर से, पूर्ण लैंगिक समानता प्राप्त करने में 134 वर्ष लगेंगे, जो दर्शाता है कि प्रगति की समग्र दर धीमी है। इन रिपोर्टों से पता चलता है कि दुनिया भर में लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति हो रही है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। भारत के लिये लैंगिक समानता की दिशा में दो पायदान की गिरावट का सबसे बड़ा कारण महिला समानता को लेकर चल रहे आन्दोलन है। भारत की बेटियां आज अंतरिक्ष से लेकर खेल के मैदान तक में बुलंदियां छू रही हैं। वे परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में उल्लेखनीय भूमिकाओं का निर्वाह कर रही है। सरकार द्वारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', 'सुकन्या समृद्धि योजना' जैसे सराहनीय पहल के जरिए बेटियों को आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं।

इक्कीसवीं सदी की चौखट पर खड़ी दुनिया में बड़े व्यापक बदलाव हो रहे हैं। इंसानी रिश्तों की अहमियत को लेकर भी नई सोच पनप रही है। अब अमेरिका, दक्षिण कोरिया, भारत और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बदलाव की असल वजह क्या है? दरअसल, माता-पिता में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि बेटियां उनकी ढलती उम्र में धीरे-धीरे अधिक विश्वसनीय देखभाल करने वाली साबित हो सकती हैं। उन्हें परिवार से गहरे तक जुड़े रहने की अधिक संभावना के रूप में देखा जाने लगा है। आज बेटियों को बेटों के मुकाबले बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता, परिवार सार-संभालकर्ता, माता-पिता के प्रति जिम्मेदारी निर्वाहकर्ता के रूप में देखा जाने लगा है। तेजी से कामकाजी दुनिया का हिस्सा बनने के कारण वे आर्थिक रूप से स्वावलंबी होने से अनेक पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिये अधिक संवेदनशील है। ऐसा माना जाने लगा है कि बेटियां बेटों के मुकाबले में ज्यादा संवेदनशील होती हैं और जीवन के अंतिम पड़ाव में मां-बाप को सुरक्षा कवच प्रदान कर सकती हैं। जिसके चलते लोग बेटों के मुकाबले बेटियों को अपनी प्राथमिकता बनाने को तरजीह देने लगे हैं।

पश्चिमी देशों में गोद लेने और आईवीएफ के डेटा दिखाते हैं कि बेटियों को चुनने की दिशा में स्पष्ट झुकाव है। दरअसल, पश्चिमी देशों के एकल परिवारों में बेटे अपनी गृहस्थी बसाकर मां-बाप को उनके भाग्य पर छोड़ जाते हैं। भारत में भी यही स्थितियां देखने को मिल रही है। जबकि सदियों से भारत की समाज-व्यवस्था एवं परिवार-परम्परा पुत्र मोह की ग्रंथि से ग्रस्त रहा है। जिसके चलते शिशु लिंग अनुपात में असंतुलन बढ़ता गया है। देश में हुई 2016 की जनगणना में लड़कों की तुलना में लड़कियों की घटती संख्या के आंकड़े चौंकाते ही नहीं बल्कि दुखी भी करते हैं। जिस तरह से लड़के-लड़कियों का अनुपात असंतुलित हो रहा है, उससे ऐसी चिन्ता भी जतायी जाने लगी है कि यही स्थिति बनी रही तो लड़कियां कहां से लाएंगे? हालत यह है कि आंध्र प्रदेश में 2016 में प्रति एक हजार लड़कों के मुकाबले महज आठ सौ छह लड़कियों का जन्म दर्ज किया गया। हालांकि, अब आधिकारिक आंकड़े बता रहे हैं कि देश में शिशु लिंग अनुपात दर में सुधार हुआ है।

जन्म से पहले ही पता चल जाए कि लड़की यानी बालिका पैदा होगी तो माता-पिता उसकी जान लेने से भी नहीं कतराते। कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं इसी सोच का परिणाम बनी। पिछली सदी में समाज के एक बड़े वर्ग में यह एक विभीषिका ही थी कि परिवार की धुरी होते हुए भी नारी को वह स्थान प्राप्त नहीं था जिसकी वह अधिकारिणी थी। उसका मुख्य कारण था सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिका शिक्षा के प्रति संकीर्णता। कितनी विडम्बना है कि देश में हम 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा बुलन्द करते हुए एक जोरदार मुहिम चला रहे हैं उस देश में लगातार बालिकाओं की संख्या घटने का दाग लगता रहा है। यह दाग 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प पर भी लगा है और यह दाग हमारे द्वारा नारी को पूजने की परम्परा पर भी लगा है। लेकिन प्रश्न है कि हम कब बेदाग होंगे? लेकिन अब इस संकीर्ण सोच में बदलाव आना एक सुखद संकेत है।

अच्छे भविष्य के लिए हम बेटियों की पढ़ाई से ही सबसे ज्यादा उम्मीदें बांधते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे हमारे संकल्प को बताते हैं, हमारी सदिच्छा को दिखाते हैं, भविष्य को लेकर हमारी सोच को जाहिर करते हैं, लेकिन वर्तमान की हकीकत इससे उलट है, इसे बदलने में अभी भी लम्बा सफर तय करना होगा। बालिकाएं पढ़ाई में अपने झंडे भले ही गाड़ दें, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की क्रूरताएं कई तरह की हैं। शताब्दियों से हम साल में दो बार नवरात्र महोत्सव मनाते हुए कन्याओं को पूजते हैं।

संपादकीय

चीन-केंद्रित एससीओ की असलियत बेनकाब

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के क्विंगदाओ में संपन्न शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ सम्मेलन समाप्ति के बाद जारी साझा बयान पर हस्ताक्षर करने से मना करके आतंकवाद पर भारतीय पक्ष को ही पुष्ट किया है। जिसके चलते दो दिवसीय सम्मेलन की समाप्ति पर ज्वाइंट स्टेटमेंट जारी नहीं हो सकी। दरअसल,भारत चाहता था कि अंतिम दस्तावेज में आतंकवाद को लेकर भारतीय चिंताओं को जगह दी जाए। रक्षामंत्री ने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की भारत की नई नीति की रूपरेखा सम्मेलन में रखी। उनका कहना था कि संगठन के सदस्य देशों को सामूहिक सुरक्षा से उत्पन्न चुनौती के मुकाबले के लिये एकजुट होना चाहिए। उनका मानना था कि कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद हमारी शांति, सुरक्षा और विश्वास को कम कर रहे हैं। यह भी कि आतंकवाद पर तार्किक प्रहार किए बिना सदस्य देशों में शांति व समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने उन तत्वों को बेनकाब करने का प्रयास किया जो आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिये उसे प्रश्रय देते हैं। उनका मानना था कि एससीओ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने के बजाय इसको प्रश्रय देने वाले देशों की आलोचना करे। सम्मेलन में रक्षामंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की तार्किकता को बताया और पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में पर्यटकों को धार्मिक पहचान के आधार पर गोली मारी गई। जिसकी जिम्मेदारी संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकी समूह घोषित लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े टीआरएफ ने ली थी। इसके बाद भारत ने फैसला किया कि हम आतंकवाद के केंद्रों को निशाना बनाने से पीछे नहीं हटेंगे। उनका मानना था कि आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाए बिना एससीओ को पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करनी चाहिए। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिकार में भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब पाकिस्तान पोषित आतंकवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त करने के लिये तैयार नहीं है। पहलगाम की घटना दुनिया के सामने स्पष्ट थी और दुनिया के तमाम देशों ने इसकी निंदा भी की। लेकिन पाकिस्तान और उसके करीबी सहयोगियों के नापाक इरादों को दुनिया को बताने तथा भारत की बात हर देश तक पहुंचाने के लिए हमने बहु-पक्षीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजे। लेकिन पाकिस्तान के सदाबहार दोस्त चीन के दबदबे वाले शंघाई सहयोग संगठन ने सम्मेलन के समापन पर जारी ज्वाइंट स्टेटमेंट में पहलगाम की घटना को नजरअंदाज किया। जिससे पता चलता है कि भारत की आतंकवाद पर नई नीति को और ढंग से समझाने की जरूरत है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि मेजबान चीन, एससीओ का प्रमुख संस्थापक सदस्य और उस पाक का सदाबहार मित्र है, जिसकी जमीन से पहलगाम साजिश को अंजाम दिया गया। ऐसे में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा ज्वाइंट स्टेटमेंट पर हस्ताक्षर न करना भारत की नाराजगी जाहिर करने की दिशा में सही कदम ही है। उन्होंने सदस्य देशों को स्पष्ट किया कि सीमा पार से चलाये जा रहे आतंकवाद पर दोहरे मापदंडों के लिये कोई जगह नहीं होनी चाहिए। सदस्य देशों को उन देशों की आलोचना करने से नहीं हिचकना चाहिए जो आतंकवाद को राज्य की नीति के साधन के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। निस्संदेह, संगठन ने भारतीय पक्ष पर ध्यान न देकर अपने मंसूबों को उजागर किया है। ऐसे में संगठन के सदस्य देशों में विश्वास, मित्रता और संबंधों को मजबूत बनाने के लक्ष्य पूरा होना संदिग्ध ही है। दरअसल, रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी-7 शिखर सम्मेलन में कही उन बातों को ही विस्तार दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को कभी पुरस्कृत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह आश्चर्य जताया था कि आतंक के अपराधियों और इसके पीड़ितों को एक तराजू में कैसे तोला जा सकता है? यह कड़ा संदेश प्रधानमंत्री ने अमेरिका को दिया था, जिसने 'आतंकवाद विरोधी' प्रयासों में पाकिस्तान की भूमिका की सराहना की थी।

मोदी सरकार की तटस्थ रहने वाली विदेश नीति

संजय सक्सेना

भाजपा के दिग्गज नेता नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत की विदेश नीति में एक नया दृष्टिकोण देखने को मिल रहा है, जिसे कई विशेषज्ञ तटस्थता या रणनीतिक संतुलन की नीति के रूप में परिभाषित करते हैं। यह नीति खासतौर पर अमेरिका और रूस के बीच तनाव, चीन के उभार, और वैश्विक ध्रुवीयता के संदर्भ में भारत के रुख को दर्शाती है।ऐसा ही इजरायल और ईरान के बीच जंग के दौरान भी देखने को मिला। भारत किसी के पक्ष में खड़ा नहीं हुआ बल्कि दोनों देशों को शांति का पैगाम देता रहा। यही भारत की तटस्थ नीति है। तटस्थ रहने की नीति का मुख्य उद्देश्य यह है कि भारत अपनी संप्रभुता, रणनीतिक स्वायत्तता और राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए किसी एक वैश्विक शक्ति के साथ पूरी तरह से नहीं जुड़ता, बल्कि सभी के साथ संवाद और सहयोग बनाए रखता है। हालांकि इस नीति के अपने फायदे हैं, वहीं कुछ गंभीर नुकसान भी सामने आते हैं।

इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और संघर्ष के दौरान भी मोदी सरकार ने अपनी तटस्थता वाली विदेश नीति को प्राथमिकता दी। वैश्विक राजनीति के इस संवेदनशील मोड़ पर जब कई देश खुले समर्थन या विरोध में उतर आए, भारत ने संयम और संतुलन का परिचय देते हुए किसी पक्ष का खुला समर्थन नहीं किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने मानवता, कूटनीति और क्षेत्रीय स्थिरता को आधार बनाते हुए एक ऐसा रुख अपनाया जिससे भारत की साख एक जिम्मेदार और परिपक्व लोकतंत्र के रूप में और मजबूत हुई। सरकार ने आधिकारिक बयानों में शांति, संवाद और संयम की अपील की, साथ ही युद्ध में शामिल दोनों देशों से बातचीत के रास्ते तलाशने को कहा। यह नीति न केवल भारत की ऊर्जा सुरक्षा, व्यापारिक हितों और पश्चिम एशिया में बसे लाखों भारतीयों की सुरक्षा को ध्यान में रखती है, बल्कि वैश्विक मंचों पर भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को भी दर्शाती है। भारत का यह संतुलित दृष्टिकोण बताता है कि वह किसी एक खेमे में नहीं बल्कि वैश्विक स्थिरता और संतुलन में विश्वास करता है।

तटस्थता का सबसे बड़ा फायदा यह है कि भारत को स्वतंत्र निर्णय लेने की पूरी आज़ादी मिलती है। जब रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध छिड़ा, तब भारत ने किसी एक पक्ष के साथ खड़ा होने की बजाय शांति और बातचीत का पक्ष लिया। इससे भारत को दोनों देशों के साथ अपने संबंध बनाए रखने में मदद मिली। अमेरिका और यूरोप जैसे पश्चिमी देशों ने भले ही भारत की स्थिति पर सवाल उठाए हों, लेकिन उन्होंने भारत के साथ अपने रिश्तों को बिगाड़ने का जोखिम नहीं उठाया, क्योंकि भारत आज की तारीख में वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था का एक महत्त्वपूर्ण केंद्र बन चुका है।

दूसरा फायदा यह है कि तटस्थ नीति के कारण भारत को वैश्विक मंचों पर अधिक सम्मान और ध्यान मिल रहा है। भारत ने जी-20 की अध्यक्षता के दौरान जिस प्रकार से विकसित और विकासशील देशों के बीच पुल का काम किया, वह इसी नीति का परिणाम है। भारत की स्थिति अब एक ऐसे देश की बन गई है जो वैश्विक शक्ति संतुलन को प्रभावित करने की क्षमता रखता है, न कि केवल किसी एक धड़े का समर्थक है। इससे भारत को वैश्विक कूटनीतिक दबाव से बचने में सहायता मिलती है और वह अपने दीर्घकालिक आर्थिक व सुरक्षा हितों पर फोकस कर पाता है।

इसके अतिरिक्त, तटस्थता की नीति भारत को बहुपक्षीय सहयोग की दिशा में भी मजबूत बनाती है। भारत ब्रिक्स, क्वाड, शंघाई सहयोग संगठन, और इंडो-पैसिफिक फ्रेमवर्क जैसे कई मंचों का हिस्सा है, जो अलग-अलग वैश्विक शक्तियों से जुड़े हैं। अगर भारत किसी एक पक्ष के साथ खुलकर जुड़ जाता, तो उसकी भागीदारी पर असर पड़ता। इस नीति ने भारत को ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी सहयोग, निवेश और रणनीतिक साझेदारी जैसे क्षेत्रों में व्यापक विकल्प दिए हैं।

हालांकि, तटस्थ नीति के कुछ नुकसान भी हैं, जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता। सबसे बड़ा नुकसान यह है कि वैश्विक संकट के समय भारत की भूमिका अस्पष्ट हो जाती है। जब यूक्रेन युद्ध हुआ या जब गाजा में संघर्ष भड़का, तब भारत की तटस्थता को कुछ विश्लेषकों ने नैतिक चुप्पी के रूप में देखा। इससे भारत की छवि एक नैतिक शक्ति या वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में कमजोर पड़ती है। आज की दुनिया केवल रणनीतिक फायदे नहीं देखती, बल्कि यह भी देखती है कि कौन-सा देश मानवाधिकार, लोकतंत्र और न्याय के पक्ष में बोलता है। भारत की चुप्पी कई बार इसे हित-चिंतक की बजाय हित-साधक बना देती है।

दूसरा नुकसान यह है कि तटस्थ रहते हुए भारत कभी-कभी अपने साझेदार देशों के साथ रिश्तों में वह गहराई नहीं बना पाता जो स्पष्ट समर्थन से बनती है। अमेरिका भारत को चीन के खिलाफ एक मजबूत रणनीतिक साझेदार मानता है, लेकिन भारत की रूस के साथ दोस्ती अमेरिका के लिए चिंता का विषय बनती है। इसी तरह, रूस को भारत की अमेरिका के साथ नजदीकी खटकती है। ऐसे में भारत को हमेशा संतुलन बनाए रखना पड़ता है, जो कि एक चुनौतीपूर्ण कार्य है और कभी-कभी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगा सकता है।

एक और नुकसान यह है कि तटस्थता के कारण भारत को कुछ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपेक्षित समर्थन नहीं मिल पाता। उदाहरण के लिए, जब भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता की बात आती है, तो उसे किसी एक गुट का मजबूत समर्थन नहीं मिल पाता। सभी देश भारत को एक संभावित भागीदार तो मानते हैं, परंतु कोई उसे खुलकर समर्थन नहीं देता, क्योंकि भारत खुद किसी गुट का हिस्सा नहीं बनता।इसके अलावा, तटस्थ नीति के चलते भारत कभी-कभी उन अवसरों से चूक जाता है जो एक पक्ष का समर्थन करने पर मिल सकते थे। अमेरिका और यूरोप जैसे देश अपने रणनीतिक सहयोगियों को रक्षा तकनीक, निवेश और बाजार में प्राथमिकता देते हैं। भारत की स्थिति अक्सर दो नावों की सवारी जैसी हो जाती है, जिससे वह पूरी तरह से किसी एक दिशा में लाभ नहीं उठा पाता।

फिर भी यह कहना गलत नहीं होगा कि मोदी सरकार ने तटस्थता वाला रवैया सोच-समझकर तय किया होगा,जो उनकी अपनी रणनीति का हिस्सा होगी, जो उसके भौगोलिक, राजनीतिक और आर्थिक हितों के अनुसार उपयुक्त है। इस नीति का उद्देश्य किसी को नाराज़ किए बिना सभी से संबंध बनाए रखना है, जो कि एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति के लिए जरूरी भी है। मगर इस नीति को लागू करते समय यह ध्यान रखना होगा कि रणनीतिक संतुलन के साथ नैतिक नेतृत्व और दीर्घकालिक दृष्टिकोण भी बना रहे, ताकि भारत केवल एक संतुलनकर्ता नहीं, बल्कि दिशा-निर्देशक शक्ति के रूप में भी उभरे।

जातिवाद और तुष्टीकरण की विकृत राजनीति का खतरनाक खेल

मृत्युंजय दीक्षित

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2026 के पंचायत चुनावों और 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर राजनैतिक सरगर्मियां तीव्र हो रही हैं। इन सरगर्मियों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि प्रदेश के प्रमुख विरोधी दल समाजवादी पार्टी के साथ साथ अन्य विरोधी दल भी इन आगामी चुनावों में पहले की ही तरह जातिवाद और तुष्टीकरण को ही अपना प्रमुख हथियार बनाएंगे। सपा नेता अखिलेश यादव ने जिस प्रकार पीडीए के नाम पर हिन्दू समाज को जाति-जाति में विभाजित करके अपना स्वार्थ सिद्ध करने अर्थात वर्ष 2027 में सपा सरकार बनाने की योजना बनाई है वह वास्तव में प्रदेश के सामाजिक ताने बाने को ध्वस्त करने का एक खतरनाक खेल है। विगत दिनों प्रदेश में कई ऐसी घटनाएं घटी हैं जो इस खतरनाक खेल की आहट दे रही हैं।

समाजवादी अखिलेश यादव द्वारा तथाकथित पीडीए की राजनीति को संबल देने के लिए जो बयानबाजी की जा रही है तथा उनकी पार्टी और समर्थकों द्वारा सोशल मीडिया पर जैसी टिप्पणियां की जा रही हैं उनसे प्रदेश में शांति भंग होने की आशंका बढ़ रही है। सपा मुखिया अखिलेश यादव इटावा में कथावाचक के साथ घटी घटना पर आक्रामक होकर आपत्तिजनक बयान दे रहे हैं वहीं नैमिष में एक अन्य कथावाचक के साथ घटीअप्रिय घटना पर मौन हैं। यह तो अच्छा हुआ कि पुलिस प्रशासन ने इटावा के कथावाचक के साथ मारपीट की घटना से सम्बंधित चार संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और घटना की निष्पक्ष जांच आरंभ हो गई है। इटावा की घटना को लेकर अनावश्यक रूप से ब्राह्मण समाज के विरुद्ध सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं वो सामाजिक वैमस्यता बढ़ाने वाली हैं। स्मरणीय है कि सत्ता की भूख में आज पीडीए की बात करने वाले सपा मुखिया की सरकार बनते ही 2012 में सबसे पहले सीतापुर में बड़ी संख्या में दलित समाज के घरों को जला दिया गया था।

इटावा की घटना की जांच चल रही है किंतु अखिलेश यादव जांच रिपोर्ट को प्रभावित करने के लिए गलत बयानी कर रहे हैं। हिंदू समाज में किसी भी जाति का, कोई भी व्यक्ति जिसे धर्मग्रंथों का ज्ञान है तथा जनमानस को अच्छी बातें बताने की क्षमता रखता है वह कथावाचन कर सकता है। अधिकांश कथा वाचक गैर ब्राह्मण ही हैं। कथावाचक की जाति पर कभी चर्चा नहीं होती। यदि कोई कथावाचक अपनी जाति व धर्म को छुपाकर यह कृत्य करता है तो चिंता की बात है। कोई कथा कहना चाहता है तो उसे अपना सही नाम बताने में कठिनाई नहीं होनी चाहिए । नाम छुपाने के साथ साथ एक से अधिक आधार कार्ड रखना एक आपराधिक कृत्य है कोई कथावाचक ऐसा क्यों करेगा? इस पूरी घटना में सपा की प्रतिक्रिया से लगता है कि संभव है कि इटावा की घटना सुनियोजित षड्यंत्र के अंतर्गत करवाई गई हो और एक समय बसपा का नारा रहे तिलक, तराजू और तलवार इनको मारो जूते चार को अब सपा ने अपना लिया है। सपा ने पीडीए का दिल जीतने के लिए ब्राह्मण समाज का अपमान किया है।

इस बीच सपा ने राज्यसभा चुनावों के दौरान क्रास वोटिंग करने वाले तीन विधायकों ऊंचाहार से मनोज कुमार पांडेय, गोसाईगंज से अभय सिंह और गौरीगंज से राकेश प्रताप सिंह को पार्टी से निकाल दिया है। सपा की ओर से एक्स पर लिख गया कि सांप्रदायिक व पीडीए विरोधी विचारधारा का साथ देने के कारण तीनों विधायकों को निकाला गया है। वहीं इन विधायकों का कहना है कि भगवान राम और रामचरित मानस के अपमान का विरोध करने के कारण इन सभी को निष्कासित किया गया है। विधायक मनोज पांडेय ने कहा कि मैंने सपा नेताओं द्वारा हिंदू देवी-देवताओं को गाली दिए जाने तथा रामायण की प्रतियां जलाने का विरोध किया था। विधायक मनोज पांडेय अयोध्या में रामलला के दर्शन भी कर आये हैं। सभी विधायकों ने कहा कि सपा में हिन्दुओं की धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया जाता है। समाजवादी पार्टी ने अब लोहिया की विचारधारा को त्याग चुकी है।

अखिलेश यादव आजकल कोई भी विषय हो पीडीए को बीच में घसीट लाते हैं। हाल ही में सोने-चांदी के बढ़ रहे दामों पर बयान देते हुए उन्होंने कहा कि सोने-चांदी के दाम चरम सीमा पर है जिस कारण गरीब पीडीए समाज की बिटिया की सगाई में सोना कैसे खरीदा जाएगा जबकि वह अच्छी तरह से जानते हैं कि सोने चांदी की कीमतों पर केंद्र सरकार व राज्य सरकार का कोई नियंत्रण नहीं होता है अपितु यह अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर होता है। समाजवादी पार्टी मुखिया एक घोषणा यह भी कर रहे है कि जब उनकी सरकार आयेगी तब महापुरुषों की सोने की मूर्तियां लगवाई जाएंगी। अखिलेश यादव ने कन्नौज में सम्राट हर्षवर्धन और बहराइच में महाराज सुहेलदेव राजभर की सोने की मूर्तियां लगवाने की घोषणा की है। सत्यता यह है कि सपा मुखिया प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकास और हिन्दुत्व के समन्वित एजेंडे का उत्तर नहीं खोज पा रहे हैं। बहराइच में योगी जी महाराज सुहेलदेव की कांस्य की प्रतिमा का अनावरण कर चुके हैं।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

सोते वक्त गर्दन में सांप काटने से किशोर हुआ मूर्छित

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। बोरियो थाना क्षेत्र के हरिनचरा गांव निवासी मांझी किस्कू का 14 वर्षीय पुत्र नवीन किस्कू को सोने के दौरान एक सांप ने काट लिया। परिजनों ने इलाज के लिए आनन-फानन में सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने उक्त बालक का प्राथमिक उपचार किया। वहीं पिता मांझी किस्कू ने बताया की पुत्र नवीन दोपहर के वक्त घर में सोया हुए था। तभी कहीं से एक सांप बिस्तर पर चढ़ गया और उसके गर्दन पर काट लिया। जब वह चिल्लाया तो हम लोग जाकर देखें तो सांप भाग रहा था, बताया कि उसके गर्दन पर काटा है तब बिना वक्त गवाएं आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां डॉक्टर की देखरेख में इलाज किया जा रहा है।

बगोदर मे दो ट्रको के बीच हुवी जोरदार टक्कर चलाक गंभीर रूप से घायल

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह जिले के बगोदर थाना क्षेत्र के कोलकत्ता दिल्ली नेशनल हाइवे झरी पुल के पास शुक्रवार की सुबह दो ट्रको के बीच भीषण टक्कर हो गयी। टक्कर इतनी भीषण थी की दोनों ट्रको का सामने के भाग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया जिसमे ट्रक ड्राइवर फंस गया। जिसके बाद आस-पास के स्थानीय लोगो ने तत्परता दिखाते हुवे केबिन मे फंसे चालक को काफी मशक्कत बाद निकाला गया। चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके बाद स्थानीय लोगो की सहायता से घायल चालक को स्थानीय हॉस्पिटल ले जाया गया जिसके बाद प्राथमिक उपचार के बाद उसे रेफर कर दिया गया। वहीं घटना के सूचना मिलने पर बगोदर थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची ओर मामले की जाँच मे जुट गयी है।

गिरिडीहः लगातार हो रही बारिश ने खोली नगर निगम की पोल

- 28 नम्बर भण्डारीडीह के कई घरों में घुसा नाली का पानी
- लोगों का जीना हुआ मुहाल

गिरिडीह, प्रतिनिधि। लगातार हो रही है बारिश ने नगर निगम की पोल खोल कर रख दी है। जगह- जगह जल-जमाव के कारण लोगों को काफ़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी बीच नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर 18 भण्डारीडीह 28नम्बर से ऐसी तस्वीर सामने आई है जिसने फिर से नगर निगम की पोल खोल दी है। दरअसल 28नंबर भण्डारीडीह में चार से पांच घरों में पिछ्ले एक सप्ताह से हो रही बारिश के बाद नाले के पानी घरों में घुस गया है। घरों में नाली का पानी पहले तो लोगों के मुख्य द्वार तक ही घुसा था, लेकिन अब लोगों के कमरों तक नाले का पानी घुस गया है। नाली का पानी घरों में घुसने के बाद न सिर्फ लोगों को परेशानी हो रही है, बल्कि बच्चों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है, क्योंकि घरों में नाली का पानी घुसने के बाद घरों का सारा सामान पूरी तरह से भींग चुका है, इतना ही नहीं बच्चों के कॉपी किताब तक भींग चुके है। लोगों को खाना बनाने तक मुश्किल हो चूका है, खाने का सारा सामान तक भींग चुका है। जिससे लोगों की परेशानी ओर बढ़ गयी है। वहीं एक मिट्टी के मकान में रहने वाले लोगों ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के कारण घर के सभी सदस्य डर के साये में जी रहे हैं। उन्हें डर है कि लगातार हो रही बारिश से उनके घर में भी नाली और बारिश का पानी घुंस गया है, जिस कारण उनके मिट्टी के घर की दीवार कमजोर हो चुकी है दीवार कब गिर जाएगा और क्या हादसा हो जाएगा इस डर से रात भर चैन से सो भी नहीं पाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है की उनलोगों ने नगर निगम से पूर्व में कई बार इलाके के नालियों की सफाई कराने की मांग नगर निगम से की लेकिन किसी ने इसे गंभीरता से लिया, यही कारण है की हमलोगों की मुसीबत और बढ़ गयी है।

वज्रपात की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

- परिजनों ने की मुआवजे की मांग

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के मटरुखा में वज्रपात की चपेट में आने से 65 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई है। मृतक की पहचान 65 वर्षीय भरत मंडल पिता जीवलाल मंडल मटरुखा निवासी के रूप में हुई है। घटना के संबंध में मृतक भरत मंडल के पोते अर्जुन मंडल ने बताया कि उनके दादा (भरत मंडल) सुबह लगभग 6 बजे काम करने अपने खेत जा रहे थे। तो इसी दौरान हल्की बारिश के साथ तेज गर्जना शुरू हो गई और देखते ही देखते खेत के पास ही जोरदार आवाज के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसके चपेट में आकर भरत मंडल बुरी तरह झुलस गये और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की खबर जैसे ही गांव और परिजनों को मिली, पूरे परिवार में कोहराम मच गया। परिजन खेत की ओर दौड़े, और ग्रामीणों की मदद से शव को घर लाया गया। सूचना मिलते ही मुफ्फसिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है वंही पर परिजन सरकार से उचित मुआवजे की मांग भी कर रहे हैं।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने मंडल कारा का किया निरीक्षण बंदियों की सुनी समस्या, अधिकारियों को जेल मैनुअल के पालन का दिया निर्देश

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष अखिल कुमार ने आज मंडल कारा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न बैरकों का दौरा कर बंदियों से संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। निरीक्षण के दौरान न्यायाधीश ने बंदियों से उनके स्वास्थ्य, इलाज, पेयजल, भोजन की व्यवस्था तथा मुकदमों में पैरवी के लिए अधिवक्ता की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि जिन बंदियों के केस में जमानत या अपील दायर नहीं

की गई है या अधिवक्ता नहीं रख सकते हैं उन्हें निःशुल्क अधिवक्ता की सेवा प्रदान कर उचित कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने जेल परिसर, विशेषकर शौचालयों की सफाई को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। बीमार बंदियों के लिए बेहतर चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित के लिए कारा कर्मियों को दिशा-निर्देश दिए गए।न्यायाधीश ने महिला बैरक जाकर महिला बंदियों से मुलाकात की और उनकी समस्या सुनी। उन्होंने जेल अधीक्षक को निर्देश दिया कि प्रेणादायक, शिक्षापरक रोजगारपरक शिविरों का आयोजन कर बंदियों को प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वे अपराध की दुनिया को छोड़ कर जेल से बाहर निकलने के बाद आत्मनिर्भर बन सकें। न्यायाधीश ने पुस्तकालय, रसोईघर, भोजन की गुणवत्ता सहित जेल में उपलब्ध अन्य सुविधाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि जेल मैनुअल के तहत मिलने वाली सभी सुविधाएं बंदियों को उपलब्ध कराई जाएं और इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जानी चाहिए। उन्होंने बंदियों से कहा कि आप सभी किसी न किसी अपराध के आरोप में जेल में हैं, लेकिन यह आपके जीवन का अंत नहीं है। आत्मचिंतन करें, अपने जीवन में सुधार लाएं और समाज में एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में लौटें। न्यायाधीश ने जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि वे बंदियों को मानसिक और नैतिक सुधार की दिशा में प्रेरित करें और समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करें, जिससे ये समाज की मुख्यधारा में वापस लौट सकें। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत, कारा अधीक्षक चंद्रशेखर सुमन जेलर मनोज मुर्मू एवं चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल अरविंद गोयल और उनकी टीम व अन्य मौजूद थे।

हूल दिवस तैयारी को लेकर बरहरवा नगर कमेटी ने की बैठक!

- क्रांति स्थल पचकटिया से हूल दिवस पर निकला जाएगा भव्य मसाल जुलूस

आदिवासी एक्सप्रेस प्रिंस मिश्रा

बरहरवा नगर क्षेत्र अंतर्गत झामुमो नेता शक्ति नाथ अमन के आविसीय कार्यालय में हूल दिवस तैयारी को लेकर शुक्रवार एक बैठक आयोजित की गई इस बैठक की अध्यक्षता झामुमो नगर अध्यक्ष धर्मवीर कुमार महतो ने की! बैठक को संबोधित करते हुए झामुमो नेता शक्ति नाथ अमन ने कहा बरहरवा नगर से भी सैकड़ो की संख्या में मसाल जुलूस पंचकठिया से भोगनाडीह जाएंगे, उन्होंने कार्यकर्ता को जुलूस की तैयारी करने का निर्देश दिया!

बैठक को संबोधित करते हुए श्री महतो ने कहा इस बार 30 जून हूल दिवस के मौके पर झामुमो केंद्र

अध्यक्ष सह सुबे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आगमन वीर शहीद सिद्धू -कानू मुर्मू पावन धरती पर होना है नगर के सभी कार्यकर्ताओं आज ही से तैयारी में जुट जाएंगे!

साथ ही साथ संगठन की चर्चा करते हुए बैठक में सर्व समिति से प्रस्ताव पारित किया गया कि प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को नगर कमेटी झामुमो की बैठक की जाएगी! एवं सर्व समिति से प्रस्ताव पारित किया गया कि बैठक में पदाधिकारी एवं सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य होगी लगातार तीन बैठक में अनुपस्थित होने पर उक्त अधिकारियों एवं सदस्यों के विरोध नियम संगत कार्रवाई की जाएगी! बैठक में मुख्य रूप नीलकंठ शाह, दिनेश सेन, छोटू साह, विकास रजक, फिरोज खान, अकरम हुसैन, वामा दास, वरुण मंडल, सुशील सेन, उज्जवल दास, संजय कुमार, विजय कुमार, आजाद आलम, अजय पासवान, दिलीप शाह, विवेक कुमार, जीवन सेन, मंगल शर्मा, प्रशांत मंडल, सहीत अन्य झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे!

भगवान बलभद्र व माता सुभद्रा की पूजा अर्चना पूरे भक्ति भाव के साथ किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। राजमहल नगर पंचायत क्षेत्र के कासिमबाजार स्थित जगन्नाथ ठाकुरबाड़ी में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ प्रभु के रथ यात्रा के शुभ अवसर पर ठाकुरबाड़ी में भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र व माता सुभद्रा की पूजा अर्चना पूरे भक्ति भाव के साथ किया गया इस अवसर पर हवन यज्ञ भी हुआ। रथ यात्रा के पावन मौके पर ठाकुरबाड़ी के समीप स्थित नमामि गंगे जगन्नाथ घाट पर स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान के सौजन्य से देववृक्ष कल्पतरू पौधे का पौधरोपण किया गया। यजमान भारती अग्रवाल व सुदीप अग्रवाल सहित संस्था के

महासचिव शशिभूषण ओझा मुकुल, जिला सचिव प्रवीर कुमार सिंह की मौजूदगी में पुरोहित जनार्धन उपाध्याय व पुरोहित सुभाष पांडे ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कल्प तरू पौधरोपण किया गया। इसके उपरांत मौके पर मौजूद संस्था के जिला सचिव प्रवीर कुमार सिंह ने बताया कि कल्प तरू समुद्र मंथन उपरांत निकले चौदह रत्नों में से एक है। इस वृक्ष के मूल में भगवान विष्णु तथा भाग में भगवान ब्रह्मा तथा शाखाओं में भगवान शिव का वास होता है। यह वृक्ष हरिद्वार के एक संत ने संस्था को प्रदान किया था। मौके पर मौजूद संस्था के महासचिव शशि भूषण ओझा मुकुल कल्प तरू के धार्मिक, औषधीय एवं पर्यावरणीय महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह मनोकामना सिद्धि है और सच्चे मन और शुद्ध हृदय से इसके समक्ष की गयी प्रार्थना अवश्य पूरी होती है। मौके पर भूदेव कुमार, निर्भय सिंह, अमित आनंद, मधुकर नारायण सचिदानंद मधुकर, मिथुन पांडे, नीरज आनंद, अरविंद कुमार अर्जुन राम. दीपक चन्द्रवंशी, देव कुमार दत्ता, राहुल आनंद सहित अन्य भक्तजन भी मौजूद थे।

गिरिडीह में बड़े ही धूमधाम से निकाली गई भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

जय जगन्नाथ के जयकारों से महौल हुआ भक्तिमय

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा धूमधाम से निकाली गई। रथयात्रा में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। गिरिडीह के सीएमआर रोड स्थित पुरातन शिवालय से भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा के विग्रह को सुसज्जित रथ पर बैठा कर नगर भ्रमण कराया गया। नगर भ्रमण के पूर्व पुजारी सतीश मिश्रा के द्वारा पूरे विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा का पूजन कर विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन मिठाई आदि भोग अर्पित किया गया। इस दौरान भगवन जगन्नाथ, भाई बलभद्र, बहन सुभद्रा को श्रद्धालु माथे पर

लेकर रथ में बिठाया।

रथ यात्रा के दौरान जय जगन्नाथ के जयकारे से पूरा नगर गुंजायमान रहा। श्रद्धालु पूरे भक्तिभाव से रथ को हाथों से खींचते जा रहे थे। इस दौरान पुजारी सतीश मिश्रा ने कहा कि पौराणिक कथानुसार भगवान जगन्नाथ की बहन ने एक बार रथ पर बैठकर पूरा नगर देखने की इच्छा जताई। तब भगवान अपने भाई बलभद्र और लाडली बहन सुभद्रा को रथ पर बैठाकर पूरा नगर देखने निकले। कहा कि रथयात्रा भारत की मजबूत सांस्कृतिक एकता और सौहार्द का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि भगवान जगन्नाथ 15 दिनों के एकांतवास के बाद भक्तों को दर्शन देने आषाढ शुक्ल द्वितीया को बाहर आते हैं। उनके दर्शन मात्र से मनुष्य जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्त हो जाता है। इस रथयात्रा का पुण्य 100 यज्ञों के बराबर होता है। गाजे-बाजे के साथ प्रतीक विग्रह को नगर भ्रमण कराते हुए गांधी चौक स्थित छोटकी कालीमंडा अर्थात मौसी बाड़ी ले जाया जाएगा। जहां भगवान विश्राम करते हुए सात दिनों तक भक्तों को दर्शन देंगे। इसके बाद मंदिर में प्रवेश कर जाएंगे। मौसी बाड़ी में सुबह-शाम तीनों विग्रह की सांगोपांग पूजा की जाएगी। इधर रथ यात्रा में दौरान सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम थे।

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा बड़े ही धूमधाम से निकाली गई

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। बरहरवा एवं कोटालपोखर में इस वर्ष भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा बड़े ही धूमधाम से निकाली गई। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला। गांव-गांव से श्रद्धालु एकत्र होकर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथ को खींचने में जुटे रहे।

बरहरवा में रथ यात्रा का उल्लास

बरहरवा बाज़ार में रथ यात्रा के अवसर पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। रंग-बिरंगी पताकाओं और फूल-मालाओं से सजे रथ को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। बारिश के बावजूद लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ। कीर्तन मंडलियों ने माहौल को संगीतमय बना दिया।

कोटालपोखर में भव्य आयोजन

कोटालपोखर गांव में भी रथ यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने पारंपरिक वेशभूषा में भगवान के रथ को खींचा। ग्रामवासी पूजा की तैयारियों में लंबे समय से जुटे थे। गांव की महिलाओं ने पूजन एवं भजन की व्यवस्था संभाली। स्थानीय युवकों ने सुरक्षा और यातायात की भी जिम्मेदारी निभाई। जहां रथ सजावट, भक्तों की भक्ति भाव, कीर्तन, बच्चों की सहभागिता, और ग्रामीण संस्कृति की झलक इस आयोजन की विशेषता रही।

एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिक बेटी के अपहरण का आरोप लगाते हुए युवक व उसके परिजनों पर केस दर्ज कराया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिक बेटी के अपहरण का आरोप लगाते हुए युवक व उसके परिजनों पर केस दर्ज कराया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार उक्त किशोरी के पिता तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के बाबूपाड़ा में रहते हैं ने आरोप लगाया है कि बीते रविवार की संध्या उसकी बेटी 17 वर्षीया किराना दुकान से सामान लेने गई थी। इसी दौरान राजमहल थाना क्षेत्र के फुलवरिया का अब्दुल शेख कुछ अज्ञात लोगों के साथ मिलकर उसकी बेटी का अपहरण कर लिया। इसके पूर्व भी कई बार अब्दुल शेख मोबाइल पर कॉल कर धमकी दिया करता था। जिसकी शिकायत उसके परिवार वालों से की गई थी। पिता ने थाना पुलिस से उचित कानूनी कार्रवाई करने व पुत्री के सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई है। थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडे ने बताया कि केस दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है।

आरपीएफ कमांडेंट गुलाम सर्वर के निर्देश पर शुक्रवार को विशेष जांच अभियान चलाया गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। रेलवे स्टेशन परिसर में आरपीएफ कमांडेंट गुलाम सर्वर के निर्देश पर शुक्रवार को विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस बीच आरपीएफ की टीम ने प्लेटफार्म, स्टेशन परिसर, पश्चिम रेलवे फाटक के आसपास जांच अभियान चलाया। इस क्रम में लोगों को रेलवे लाइन पार नही करने की अपील करते हुए कहा कि ट्रेन आने के दौरान जब रेलवे फाटक लगा रहे तो फाटक पार करने का जल्दीबाजी ना करे। इंसान की जान बहुत मूल्य है इसे लापरवाही में न गवाए। साथ ही यात्रियों को नशाखुरानी गिरोह से सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति से खाने पीने का समान न ले। क्योंकि ऐसे गिरोह आपको बेहोश कर आपकी समान लूट सकता है। वही सुरक्षा को लेकर संदिग्ध लोगों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। मौके पर कई जवान मौजूद थे।

केन्द्रीय सचिव पंकज मिश्रा के निर्देशानुसार बैठक का आयोजन, हुल दिवस पर बरहेट में होगा कार्यकर्ता का महाजुटान- मो मारूफ

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। उधवा प्रखंड मुख्यालय स्थित बीपीआरसी भवन में हुल दिवस मानने को लेकर एक बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित हुए.इस दौरान राजमहल विधायक प्रतिनिधि सह झामुमो युवा मोर्चा जिला सचिव आदरणीय मो मारूफ उर्फ गुड्डु जी शामिल हुए. इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने बारी-बारी से अपना राय रखा.इस दौरान

राजमहल विधायक प्रतिनिधि सह झामुमो युवा मोर्चा जिला सचिव मो मारूफ उर्फ गुड्डु ने कहा कि कोई भी कार्यकर्ता छोटा या बड़ा नहीं होता है सभी झारखंड मुक्ति मोर्चा के सिपाही है. कहा कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भव्य तरीके से हुल दिवस मनाया जाएगा. पार्टी के केन्द्रीयित सचिव आदरणीय श्री पंकज मिश्रा जी के निर्देशानुसार प्रखंड स्तरीय बैठक कर हुल दिवस सफल बनाने को लेकर विचार विमर्श करने का निर्देश प्राप्त है. केंद्रीय सचिव के निर्देश पर संगठन के कार्यकर्ताओं को एक सूत्र में बांधते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया जाएगा. राजमहल विधायक आदरणीय मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा जी के साथ राजमहल और उधवा प्रखंड से हजारों कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल होंगे. साथ ही कहा कि इस वर्ष देखा जा रहा है कि प्रत्येक पंचायत से सैकड़ों लोग उत्साह के साथ हुल दिवस मानने की तैयारी कर रहे है. बरहेट के पंचकठिया से सभा स्थल तक हजारों की संख्या में मशाल जुलूस निकल जाएगा. वहीं प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली उर्फ बबुआ ने कहा कि सभी कार्यकर्ता से अपील किया 30 जून को सुबह 8 बजे प्रखंड मुख्यालय तक पहुंचाएं ताकि सभी कार्यकर्ता एक साथ रवाना हो सके. मौके पर प्रखंड सचिव विश्वजीत मंडल, समिति सदस्य नागपुर रहमान, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष अनवारूल हक, काजू मल्लिक, नेहरूल इस्लाम, संजय मंडल, आलमगीर आलम, जैनुल आबेदीन, बरनावास सोरेन, डॉली नाज़, फिरोज शेख, टीपू सुल्तान, शमसाद आलम, मंजूर आलम, इब्राहिम शेख, जहांगीर अली, जियाउल हक सहित अन्य मौजूद थे।

डिवोर्स रूमर्स के बीच

ऐश्वर्या शर्मा

का बयान, बोलीं-शोर नहीं गरिमा को चुना...

'गुम है किसी के प्यार में फेम कपल नील भट्ट और ऐश्वर्या शर्मा पिछले काफी समय अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियो में बने हैं। लंबे समय से खबरें आ रही हैं कि नील और ऐश्वर्य की शादीशुदा जिंदगी में दिक्कतें आ गई हैं। कहा जा रहा है कि दोनों अलग होने जा रहे हैं और काफी समय से दोनों ने साथ में कोई पोस्ट भी शेयर नहीं की है। ऐसे में लोग दावा कर रहे हैं कि दोनों अलग-अलग रह रहे हैं। इस बीच अब एक्ट्रेस ऐश्वर्या ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर दिया है। उनका कहना है कि उनके नाम का इस्तेमाल झूठी और गलत खबरों को फैलाने के लिए न करें।

ऐश्वर्या शर्मा ने 26 जून को इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है उसमें उन्होंने लिखा-मैं लंबे समय से चुप हूं। इसलिए नहीं कि मैं कमजोर हूं, बल्कि इसलिए कि मैं अपनी शांति को बचा रही हूं। लेकिन जिस तरह से आप में से कुछ लोग ऐसी बातें लिखते रहते हैं जो मैंने कभी नहीं कही, ऐसी कहानियां गढ़ते हैं जिनका मैंने कभी सपोर्ट नहीं किया, और बिना सबूतों या जवाबदेही के अपने प्रमोशन के लिए मेरे नाम का यूज करते हैं, वो बेहद दर्दनाक है। मैं साफ कर दूं-मैंने कोई इंटरव्यू, बयान या रिकॉर्डिंग नहीं दी है।

नील भट्ट और उनके डिवोर्स रूमर्स काफी टाइम से फैल रहे हैं और इन पर बोलते हुए ऐश्वर्या ने आगे लिखा-

आपके पास कोई वास्तविक सबूत है, तो कोई मैसेज, ऑडियो या वीडियो जिसमें मैंने ये बातें कही हों, उसे दिखाएं। अगर नहीं, तो मेरे नाम पर खबरें फैलाना बंद करें। मेरी लाइफ आपका कंटेंट नहीं है। मेरी चुप्पी को आपकी परमिशन की जरूरत नहीं है। प्लीज याद रखें सिर्फ इसलिए कि कोई चुप है इसका मतलब यह नहीं है कि उसके पास कहने के लिए कुछ नहीं है। इसका मतलब है कि वो शोर के बजाए गरिमा को चुन रहा है।

नील और ऐश्वर्या की गुम है किसी के प्यार में के दौरान पहली मुलाकात हुई थी, इसी शो से इन दोनों की दोस्ती हुई थी, जो बाद में प्यार बदल गई। शो में देवर-भाभी का रोल निभाने वाले नील और ऐश्वर्या ने एक साल बाद ही शादी कर ली थी।

उसके बाद दोनों सम्राट जोड़ीऔर बिग बॉस 17 में नजर आए। बिग बॉस 17 में ऐश्वर्या को कई बार नील पर गुस्सा करते और उन पर भड़कते देखा गया था लेकिन हर बार नील उनको प्यार से मना लेते थे। जब से दोनों शो से बाहर आए हैं तभी से इनके डिवोर्स रूमर्स अक्सर ही गॉसिप गलियारों में देखने को मिलते हैं।

51 की उम्र में मिनी स्कर्ट पहन

उर्मिला मातोंडकर

ने दिखाया ग्लैमर, हो गई ट्रोल, लोग बोले- आर्टिफिशियल है सब

फिल्मी सितारे अपनी फिटनेस को लेकर काफी सीरियस रहते हैं. कोई घंटों जिम में बिताते हैं, तो कुछ स्पेशल डाइट फॉलो करते हैं. सिर्फ आज की यंग एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि 90 के दशक की एक्ट्रेस भी इस मामले में कम नहीं हैं. तब फिल्मों से और अब फिटनेस से कड़ी टक्कर दे रही हैं. इसी बीच 'रंगीला गर्ल' rmila Matondkar लाइमलाइट में आ गई हैं. वजह है उनका लेटेस्ट लुक. 51 साल की एक्ट्रेस को ग्लैमर दिखाना इतना महंगा पड़ गया कि जमकर ट्रोल होने लगी हैं. लोगों ने उनके बदले हुए चेहरे को देखकर भर-भरकर कमेंट्स किए हैं.

दरअसल उर्मिला मातोंडकर 51 साल की उम्र में भी काफी फिट हैं. तो वो अपना फिट फिगर फ्लॉन्ट करने का कोई मौका नहीं छोड़तीं. एक्ट्रेस फिल्मों से बेशक दूर हों पर लोगों के दिल के अब भी करीब हैं. उर्मिला की आखिरी हिंदी फिल्म 'ईएमआई' थी, जो साल 2008 में रिलीज हुई थी. पर उसके बाद वेब सीरीज और मराठी सिनेमा में काम करती दिख चुकी हैं. लेकिन अब नए लुक में उन्हें ट्रोल क्यों किया जा रहा है?

51 साल की उर्मिला मातोंडर क्यों हुईं ट्रोल?

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर ने एक दिन पहले इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की थीं. पिंक मिनी स्कर्ट और ब्लेजर स्टाइल टॉप में एक्ट्रेस काफी स्टाइलिश और ग्लैमरस लग रही थीं. खुले बाल और मिनिमल मेकअप के साथ उन्होंने अपना लुक कंप्लीट किया था. अपना फिट फिगर फ्लॉन्ट कर रहीं एक्ट्रेस की जहां कुछ लोगों ने तारीफ की. तो कुछ ऐसे भी हैं, जिन्होंने जमकर ट्रोल कर दिया. एक यूजर लिखती हैं कि- इन्होंने अपने मुंह पर क्या करवा लिया. तो दूसरा कहता है- या तो यह 10 जीबी एआई का काम है, या फिर 10 KG ozempic का. एक और ब्यूटी आर्टिफिशियल शो ऑफ में खो गईझ्रदरअसल एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. उनके इंस्टाग्राम पर 1 मिलियन फॉलोअर्स हैं. पॉलिटिशियन, एक्ट्रेस और सोशल एक्टिविस्ट उर्मिला मातोंडकर अपने पल-पल की अपडेट फैन्स के साथ शेयर करती हैं. एक्ट्रेस अक्सर एक से बढ़कर एक ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती रहती हैं. साथ ही फिटनेस को लेकर काफी फोक्स्ड हैं. 51 की उम्र में ऐसी फिटनेस देखकर लोग भी तारीफ करते हैं.

कब हुई थी करियर की शुरुआत

उर्मिला मातोंडकर ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट करियर की शुरुआत की थी. उनकी फिल्म 1977 में आई थी, जिसका नाम था- 'कर्म'. 1983 में आई फिल्म 'मासूम' के बाद एक्ट्रेस को पहचान हासिल हुई थी. हालांकि, बतौर लीड एक्ट्रेस उन्होंने करियर की शुरुआत 'नरसिम्हा' से की थी.

'जेहरे मुल्क दा खाईए, उस दा बुरा नहीं...' 'सरदार जी 3' पर फंसे दिलजीत को गुरु रंधावा की खरी-खरी

पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ की आने वाली फिल्म 'सरदार जी 3' रिलीज से पहले ही काफी विवादों में घिर गई है. फिल्म का टीजर बाहर आया, जिसके बाद बवाल मचा हुआ है. फिल्म में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर भी अहम किरदार में हैं, ऐसे में फिल्म को लेकर काफी विवाद हो रहा है. फिल्म को लेकर दिलजीत को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है. फिल्म को भारत में बैन कर दिया गया है. वहीं फैंस दिलजीत को गद्दार कह रहे हैं और उन्हें बायकॉट करने की मांग कर रहे हैं.सरदार जी 3 को लेकर चल रहे विवाद के बीच इंडस्ट्री में भी अलग-अलग लोगों के बयान सामने आ रहे हैं. पहले मीका सिंह ने बिना दिलजीत का नाम लिए एक क्रिप्टिक पोस्ट किया था, वहीं अब सिंगर और एक्टर गुरु रंधावा ने भी एक क्रिप्टिक पोस्ट किया है, जिसने सभी फैंस को चौंका दिया है.

गुरु रंधावा ने क्या लिखा?

गुरु रंधावा के पोस्ट को देखकर इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं कि उन्होंने दिलजीत दोसांझ पर ही कटाक्ष किया है. गुरु ने अपने पोस्ट में लिखा- लाख परदेसी होईए, अपना देश नहीं बदला दा, जेहरे मुल्क दा खाईए, उस दा बुरा नहीं मांगी दाज्अगर अब आपकी नागरिकता भारतीय नहीं है तो इसका मतलब ये नहीं कि ये बात भूल जाएं कि आप इस मुल्क में जन्में थे. इस देश ने कई बड़े आर्टिस्ट बनाए और हम सबको इस बात का फक्र है. आपको भी फक्र होना चाहिए कि आप यहां पैदा हुए थे. ये बस एक सलाह है. प्लीज फिर से कोई कंट्रोवर्सी शुरू ना करिएगा और भारतीयों को फिर से बहलाइएगा मत. पीआर बिगर देन आर्टिस्ट.

पाकिस्तानी कलाकारों पर लगा बैन

आपको बता दें कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और फिर भारत-पाक तनाव के बीच पाकिस्तानी कलाकारों को भारत में काम करने से बैन कर दिया गया था. पाकिस्तानी सिनेमा और वहां के कलाकारों को देश में हुए विरोध के बाद पूरी तरह से बैन कर दिया गया था.

हालांकि, सरदार जी 3 की टीम की तरफ से कहा गया है कि फिल्म दोनों मुल्कों के बीच हुए तनाव के पहले शूट की गई थी. हानिया पाकिस्तान की बड़ी स्टार हैं, ऐसे में फिल्म का विरोध किया जा रहा है.

आमिर खान की सितारे जमीन पर की आंधी में बह गई सनी देओल की जाट, 6 दिन में इतना रहा वर्ल्डवाइड कलेक्शन

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर सिनेमाघरों में रिलीज के बाद से ही धमाल मचा रही है. फिल्म को काफी पसंद किया जा रहा है. 18 साल बाद आए तारे जमीन पर के सीक्वल को लेकर बज़ बना हुआ था और फिल्म के ट्रेलर ने फैंस का ध्यान आकर्षित किया था. अब बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के आंकड़े बता रहे हैं कि इस फिल्म को देखने के लिए फैंस सिनेमाघरों में जाना पसंद कर रहे हैं. यहां तक कि फिल्म ने सनी देओल की जाट को भी पीछे छोड़ दिया है. आइये जानते हैं कि 6 दिनों में सितारे जमीन पर ने दुनियाभर में कितनी कमाई की.

भारत में सितारे जमीन पर ने कितने कमाए?

सैकनिल्क की रिपोर्ट्स की मानें तो आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर ने 6 दिनों में 98.60 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है. फिल्म ने ओपनिंग डे पर 10.7 करोड़ कमाए थे. इसके बाद वीकेंड में फिल्म ने 2 दिनों में करीब 50 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया. फिलहाल वीकडेज में भी ये फिल्म ठीकठाक कलेक्शन करने में सफल रही है. भारत में हिंदी बेल्ट में सितारे जमीन पर का कलेक्शन तो अच्छा जा रहा है वहीं फिल्म को साउथ में उम्मीद के मुताबिक रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है.

दुनियाभर में सितारे जमीन पर ने इतने कमा लिए

सितारे जमीन पर के ओवरसीज कलेक्शन की बात करें तो इस फिल्म ने 33.40 करोड़ रुपए कमा लिए हैं. मतलब कि फिल्म को विदेशों में भी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. कुल मिलाकर 6 दिन में दुनियाभर में आमिर की फिल्म ने 132 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है. फिल्म का बजट रिपोर्ट्स के मुताबिक 90 करोड़ रुपए के करीब है. मतलब कि फिल्म ने अपना बजट निकाल लिया है और अब फिल्म मुनाफा कमा रही है.

सनी देओल की जाट को आमिर खान की सितारे जमीन पर ने छोड़ा पीछे

आमिर खान की फिल्म कमाई के साथ ही अब कई रिकॉर्ड्स भी बना रही है. फिल्म ने साल 2025 में ही आई सनी देओल की जाट को धूल चटा दी है. सैकनिल्क की रिपोर्ट्स के मुताबिक जाट फिल्म ने भारत में 88 करोड़ कमाए थे और फिल्म का वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 118.36 करोड़ रुपए का रहा था. मतलब की अब आमिर की फिल्म ने सनी देओल की जाट को पीछे छोड़ दिया है. अब देखने वाली बात होगी कि ये फिल्म आने वाले समय में और कौन सी मूवीज का काम तमाम करती है.

संक्षिप्त समाचार

कुएं में फंसे गेहूंवन सांप का रेस्क्यू टीम ने किया रेस्क्यू

संवाद सूत्र -पंकज कुमार ठाकुर

चांदन (बांका)। सिलजोरी पंचायत के कसई गाँव के में बीते कल गुरूवार को एक कुएं में गिर गये एक गेहूँवन (खरीस) सांप का बौसी से पहुंचे पर्यावरण मित्र प्रदीप कुमार और प्रीतम कुमार द्वारा रेसक्यू किया गया। जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह ग्रामीणों ने कुएँ मे एक गेहूँवन सांप के गिरे होने की सुचना पंचायत के उपमुखिया शिवप्रसाद उर्फ शिबू यादव को दी। तत्काल उन्होंने इसकी जानकारी वनपाल चांदन चंदन कुमार को दी।जहरीला सांप होने की वजह से वनपाल ने इसके रेसक्यू करने के लिए पड़गढ़ी बाराहाट निवासी पर्यावरण मित्र प्रदीप कुमार को सुचना दी।सुचना मिलते ही शुक्रवार की सुबह कसई गाँव पहुंचकर पर्यावरण मित्र ने कुएँ से उसका रेसक्यू कर सांप को बाबुकुरा के जंगल मे लेजाकर छोड़ दिया गया ।पर्यावरण मित्र प्रदीप कुमार ने बताया कि पर्यावरण संरक्षणऔर प्राकृतिक धरोहर के रूप मे सांप का भी संरक्षण जरूरी है। रेसक्यू किए गये सांप के संबंध मे उन्होंने बताया कि विभिन्न स्थानों मे यह अलग अलग नामों से जाना जाता है ।यह काफी जहरीला सांप होता है, हालंकि बिना छेड़े यह सांप किसी के ऊपर हमला नहीं करता है। उक्त सांप की आयु करीब 25-30 वर्ष की होती है।जहरीले करैत , कोबरा, गैंहूवन, आदि सांपों के डसने पर उन्हें ओझा गुणी के चक्कर मे ना पड़कर उसे अस्पताल पहुंचाने की सलाह दी। इलाज में देरी होने पर लोग की मौत हो सकती है। इस मौके पर वनकर्मी चंद्रशेखर आजाद, राहुल कुमार, उपमुखिया शिवप्रसाद यादव सहित वन विभाग के कई कर्मी मौजूद थे।

जमुआ: कसौटी ज्वेलर्स में सेंधमारी कर चोरों ने उड़ाए तीन लाख रुपये के जेवर

● बगल में स्थित टेलरिंग दुकान में भी चोरों ने किया हाथ साफ

जमुआ, प्रतिनिधि। जमुआ चित्तरडीह मुख्य सड़क या यूं कहें कि जमुआ मुख्य बाजार में स्थित कसौटी ज्वेलर्स में सेंधमारी कर अज्ञात चोरों ने करीब तीन लाख रुपये मूल्य के जेवरात चुरा लिया। चोरों ने ज्वेलरी दुकान के ठीक बगल में स्थित जेके टेलर में भी चोरी कर 10 हजार रुपये मूल्य के कपड़े चुरा लिए इस बाबत जेवर दुकान के मालिक टिंकु प्रसाद वर्मा और टेलर दुकान के मालिक मोहम्मद गुलजार ने जमुआ पुलिस को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग किया है। पीड़ित टिंकु प्रसाद वर्मा ने कहा कि वह इसी थाना क्षेत्र के पोबी गांव का रहने वाला है और जमुआ बाजार में सोने चांदी की जेवर का मरम्मती करने का कार्य करता है शुक्रवार की सुबह रोज की तरह जब उसने देखा कि दुकान अस्त व्यस्त है और दुकान की दीवार काटा हुआ है दुकान में रखा सोने चांदी का कई जेवर मसलन नेकलेस, कंगन, माला, लॉकेट, शिकडी आदी गायब है, जिसकी कीमत करीब तीन लाख रुपये है। टेलर दुकान के मालिक मोहम्मद गुलजार ने कहा कि उसके दुकान में सिलाई के लिये रखा करीब 10 हजार रुपये का कपड़ा गायब है। इस सम्बंध में जमुआ पुलिस ने कांड संख्या 131/25 दर्ज कर घटना के उदभेदन में जुट गई है।

छोटे उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत स्तंभ: मुर्मु

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि छोटे उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत स्तंभ है। शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2025 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए ये बात कही। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि छोटे उद्योग रोजगार सृजन के साथ सामाजिक समावेशन को भी बढ़ाते हैं। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग न केवल देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं बल्कि जमीनी स्तर पर नवाचार को भी बढ़ावा देते हैं। छोटे उद्योग महिलाओं, युवाओं, ग्रामीण क्षेत्रों तथा वंचितों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर सामाजिक समावेशन को भी बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा, उद्योग क्षेत्र देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का जिक्र करते हुए कहा कि छोटे उद्योगों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। विकसित भारत के सपने को साकार करने में योजनाओ का लाभ उठाना चाहिए। विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने में छोटे उद्योग महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कृषि के बाद रोजगार का सबसे बड़ा क्षेत्र राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि देश की जीडीपी में छोटे उद्योगों का करीब 30 प्रतिशत, विनिर्माण में 36 प्रतिशत और निर्यात में 45 प्रतिशत का योगदान रहा है।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल संसदीय समिति की बैठक का आयोजन

संवाददाता द्वारा

हाजीपुर। आज दिनांक 27.06.2025 को पं.दीन दयाल उपाध्याय मंडल की 'मंडल संसदीय समिति' की बैठक का आयोजन मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, डीडीयू के सभागार में किया गया। इस बैठक में पं.दीन दयाल उपाध्याय मंडल क्षेत्राधिकार के माननीय सांसदगण ने भाग लिया । बैठक की अध्यक्षता पलामू के माननीय सांसद श्री विष्णु दयाल राम द्वारा की गयी । बैठक में माननीय सांसदगण द्वारा जनहित से जुड़े मुद्दे एवं रेल के सर्वांगीण विकास हेतु अपने-अपने सुझावों को रखा गया । इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह, पं.दीन दयाल उपाध्याय मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री उदय सिंह मीना सहित मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारीगण उपस्थित थे।

आज की इस बैठक में पलामू के माननीय सांसद श्री विष्णु दयाल राम, चंदौली के माननीय सांसद श्री वीरेंद्र सिंह, सासाराम के माननीय सांसद श्री मनोज कुमार, आरा के माननीय सांसद श्री सुदामा प्रसाद, काराकाट के माननीय सांसद श्री राजा राम सिंह तथा राज्य सभा की माननीया सांसद श्रीमती दर्शना सिंह एवं श्रीमती साधना सिंह उपस्थित थे। इनके अलावा माननीय केन्द्रीय मंत्री सह गया के माननीय सांसद श्री जीतन राम मांझी के प्रतिनिधि श्री राजेश कुमार पाण्डेय, बक्सर के माननीय सांसद श्री सुधाकर सिंह के प्रतिनिधि श्री अजीत, औरंगाबाद के माननीय सांसद श्री अभय कुमार सिन्हा के प्रतिनिधि श्री संजय कुमार उपस्थित थे ।

बैठक में माननीय सांसदगण ने रेल विकास व यात्री सुविधाओं में और वृद्धि एवं उसे सुदृढ़ करने के संबंध में बहुमूल्य सुझाव दिये। माननीय सांसदगण द्वारा आधारभूत संरचनाओं के विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने पर बल दिया गया। साथ ही बैठक में भविष्य की कार्य योजनाओं पर भी चर्चा हुई। बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने माननीय सांसदगण एवं माननीय सांसद के प्रतिनिधिगण का स्वागत करते हुए कहा कि यह बैठक रेलवे एवं जनप्रतिनिधियों के मध्य संवाद का एक सशक्त माध्यम है और आपके सुझाव हमें सेवा की गुणवत्ता में और सुधार लाने हेतु प्रेरित करते हैं। महाप्रबन्धक ने अपने स्वागत संबोधन में पं.दीन दयाल उपाध्याय मंडल द्वारा यात्री सुविधा, आधारभूत संरचनाओं के विकास आदि के क्षेत्र में किए गए कार्यों एवं नई परियोजनाओं से माननीय सांसदगण को अवगत कराया। यात्री सुविधा की दिशा में कार्य करते हुए स्टेशनों पर उन्नत यात्री सुविधायें उपलब्ध करायी गयी। जनवरी-फरवरी, 2025 में प्रयागराज में आयोजित कुंभ मेला के दौरान 1760 स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया गया एवं यात्रियों की सुविधा हेतु प्रमुख स्टेशनों पर अस्थायी होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर तथा भीड़ प्रबंधन हेतु नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गयी थी। मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर 22 ATVM मशीनें लगायी गयी है। 12 स्टेशनों पर फुट ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य पूरा किया गया है तथा 21 अन्य स्टेशनों पर निर्माण कार्य प्रगति पर है । डीडीयू मंडल के 15 स्टेशनों के पुनर्विकास का कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि विश्वस्तरीय अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं से युक्त वर्ल्ड क्लास स्टेशन बनाने हेतु गया स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य तेजी से प्रगति पर है।

महाप्रबन्धक ने माननीय सांसदों से प्राप्त बहुमूल्य सुझावों के लिये आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सुझाव हमें भविष्य में रेल विकास कार्यों की रूप-रेखा तय करने में काफी सहायक सिद्ध होगा।

सीसीएल के उत्तरी कर्णपुरा क्षेत्र में शिकायत निवारण शिविर का हुआ आयोजन

संवाददाता द्वारा

राँची। निदेशक (मानव संसाधन), सीसीएल मुख्यालय, राँची के मार्गदर्शन में आज दिनांक 27 जून 2025 को सीसीएल के उत्तरी कर्णपुरा क्षेत्र में एक शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिकायत निवारण शिविर के दौरान सी.सी.एल के उत्तरी कर्णपुरा क्षेत्र में लंबित मामलों के निपटान और कम्पनी के कर्मचारियों, कर्मचारियों के आश्रितों, ठेका श्रमिकों एवं अन्य हितग्राहियों की शिकायतों के समाधान हेतु बैठक हुई।

इस शिविर में कुल 25 शिकायतें दर्ज की गई। इस शिविर में प्राप्त शिकायत ज्यादातर सीएमपीएफ, पेंशन, सेवानिवृत बकाया राशि के भुगतान से संबंधित थी एवं इसके अलावा कुछ नौकरी/सेवा मामले तथा ठेका श्रमिकों से संबंधित थी। संबंधित क्षेत्र के शिकायतकर्ताओं के लंबित मामलों को जानने के बाद कुछ मामलों का समाधान किया गया एवं शिकायतों के समयबद्ध और विशिष्ट समाधान का आश्वासन दिया गया।

सीसीएल प्रबंधन की यह सोच है कि अगर हम अपने कर्मचारियों एवं हितधारकों के समस्याओं का तीव्र गति से निपटारा करेंगे तो इससे कम्पनी का समावेशी विकास होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों तथा अन्य हितधारकों की शिकायतों का त्वरित समाधान था।

इस शिविर में सीसीएल मुख्यालय, राँची से श्रीमती कविता गुप्ता, महाप्रबंधक(मा.सं./श्रमशक्ति/समाधान), श्री संजय कुमार चौबे (मुख्य प्रबंधक - मा. सं, पेंशन विभाग), श्री गौतम चौधरी, मुख्य प्रबंधक (मा.सं/समाधान सेल), शिखा अवस्थी, सहायक प्रबंधक (मा.सं.), एन.के क्षेत्र से श्री अनुज कुमार (महाप्रबंधक- खनन), श्री मोहन कुमार अमला अधिकारी (वि.या), श्री शैलेन्द्र कुमार अमला अधिकारी (मा. सं), श्री सुमन कुमार सिंह, अमला अधिकारी (असैनिक), श्री दीपक कुमार, परियोजना पदाधिकारी, रोहिणी परियोजना, श्री दीपक गिरी प्रबंधक (मा.सं), श्री निखिल अखौरी, प्रबंधक (सी. एस.आर), सुश्री रानी चौबे, स.प्र (मा. सं), सुश्री अंकिता राउत , स.प्र (मा. सं), सुश्री गरिमा सिंह, उप प्रबंधक (मा. सं) तथा मजदूर संगठन के प्रतिनिधि थें।

फूल शंकर डामोर उदयपुर

खेरवाड़ा विधायक प्रत्याशी प्रवीण परमार बीती रात्रि को 11 बजे लगभग सेमारी से खेरवाड़ा जा रहे थे । इसी दौरान खेरवाड़ा कल्याणपुर रोड़ पर तीन ट्रक आगे चल रहे थे। जिसमें एक ट्रक के तिरपाल खुला होने पर लकड़ियां नजर आई जिस पर शक होने पर तीनों ट्रकों को रुकवाया तो एक ट्रक मौका देख भाग गया लेकिन दो ट्रक को में चालक से पूछताछ में गीली लकड़ी आम और अन्य पेड़ों की होना बताया जिस पर तुरंत ट्रकों को वन विभाग खेरवाड़ा को सौंपा गया। वन विभाग खेरवाड़ा नाका पर ट्रकों में खोलने पर दोनों ट्रकों में गीली भरी हुई लकड़ियां पाई गई ।जिसे तस्करो के खिलाफ कार्यवाही की मान की गई ग्रामीण इलाकों में तस्करो के खिलाफ आगे भी कार्यवाही जारी रहेगी। जल जंगल जमीन पर किसी तरह का समझौता नहीं होगा। मौके पर वन विभाग खेरवाड़ा नाका के रेंजर द्वारा भी प्रत्याशी को संतुष्ट जवाब नहीं दिया गया। उलटा कहा कि दारू की गाड़ियों को पकड़वाओ इनमें क्या रखा है। इस तरह के जवाब से विभाग की मिलीभगत से इनकार नहीं किया जाता हैं।

चतरा ने आकांक्षी कार्यक्रम में शीर्ष रैंकिंग हासिल की

संवाददाता द्वारा

चतरा: नीति आयोग की ओर से आयोजित ऑनलाइन समीक्षा बैठक में मार्च 2025 की डेल्टा रैंकिंग के अनुसार चतरा जिला ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए देश के 112 आकांक्षी जिलों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के संयुक्त प्रयासों, नवाचारों तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रतिफल है।

नीति आयोग की ओर से यह जानकारी शुक्रवार को ऑनलाइन बैठक के माध्यम से साझा की गई, जिसमें चतरा जिले की बहुआयामी प्रगति विशेषकर स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, वित्तीय समावेशन तथा गया। उल्लेखनीय है कि शीर्ष प्रदर्शन करने वाले जिले को नीति आयोग की ओर से 10 करोड़ की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी, जिसका उद्देश्य जिला स्तर पर विकासात्मक पहलों को और अधिक गति देना है।

इस उपलब्धि पर उपायुक्त कीर्तिश्री ने जिले की पूरी प्रशासनिक टीम, विभागीय अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और जनता को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान जिले के लिए गर्व का विषय है और हम सभी मिलकर इसे बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह सफलता आकांक्षी जिला कार्यक्रम के उद्देश्यों को साकार करने की दिशा में चतरा जिले की मजबूत पहल और सतत प्रयास का प्रमाण है। इसके अलावा गढ़वा को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन परफॉमेंस के लिए भी चुना गया है। वर्ष 2018 के जनवरी महीने में प्रधानमंत्री की ओर से शुरू किए गए आकांक्षी जिला कार्यक्रम, एडीपी का उद्देश्य देश भर के 112 सबसे कम विकसित जिलों को तेजी और प्रभावी ढंग से विकसित करना है। कार्यक्रम के तहत मासिक डेल्टा रैंकिंग के माध्यम से जिलों के बीच प्रतिस्पर्धा होती है।

घर से सिरसा जाने के लिए निकला युवक हुआ लापता

● परिजनो को सता रही अनहोनी की चिंता, परिजनों ने लगाया जिला प्रशासन से खोजबीन की गुहार

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

हंटरगंज (चतरा)। घर से सिरसा के लिए बुधवार सुबह क़रीब 10 बजे निकले एक युवक का कोई सुराग नही मिल रहा है। परिजनों ने काफ़ी खोजबीन कर परेशान है परिजनों को अनहोनी होने की चिंता सता रही है । लापता युवक रामबली कुमार के पिता राजदेव यादव चतरा जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ढेबो गांव निवासी है इस संबध में युवक के पिता राजदेव ने हंटरगंज थाना में आवदेन देकर जिला प्रशासन से खोजबीन की गुहार लगाई है। राजदेव ने कहा है कि रामबली विगत 25 जुन को सिरसा के लिए निकला था। 25 जुन को

लापता रामबली ने अपने सोशल मिडिया (फेसबुक, इंस्टाग्राम) में यात्रा करने की ट्रेन से एक पोस्ट भी की है। जिसके बाद से परिजनों का रामबली से कोई सम्पर्क नही हो सका। परिजनों ने सिरसा में भी जानकारी ली जहां रामबली नही पहुंचा था। लगातार परिजन रामबली कुमार को ढूंढ रहे है इसके बावजूद भी कोई सुराग नही मिल रहा है। इससे परिजनों को अनहोनी की आशंका सता रही है। परिजनों ने जिला प्रशासन से खोजबीन की गुहार लगाई है। फिलहाल हंटरगंज पुलिस जांच में जुटी है पुलिस सीडीआर चेक करवा रही है। फिलहाल युवक का कुछ सुराग नहीं मिल पाया है जिससे परिवार वालों का रो रो बुरा हाल है।

रथ यात्रा पर श्रद्धालुओं ने खींचा भगवान मधुसूदन का गरुड़ रथ

लगा आस्था सद्भाव और उमंग का धार्मिक मेला

आदिवासी एक्सप्रेस/
बौसी (बांका)

विष्णु रूपा भगवान मधुसूदन की भव्य रथयात्रा शुक्रवार को हर्ष उल्लास और आस्था के साथ आयोजित की गयी। जगन्नाथपुरी की तर्ज पर बांका जिले के बौंसी नगरी में स्थित भगवान मधुसूदन के प्राचीन मंदिर से निकली इस रथ यात्रा में बिहार, बंगाल और झारखंड के श्रद्धालु शामिल हुए. इस अवसर पर मधुसूदन मंदिर प्रांगण में भव्य मेला आयोजित किया गया। कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच रथयात्रा का शांतिपूर्ण आयोजन संपन्न हुआ. ज्ञात हो कि मकर संक्रांति के बाद रथयात्रा मंदार मधुसूदन क्षेत्र का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है. इस आयोजन में बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के अलावा देश के अन्य कई प्रांतों से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं. मधुसूदन नगरी में आयोजित इस रथ यात्रा के दौरान भगवान मधुसूदन का रथ अपने हाथों से खींचकर श्रद्धालु पुण्य अर्जित करते हैं. रथ यात्रा को लेकर आज सबेरे से ही मधुसूदन नगरी बौंसी में काफी भीड़ भाड़ और चहल पहल रही. सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचने लगे थे. दोपहर तक मधुसूदन मंदिर प्रांगण एवं आसपास के क्षेत्रों में तिल रखने की जगह नहीं मिल रही थी।

डायरेक्टर डॉ. इंदरजीत सिंह ने किया सिरोही जिले टीबी उन्मूलन कार्यक्रम का किया निरीक्षण, निक्षय पोर्टल कि की समीक्षा

फूल शंकर डामोर उदयपुर

सिरोही। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) डॉ. दिनश ख़राडी ने बताया कि कमला नेहरू टीबी डेमोंस्ट्रेशन सेंटर अजमेर के डायरेक्टर डॉ. इंदरजीत सिंह ने सिरोही जिले का दो दिवसीय दौरा किया। दौरे के पहले दिन डॉ. इंदरजीत सिंह ने जिले में जिला अस्पताल शिवगंज एवं कई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सा सेवाओं, टीबी नियंत्रण कार्यक्रम, औषधि उपलब्धता और स्वास्थ्य केंद्रों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।जिला टीबी अधिकारी डॉ विवेक जोशी साथ रहे। आज दौरे के दूसरे दिन डायरेक्टर डॉ. इंदरजीत सिंह ने जिला अस्पताल सिरोही का भी निरीक्षण कर वहां की चिकित्सा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। अस्पताल में मरीजों को दी जा रही सुविधाओं, दवा वितरण प्रणाली, रजिस्ट्रेशन काउंटर, लैब सेवाएं एवं वार्ड व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया।निरीक्षण के दौरान उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एस पी शर्मा साथ रहे।

इसके पश्चात CMHO कार्यालय में जिले में कार्यरत समस्त एसटीएस, एसटीएलएस, जिला कार्यक्रम समन्वयक एवं जिला पब्लिक-प्राइवेट समन्वयक के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों, विशेष रूप से टीबी नियंत्रण कार्यक्रम, के क्रियान्वयन की प्रगति पर चर्चा की गई।

डॉ. इंदरजीत सिंह ने 'निक्षय पोर्टल पर सटीक और समयबद्ध डाटा एंट्री सुनिश्चित करने तथा प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी स्वास्थ्य अधिकारी अपने-अपने स्तर पर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएं और टीबी सहित अन्य बीमारियों की शीघ्र पहचान कर उनका उपचार सुनिश्चित करें साथ ही किए गए कार्यो को ऑनलाइन अपडेट समय रहते करे जिससे कार्यो का ऑनलाइन अपडेशन हो सके।

बैठक में जिले के सभी एसटीएस एसटीएलएस, डीपीसी सत्य भान, पीपीएम दिलीप दाना, फार्मासिस्ट रजत गुर्जर एवं टीबी एवं चेस्ट विशेषज्ञ डॉ बजरंग उपस्थित रहे।

मिश्रित दिव्यांग सीरीज़ः लॉर्ड्स में भारत ने इंग्लैंड को रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से हराया

एजेंसी

लंदन। भारत की मिश्रित दिव्यांग क्रिकेट टीम ने लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में इंग्लैंड को रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत ने सात मैचों की मिश्रित दिव्यांग वाइटैलिटी टी20 शृंखला में पहली जीत हासिल की है। भारत अब श्रृंखला में 1-2 से पीछे है। यह मुकाबला कई मायनों में ऐतिहासिक रहा। यह लॉर्ड्स में खेला गया पहला अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट मैच था। खास बात यह रही कि ठीक 42 साल पहले, 25 जून 1983 को भारत ने कपिल देव की कप्तानी में इसी मैदान पर पहला विश्व कप खिताब जीता था। इस जीत को भारतीय टीम ने कपिल देव की 1983 की विश्व कप विजेता टीम को समर्पित किया।इस मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 123 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए ए. ब्राउन ने शानदार अर्धशतक लगाया और 47 गेंदों पर 77 रन (5 चौके, 5 छक्के) बनाए। उन्होंने आखिरी ओवर में 18 रन बटोरे और इंग्लैंड को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। भारत के लिए तेज गेंदबाज विवेक कुमार ने 3 ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट और कप्तान रविंद्र सांत ने 4 ओवर में मात्र 8 रन देकर 3 विकेट झटके।

पॉल पोग्बा की फुटबॉल में वापसी, एएस मोनाको से किया दो साल का करार

नई दिल्ली। फ्रांस के विश्व कप विजेता मिडफील्डर पॉल पोग्बा ने फुटबॉल में वापसी कर ली है। उन्होंने फ्रेंच क्लब एएस मोनाको के साथ दो साल का करार किया है, जो 2027 तक चलेगा। पोग्बा को अगस्त 2023 में जुवेंटस के लिए खेलते समय डोप टेस्ट में फेल होने के बाद चार साल का प्रतिबंध झेलना पड़ा था। हालांकि, अपील के बाद यह बैन घटाकर 18 महीने कर दिया गया। इसके बावजूद इटैलियन क्लब जुवेंटस ने उनका कॉन्ट्रैक्ट रद्द कर दिया था। फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम के मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आई है कि अब पोग्बा एएस मोनाको की जर्सी में पेशेवर फुटबॉल में वापसी करेंगे और दो साल तक क्लब के लिए खेलेंगे। 32 वर्षीय पॉल पोग्बा मैनचेस्टर यूनाइटेड की युवा अकादमी से निकले थे, लेकिन शुरुआत में उन्हें सर एलेक्स फर्ग्यूसन ने रिलीज कर दिया था। इसके बाद उन्होंने जुवेंटस में मिडफील्डर के रूप में खुद को स्थापित किया। चार सीज़न में उन्होंने क्लब के लिए आठ ट्रॉफियां जीतीं और 2015 में चैंपियंस लीग फाइनल तक पहुंचे। उनके प्रदर्शन से प्रभावित होकर मैनचेस्टर यूनाइटेड के उस समय के मैनेजर जोसे मोरिन्हो ने उन्हें 105 मिलियन यूरो की रिकॉर्ड राशि में वापस साइन किया। यूनाइटेड के लिए पोग्बा ने 154 मैच खेले और क्लब के साथ यूरोपा लीग और लीग कप जीते। हालांकि, क्लब के साथ उनके संबंध बिगड़ने के बाद उन्होंने फिर से जुवेंटस का रुख किया।

सूर्यकुमार यादव की जर्मनी में सफल स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी, जल्द शुरू करेंगे रिहैबिलिटेशन

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने जर्मनी के म्यूनिख शहर में अपने निचले दाहिने पेट में स्पोर्ट्स हर्निया की सफल सर्जरी करवाई है। यह जानकारी खुद सूर्यकुमार ने अपने सोशल मीडिया के ज़रिए साझा की। सूर्या ने अपने पोस्ट में लिखा, लाइफ अपडेटः निचले दाहिने पेट में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी करवाई है। सर्जरी सफल रही और अब मैं रिकवरी की राह पर हूं। जल्द वापसी करने के लिए उत्साहित हूं,।स्पोर्ट्स हर्निया एक प्रकार की मांसपेशीय चोट होती है, जो ग्रोइन या निचले पेट के आसपास के मांसपेशियों, टेंडन या लिगामेंट्स को प्रभावित करती है। बीसीसीआई से मिली जानकारी के अनुसार, सर्जरी के करीब दो सप्ताह बाद सूर्यकुमार बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहैबिलिटेशन शुरू करेंगे।यह सूर्यकुमार की पिछले तीन सालों में तीसरी सर्जरी है। इससे पहले 2023 में उनके टखने की सर्जरी हुई थी और 2024 में उन्होंने इसी स्पोर्ट्स हर्निया का इलाज करवाया था। बावजूद इसके, उन्होंने हाल ही में आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए जबरदस्त प्रदर्शन किया और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। सूर्यकुमार ने इस सीज़न में 717 रन बनाए, जो केवल ऑरेंज कैप विजेता साई सुदर्शन (759 रन) से पीछे थे।

महिला हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025ः ओडिशा और पंजाब ने फाइनल में बनाई जगह

चेन्नई। मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में चल रहे पहले महिला हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025 में फाइनल की तस्वीर साफ हो गई है। हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा और हॉकी पंजाब ने सेमीफाइनल में शानदार जीत दर्ज कर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की कर ली है। अब ब्रॉन्ज मेडल के लिए हॉकी हरियाणा और हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु आमने-सामने होंगी। पहले सेमीफाइनल में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु को 4-1 से हराया। ओडिशा की कप्तान लुसेला एक्का (4', 25') ने दो बेहतरीन फील्ड गोल कर अपनी टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। उनके साथ सरिता रोशन मिंज (9') और असीमा संजय मिंज (30') ने भी गोल कर जीत को एकतरफा बना दिया।

न्यूजीलैंड ने ट्राई-सीरीज़ के लिए टीम की घोषणा की, मिल्ने और हेनरी की वापसी

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने आगामी टी20 ट्राई-सीरीज़ के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका और मेज़बान ज़िम्बाब्वे भी शामिल हैं। इस टीम में तेज़ गेंदबाज़ एडम मिल्ने और मैट हेनरी की वापसी हुई है। अनकैप्ड बल्लेबाज़ बेवन जैकब्स, जो दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज़ का भी हिस्सा थे, ने अपनी जगह बरकरार रखी है। 23 वर्षीय जैकब्स को एक बार फिर मौका दिया गया है और कोच का मानना है कि वे घरेलू क्रिकेट और विभिन्न फ्रेंचाइज़ लीग्स में अपने प्रदर्शन से प्रभावित कर चुके हैं। एडम मिल्ने नवंबर के बाद पहली बार टीम में लौटे हैं, वहीं मैट हेनरी कंधे की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। वह चोट उन्हें आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान लगी थी। वहीं, तेज़ गेंदबाज़ बेन सियर्स चोट के चलते अनुपलब्ध हैं, लॉकी फर्ग्यूसन को

वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया है और काइल जैमीसन पारिवारिक कारणों (पहले बच्चे के जन्म का इंतज़ार) से इस दौरे पर नहीं होंगे। डेवोन कॉनवे और मिच हे भी टीम का हिस्सा नहीं हैं, जबकि विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी टिम सिफर्ट को सौंपी गई है। कप्तान केन विलियमसन ने खुद को चयन के लिए अनुपलब्ध रखा है। यह दौरा न्यूजीलैंड के नए मुख्य कोच रॉब वॉल्टर का पहला कार्यभार होगा। उन्होंने एक बयान में कहा,मुझे लगता है कि हमारे पास इस दौरे के लिए एक मजबूत टीम है और मैं खिलाड़ियों के साथ काम शुरू करने को लेकर उत्साहित हूं।

उन्होंने आगे कहा,पाकिस्तान के खिलाफ मार्च सीरीज़ में आईपीएल की वजह से जो खिलाड़ी उपलब्ध नहीं थे, उन्हें फिर से टीम में देखकर अच्छा लग रहा है। यह ट्राई सीरीज़ बेहतरीन होगी, दक्षिण अफ्रीका एक मजबूत टीम है और ज़िम्बाब्वे अपने घरेलू हालात में हमेशा चुनौतीपूर्ण रहता है। रॉब वॉल्टर ने एडम मिल्ने के अनुभव को अहम बताया और कहा कि उनकी गेंदबाज़ी खासकर पावरप्ले में काफ़ी असरदार है। इसके साथ ही उन्होंने इस सीरीज़ को अगले साल होने वाले आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी का अहम हिस्सा बताया।

बंगाल प्रो टी20 लीगः प्रियांका बाला ने अगले सीजन में जोरदार वापसी का किया वादा

एजेंसी

कोलकाता। बंगाल विमेंस प्रो टी20 लीग 2025 में अपने अभियान पर विचार करते हुए सर्वोटेक सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स की कप्तान प्रियांका बाला ने टीम के समग्र प्रदर्शन को सराहा है, लेकिन उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि कुछ अहम मौकों पर टीम से गलतियां हुईं। प्रियांका ने कहा कि जीत-हार खेल का हिस्सा है और टीम ने कई अच्छी चीज़ें की हैं, जिनसे सीखकर वे अगले सीजन में और मजबूत वापसी करेंगी।उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा, टीम का प्रदर्शन कुल मिलाकर अच्छा रहा। कुछ गलतियां हुईं, लेकिन वो क्रिकेट का हिस्सा हैं। जीत और हार आती-जाती रहती हैं। इस सीजन से हम बहुत कुछ सीखेंगे और अगली बार बेहतर तैयारी के साथ मैदान में उतरेंगे। हमारा लक्ष्य है कि हम और मजबूत बनकर वापसी करें। जब उनसे पूछा गया कि इस सीजन में टीम की क्या कमी रही, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, कोई बड़ी खामी नहीं थी, लेकिन कुछ अहम मौकों पर हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। फ्रेंचाइज़ी ने हमें हर तरह की सुविधा दी, लेकिन हम वो परिणाम नहीं दे पाए जिसकी उनसे उम्मीद थी। अगले साल हम पूरी ऊर्जा और समर्पण के साथ लौटेंगे। प्रियांका ने टीम प्रबंधन और सपोर्ट स्टाफ की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, मैनेजमेंट बेहद सपोर्टिव रहा। टीम का माहौल सकारात्मक था। हर खिलाड़ी का रवैया सहयोगपूर्ण और प्रेरणादायक था। बतौर कप्तान और खिलाड़ी, यह सीजन मेरे लिए एक बड़ा सीखने का अवसर रहा।

ईशा, विदर्सा और पार्थ राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में जीते

एजेंसी

देहरादून। ओलंपियन और मौजूदा मिक्स्ड टीम पिस्टल वर्ल्ड चैंपियन ईशा सिंह ने ग्रुप ए राइफल और पिस्टल निशानेबाज़ों के लिए चल रहे राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स 3 और 4 के तीसरे दिन जीत हासिल की। यह ट्रायल्स उत्तराखंड की राजधानी देहरादून स्थित त्रिशूल शूटिंग रेंज में आयोजित हो रहे हैं। ईशा ने जहां तेलंगाना का प्रतिनिधित्व करते हुए महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टी3 स्पर्धा में जीत दर्ज की, वहीं केरल की विदर्सा विनोद ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन (3पी) टी4 का खिताब अपने नाम किया और महाराष्ट्र के पार्थ राकेश माने ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टी4 स्पर्धा में जीत हासिल की। यह दिन भारत के बेहतरीन राइफल और पिस्टल निशानेबाज़ों के बीच कड़े मुकाबले से भरपूर रहा ईशा ने क्वालिफिकेशन में 580 का स्कोर करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया था, लेकिन फाइनल के अंतिम चरणों में उन्होंने अपना दमखम दिखाते हुए महाराष्ट्र की अभिध्न्या अशोक पाटिल को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। तमिलनाडु की निवेदिता नायर तीसरे स्थान पर रहीं। क्वालिफिकेशन में 585 का शानदार स्कोर करके टॉप करने वाली अभिध्न्या, फाइनल की सातवीं सीरीज़ तक पहुँची ईशा से दो अंक आगे थीं, लेकिन एषा ने अंतिम दो सीरीज़ में एकदम परफेक्ट प्रदर्शन करते हुए पहले पांच हिट और फिर चार हिट दर्ज किए और कुल 41 अंक के साथ विजेता बनीं। अभिध्न्या ने अंतिम तीन सीरीज़ में कुल 7 अंक बनाए और 36 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि निवेदिता ने नौवीं सीरीज़ के बाद तीसरे स्थान पर रहते हुए प्रतियोगिता से बाहर हुईं, उनका स्कोर 30 रहा। पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टी4 स्पर्धा में अंतरराष्ट्रीय स्तर की तरह क्वालिफिकेशन में आठवां स्थान पाने के लिए 630.6 अंक की आवश्यकता रही। दो बार के ओलंपियन और 3पी विशेषज्ञ ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 633.5 अंकों के साथ टॉप किया, जबकि पार्थ ने 631.9 अंकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया। टी3 ट्रायल्स के विजेता उमा महेश मडिनेनी ने फाइनल में शुरुआती बढ़त बनाई, जिसमें पूर्व विश्व नंबर एक और विश्व रिकॉर्डधारी दिव्यांश सिंह पंवार समेत सेना के तीन निशानेबाज़ भी शामिल थे। जूनियर विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता पार्थ ने शुरुआत में तीसरे स्थान के आसपास बने रहते हुए, 16वें शॉट के बाद ऐश्वर्य के साथ संयुक्त बढ़त बनाई। इसके बाद 17वें शॉट में 10.7 स्कोर कर उन्होंने एकल बढ़त हासिल की और अंत तक मजबूत पकड़ बनाए रखी। उन्होंने कुल 251.8 अंकों के साथ खिताब जीता। ऐश्वर्य केवल 0.3 अंकों से चूकते हुए दूसरे स्थान पर रहे, जबकि उमा महेश तीसरे स्थान पर रहे। महिलाओं की 3पी टी4 स्पर्धा में केरल की विदर्सा विनोद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 45 शॉट्स के बाद 462.7 अंकों के साथ खिताब जीता। उन्होंने पंजाब की दो बार की ओलंपियन और पूर्व विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता अंजुम मौदगिल को 0.3 अंकों से हराया। हरियाणा की विश्व कप रजत पदक विजेता निश्चल तीसरे स्थान पर रहीं। इससे पहले, टी3 की विजेता पंजाब की सिफत कौर समरा ने 594 अंकों के साथ क्वालिफिकेशन में टॉप किया, उन्होंने विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता मेहुली घोष को एक अंक से पीछे छोड़ा। फाइनल में 587 अंकों के साथ छठा स्थान मिला।

कोरबा की आकाशी कश्यप ने योनक्स यूएस ओपन 2025 की शानदार शुरुआत की

एजेंसी

कोरबा। भारत की उभरती हुई बैडमिंटन स्टार आकाशी कश्यप ने योनक्स यूएस ओपन 2025 में अपने अभियान की जबरदस्त शुरुआत करते हुए चीनी ताइपे की टिंग यू लियांग को सीधे सेटों में हराकर महिला एकल के राउंड ऑफ 32 में जगह बनाई। यह प्रतिष्ठितएचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 टूर्नामेंट में आकाशी के लिए एक आशाजनक शुरुआत है। मैच की पहली सर्विस से ही आकाशी ने तेज़ी, चतुराई और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। उनकी बेहतरीन कोर्ट कवरेज, सटीक ड्रॉप शॉट्स और रणनीतिक खेल ने प्रतिद्वंद्वी को लगातार दबाव में रखा। यह सीधी सेटों में जीत उनके कठिन परिश्रम, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और परिपक्वता का परिचायक है।

मैच के बाद आकाशी ने विनम्रता के साथ कहा, ÷मुझे यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि मैंने योनक्स यूएस ओपन के पहले दौर में टिंग यू लियांग के खिलाफ सीधे सेटों में जीत दर्ज की है। शुरुआत मजबूत होना बेहद सुकूनदेह है। मैं ईश्वर, अपने कोचेस, शुभचिंतकों और खासकर एनटीपीसी कोरबा सीएसआर का धन्यवाद

करती हूं, जिनके निरंतर सहयोग ने मेरी इस यात्रा को संभव बनाया है।आकाशी कश्यप को एनटीपीसी कोरबा के कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (ष्टस्क्र) कार्यक्रम का समर्थन प्राप्त है। इस पहल ने उन्हें उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं में भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय मंच पर खुद को साबित करने का अवसर प्रदान किया है। उनकी यह जीत न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि इस बात का प्रमाण है कि दृढ़ और संवेदनशील ष्टस्क्र समर्थन भारत के उभरते खिलाड़ियों को वैश्विक मंच पर सफलता दिलाने में कितनी अहम भूमिका निभा सकता है।

अब अगली चुनौती है राउंड ऑफ 16, जिसमें आकाशी का सामना मलेशिया की के. लेत्शाना से होगा – यह मुकाबला दो युवा, फुर्तीले और होनहार खिलाड़ियों के बीच एक रोमांचक भिड़ंत साबित होने की उम्मीद है। जैसे-जैसे योनक्स यूएस ओपन 2025 आगे बढ़ रहा है, भारत सहित दुनिया भर के प्रशंसक आकाशी को पूरे उत्साह से समर्थन दे रहे हैं। वह आज भारतीय खेलों में प्रतिभा, समर्पण और सहयोग की शक्ति का प्रतीक बनकर उभरी हैं।

जीएमआर रग्बी प्रीमियर लीगः चेन्नई बुल्स और हैदराबाद हीरोज ने दर्ज की शानदार जीत

एजेंसी

मुंबई। जीएमआर रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) के पहले सीज़न में चेन्नई बुल्स और हैदराबाद हीरोज़ ने अपने शानदार प्रदर्शन से खेल प्रेमियों का दिल जीत लिया। मुंबई के शाहाजी राजे भोसले स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए मुकाबलों में चेन्नई ने कालिंगा ब्लैक टाइगर्स को 40-21 से हराया, जबकि हैदराबाद ने दिल्ली रेड्ज को 40-19 के बड़े अंतर से शिकस्त दी। दिन के पहले मुकाबले में चेन्नई बुल्स ने शुरू से ही आक्रामक तेवर अपनाते हुए टाइगर्स की रक्षापंक्ति पर दबाव बना लिया। वाफौएसे मालीको ने शुरुआती लम्हों में तेज दौड़ के साथ ट्राय कर टीम को बढ़त दिलाई। टाइगर्स ने काइल ट्रेमब्ले और मैनुएली मैइसामोआ के ट्राय और

मॉरिस लॉन्गबॉटम व ईथन टर्नर की कन्वर्ज़न किक्स से वापसी की कोशिश की, लेकिन चेन्नई की जवाबी रणनीति कहीं अधिक सटीक साबित हुई। चेन्नई की ओर से जोसेवा तलाकोलो और वाफौएसे मालीको ने एक के बाद एक ट्राय किए, जबकि गौरव कुमार ने सटीक कन्वर्ज़न से स्कोर को लगातार बढ़ाया। तीसरे क्वार्टर तक चेन्नई 12 अंकों की बढ़त बना चुका था। अंतिम चरण में फिलिपे साउतुरागा और अलेक्जेंडर डेविस ने ट्राय किए, जिसे कन्वर्ट कर तलाकोलो ने टीम के लिए निर्णायक बढ़त पक्की की। टाइगर्स के लिए लुकास लाकैम्प ने अंत में ट्राय ज़रूर किया, लेकिन तब तक चेन्नई की जीत सुनिश्चित हो चुकी थी। दूसरे मुकाबले में हैदराबाद हीरोज़ ने दिल्ली रेड्ज़ के शुरुआती आक्रामक खेल के बावजूद जबरदस्त वापसी करते हुए 40-19 से मुकाबला अपने नाम किया। रेड्ज़ के जॉर्डन कॉनरॉय ने ट्राय कर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई, लेकिन हैदराबाद की रणनीतिक पकड़ ने जल्दी ही मैच का रुख पलट दिया। जावेद हुसैन, लाउटारो वेलेज, केविन वेकेसा और वोल्फ्राम हैकर ने लगातार ट्राय कर दिल्ली की डिफेंस को बिखेर दिया। वेलेज ने कन्वर्ज़न में सटीकता दिखाते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। तीसरे क्वार्टर के अंत तक हीरोज़ 40-5 से आगे हो चुके थे। जोजी नासोवा के ट्राय और वेलेज की कन्वर्ज़न ने टीम के स्कोर में और इजाफा किया। अंतिम क्वार्टर में दिल्ली ने पैट्रिक ओकोंगो, माटियास ओसाद्चुक और अलेजांद्रो लाफोर्गा के ज़रिये कुछ अंक जोड़े, लेकिन तब तक मुकाबला हीरोज़ के नाम हो चुका था।

फोर फ्रेंड्स क्लब ने अंडर-14 लीग का खिताब जीता

एजेंसी

प्रयागराज। फोर फ्रेंड्स क्लब ने विप्लव स्पोर्टिंग क्लब को 47 रन से हराकर शशि द्विवेदी अंडर 14 बालक क्रिकेट लीग का खिताब जीत लिया। केपी कॉलेज मैदान पर खेले गए मैच में फोर फ्रेंड्स क्लब ने 35.5 ओवर में 114 रन (निखिल प्रजापति 27, महफूज हाशमी 25, विनीत कुमार व संत लाल 20-20, शिवम केसरवानी 4-16, ईशान सिंह 3-12, अमन गुप्ता 2-28, अनिमेष यादव 1-28) बनाए। जवाब में विप्लव स्पोर्टिंग क्लब की टीम 27.1 ओवर में 67 रन (ईशान सिंह 15, अनिमेष यादव 13, अमन गुप्ता 11, आदित्य पांडेय 3-06, अंश पाल 3-11, महफूज हाशमी 2-11, विवेक गौतम 1-07) पर सिमट गई।

मैच में शिशिर मेहरोत्रा व हितेश श्रीवास्तव ने अंपायरिंग एवं खुर्शीद अहमद ने स्कोरिंग की। इससे पूर्व इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक एवं लीग कमेटी के चेयरमैन डॉ. सुरेश द्विवेदी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक सुनील दत्त कौटिल्य ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। एसीए के संयुक्त संयोजक (लीग एवं मंडल) एलबी काला एवं एसीए की जूनियर चयन समिति के अध्यक्ष अनुराग श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ भेंट की। निदेशक आरपी भटनागर ने कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापित एसीए के संयुक्त संयोजक (प्रबंधन) सोमेश्वर पांडेय ने किया। इस मौके पर मोहम्मद आसिफ, अजय कुशवाहा, ऋषि आदि मौजूद रहे।

'फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल' अभियान 29 जून को, स्वच्छता सेनानी निभाएंगे अग्रणी भूमिकाः डॉ मनसुख मांडविया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने आगामी 'फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल' अभियान को लेकर स्वच्छता सेनानियों से इसमें सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया है। यह विशेष संस्करण 29 जून को देशभर के 500 से अधिक स्थानों पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें 15,000 से अधिक प्रतिभागियों के भाग लेने की संभावना है।

डॉ मांडविया ने कहा, फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस आह्वान से जुड़ा है जिसमें उन्होंने भारत को स्वस्थ, स्वच्छ और सक्रिय राष्ट्र बनाने का सपना साझा किया। इस अभियान को आगे बढ़ाते हुए इस बार हमारे स्वच्छता सेनानी इसमें प्रमुख भागीदारी करेंगे, जिससे यह संस्करण और भी प्रेरणादायक बनेगा।

यह अभियान अब छोटे-छोटे

कस्बों और गांवों तक पहुंच चुका है। चित्रदुर्ग (कर्नाटक), सोलालगांव (असम), जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़), पंढरपुर (महाराष्ट्र) जैसे क्षेत्रों में भी नियमित रूप से यह आयोजन हो रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने सभी नगर निगमों और शहरी स्थानीय निकायों से इस पहल को अपनाने और अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है।

एक राष्ट्रीय आंदोलन का स्वरूप

गत वर्ष दिसंबर 2023 में 500 साइकिल चालकों के साथ शुरू हुआ यह अभियान आज एक राष्ट्रीय जनआंदोलन बन चुका है। अब तक यह देश के 10,500 से अधिक स्थानों पर आयोजित हो चुका है, जिसमें 3.75 लाख से अधिक लोग हिस्सा ले चुके हैं। इस अभियान को देशभर के खेलो इंडिया सेंटर्स (केआईसी), खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र (केआईएससीई), साई ट्रेनिंग सेंटर्स (एसटीसी), खेलो इंडिया मान्यता प्राप्त अकादमियों (केआईएए) और राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों (एनसीओई) द्वारा सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है।

स्वास्थ्य, स्वच्छता और सहभागिता का संगम

फिट इंडिया साइकिल अभियान अब न केवल स्वास्थ्य और व्यायाम का प्रतीक है, बल्कि यह स्वच्छ भारत के लक्ष्यों से भी जुड़ चुका है। स्वच्छता सेनानियों की भागीदारी से यह संदेश और भी व्यापक रूप में जन-जन तक पहुंचेगा कि स्वस्थ और स्वच्छ भारत केवल सरकार नहीं, हर नागरिक की सहभागिता से संभव है।

ट्रैविस हेड की जुझारू पारी से ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ जगाईं उम्मीदें

ब्रिजटाउन। केनसिंग्टन ओवल में खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन (भारतीय समयानुसार) ट्रैविस हेड की जुझारू बल्लेबाजी ने ऑस्ट्रेलिया को वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में बनाए रखा है। पिच पर तेज गेंदबाजों को लगातार मदद मिल रही है और मैच तीसरे दिन से आगे जाता नहीं दिख रहा। पहली पारी में वेस्टइंडीज ने 190 रन बनाकर 10 रन की मामूली बढ़त हासिल की थी। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी की शुरुआत भी लड़खड़ाई और टीम ने 65 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। हालांकि ट्रैविस हेड और ब्यू वेबस्टर ने मोर्चा संभाला और स्टंप्स तक स्कोर 92/4 तक पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया को अब तक 82 रन की बढ़त मिल चुकी है।

42 वीं उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारम्भ

एजेंसी

मुरादाबाद। रिजर्व पुलिस लाइन के बैडमिंटन सभागार में 42 वीं उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारम्भ बतौर मुख्य अतिथि मुरादाबाद परिक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक मुनिराज ने किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नौकरी, पढ़ाई के साथ-साथ खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करना सरहनीय है। हम सभी को विभिन्न खेलों में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करना चाहिए। खेलों के माध्यम से खिलाड़ी अपने विभाग अपने प्रदेश अपने देश का नाम रोशन करतेहैं।

प्रतियोगिता का समापन 29 जून को होगा। इस प्रतियोगिता में प्रदेश भर से पुलिस सेवा में तैनात दिग्गज खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। प्रतियोगिता की मेजबानी पिछले वर्ष भी मुरादाबाद पुलिस ने की थी। सुबह और शाम दोनों समय स्पर्धाएं खेली जाएगी। पुलिस लाइन

बैडमिंटन सभागार के अलावा नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में भी मुकाबले होंगे।प्रतियोगिता में लखनऊ जोन, पीएसी मध्य जोन, बरेली जोन, मेरठ जोन, जीआरपी कानपुर जोन, वाराणसी जोन, प्रयागराज जॉन, आगरा जोन, गोरखपुर जोन, रेडियो जोन, पीएस पूर्वी जोन की टीम में प्रतिभाग कर रही है। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक देहात कुंवर आकाश सिंह, पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह सहित विभिन्न पुलिस अधिकारी, कोच, रेफरी व खिलाड़ी उपस्थित रहे।

लेगेन जेड टी-10 लीगः गिब्स, रॉस टेलर, दिलशान, इरफान, यूसुफ और फिंच करेंगे टीमों की कप्तानी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की गलियों से निकले 74 होनहार खिलाड़ियों का सपना अब टेलीविजन पर उतरने को तैयार है। लेगेन जेड टी-10 लीग ने अपने पहले सीजन के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जगत के दिग्गजों की भागीदारी की घोषणा कर दी है। इस रोमांचक लीग में हर्शल गिब्स, रॉस टेलर, तिलकरत्ने दिलशान, इरफान पठान, यूसुफ पठान और एरॉन फिंच जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारे टीमों की कप्तानी करते नजर आएंगे।

गली से टीवी तकः सपना जो अब बना हकीकत

लीग का नारा गली से टीवी तक न सिर्फ़ एक वाक्य है, बल्कि उन 74 भारतीय युवाओं की उम्मीदों की तस्वीर है, जो देश के विभिन्न कोनों से चुनकर आए हैं। टेनिस बॉल क्रिकेट खेलने वाले ये खिलाड़ी अब उन्हीं दिग्गजों के साथ एक ही डगआउट में होंगे, जिन्हें वे अब तक सिर्फ़ टीवी पर देखा करते थे।

लीग के चेयरमैन और पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने कहा, रॉस टेलर, दिलशान और यूसुफ पठान जैसे दिग्गजों को भारत के ग्रासरूट टैलेंट के साथ खेलते देखना हमारे लिए सपना सच होने जैसा है। हमारा लक्ष्य हमेशा अंतरराष्ट्रीय अनुभव को देश की जड़ों से जोड़ना रहा है। लेजेन-जेड टी10 लीग ने अपने पहले सीजन के लिए स्टार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों की आधिकारिक सूची जारी कर दी है। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज हर्शल गिब्स और मखाया एनटिनी, श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज तिलकरत्ने दिलशान, न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज रॉस टेलर, भारत के पूर्व ऑलराउंडर यूसुफ पठान और इरफान पठान तथा पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में शामिल हैं। लीग के संस्थापक एवं सीईओ चिरंजीव दुबे ने कहा, हमारा उद्देश्य अनदेखी प्रतिभा को पहचान देना है। इन ग्लोबल आइकॉन्स की मौजूदगी के साथ गली क्रिकेट को टीवी पर लाना अब हकीकत बन चुका है। लीग की सह-संस्थापक मीनाक्षी अग्रवाल ने कहा, यह दृश्य अविश्वसनीय होगा, गली क्रिकेट के खिलाड़ी, अंतरराष्ट्रीय दिग्गजों के साथ मैदान साझा करते हुए। यही है नया भारत! क्रिकेट सलाहकार समिति के प्रमुख रविकांत भट्ट ने बताया, हमने भारत के कोने-कोने से ऐसे खिलाड़ियों को चुना है, जिनके पास संसाधन भले कम हों, पर सपने बड़े हैं। ये खिलाड़ी भारतीय टेनिस बॉल क्रिकेट की आत्मा हैं। लीग के सीओओ सुरेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि ट्रायल्स के दौरान हमने जो जोश, हुनर और संकल्प देखा, उसने साबित कर दिया कि भारत की गलियां भविष्य के सितारों से भरी पड़ी हैं। लेगेन जेड टी-10 लीग का पहला संस्करण न सिर्फ क्रिकेट बल्कि भारत की युवा शक्ति और सपनों की जीत का प्रतीक बन रहा है। यह लीग आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट की दिशा और दशा दोनों को नया आयाम दे सकती है।

हर्शल गिब्स (कप्तान), लक्षिता रणसिंघे, राशर्ड फुलर, मखाया एंटिनी, अक्षय राठौड़, सुरजीत सिंह देयोल, पवन भारद्वाज, हनी यादव, शिवम शर्मा, रोहित मांझी, अभिषेक पाठक, दिनेश कुमार, रोहित, अमेय शिंदे, प्रशांत वीके, आशीष गावित।

तिलकरत्ने दिलशान (कप्तान), मार्टिन गुप्टिल, ब्राउन विलियम्स, परविंदर अवाना, नईम मोहम्मद, मंदीप अवाना, निलिमेश रॉय, शिवम कुलथे, गुप्ता मनीष, आकाश कुमार, युवराज राव, अकबर बेग, कल्विक रे, अदनान बिन खालिद, रवि स्वामी, जय कुमार।

भारतीय अंतरराष्ट्रीय परिधान मेला एक जुलाई से

एजेंसी
नई दिल्ली। एशिया के सबसे बड़े परिधान मेले - भारतीय अंतरराष्ट्रीय परिधान मेले का 73 वां संस्करण एक जुलाई से राष्ट्रीय राजधानी में आरंभ होगा जिसमें 79 देशों में प्रतिनिधि शामिल होंगे। मेला आयोजकों ने यहां बताया कि ये मेला तीन जुलाई तक चलेगा। मेले का उद्घाटन कपडा एवं विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गरीटा करेंगे। यह एशिया का सबसे बड़ा परिधान मेला है जो छोटे कारोबारी और खरीदार शामिल होते हैं। मेले का आयोजन परिधान निर्यात संवर्धन परिषद,अंतर्राष्ट्रीय परिधान मेला एसोसिएशन, परिधान निर्यातक एवं निर्माता संघ, भारतीय वस्त्र निर्माता संघ, गारमेंट एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान मिलकर कर रहे हैं। मेले में 79 देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं जिनमें अमेरिका, कनाडा, ब्राज़ील, कोलंबिया, चिली, अर्जेंटीना, ब्रिटेन, स्पेन, यूनान, इटली, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, तुर्की, जापान, संयुक्त अरब अमीरात, थाईलैंड, इजरायल, कुवैत, मलेशिया, श्रीलंका, सऊदी अरब, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, रूस प्रमुख देश हैं। इस मेले में 12 राज्यों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे, जिनमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, हरियाणा हैं। मेले में फैशन शो के अलावा लगभग 21,200 वर्ग मीटर में एक प्रदर्शनी का आयोजन भी होगा।

रुपया 34 पैसे उछला

मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ब्याज दरों में तेज कटौती के लिए फेडरल रिजर्व में संभावित नेतृत्व परिवर्तन करने को लेकर जारी अटकलों से दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुक़ाबले डॉलर के तीन साल के निचले स्तर तक लुढ़कने की बदौलत आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 34 पैसे की छलांग लगाकर 85.75 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 86.09 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया 18 पैसे की मजबूती के साथ 85.91 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान आयातकों एवं बैंकरों की डॉलर बिकवाली होने से 85.63 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, लिवाली होने से यह 85.94 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 85.75 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 34 पैसे की छलांग लगाकर 85.75 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार, डॉलर तीन साल के निचले स्तर पर आ गया जबकि वैश्विक शेयर बाजारों ने बीते तीन दिनों में दूसरी बार नया रिकॉर्ड उच्च स्तर हासिल किया। इसकी वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व में संभावित नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अटकलें बताई जा रही हैं।

पाकिस्तान से आयातित 9 करोड़ के 1,115 टन माल वाले 39 कंटेनर जब्त

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने पाकिस्तान में तैयार की गई सामग्रियों के अन्य देशों, मुख्य रूप से दुबई, संयुक्त अरब अमीरात के रास्ते से अवैध आयात को लक्षित करते हुए ऑपरेशन डीप मैनिफेस्ट नामक एक अभियान में अब तक लगभग 9 करोड़ रुपये मूल्य के 1,115 टन माल ले जाने वाले 39 कंटेनर जब्त किए गए हैं और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।पहलगाम आतंकी हमलों के बाद सरकार ने 2 मई, 2025 से पाकिस्तान से आने वाले या वहां से निर्यात किए जाने वाले माल के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात या पारगमन पर व्यापक प्रतिबंध लगा दिया था। पहले, ऐसे माल पर 200 प्रतिशत सीमा शुल्क लगता था। इन कड़े उपायों के बावजूद, कुछ आयातक माल की उत्पत्ति के बारे में गलत जानकारी देकर और संबंधित शिपिंग दस्तावेजों में हेराफेरी करके सरकारी नीति को दरकिनार करने का प्रयास करते हैं जो आयात नीति की शर्तों और पाकिस्तान में तैयार की गई सामग्रियों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात या पारगमन पर सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का उल्लंघन है। आयात करने वाली एक फर्म के एक भागीदार को गुरूवार को गिरफ्तार किया गया। दो अलग-अलग मामलों में, ये खेप न्हावा शेवा बंदरगाह पर जब्त की गई थी। इन खेपों को गलत तरीके से संयुक्त अरब अमीरात से आयातित बताया गया था, जबकि इन सामग्रियों को मूल रूप से पाकिस्तान में तैयार किया गया था।

फोनपे और एचडीएफसी बैंक का को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड

नई दिल्ली । फोनपे ने एचडीएफसी बैंक के साथ मिलकर 'फोनपे एचडीएफसी बैंक को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड' लॉन्च करने की घोषणा की है। यह को-ब्रांडेड कार्ड सेगमेंट में फोनपे का पहला कदम है। एचडीएफसी बैंक के साथ मिलकर रुपे क्रेडिट कार्ड्स की यह नई सीरीज भारतीय ग्राहकों की बदलती वित्तीय ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई है, खासकर फोनपे प्लेटफ़ॉर्म पर यूपीआई से की जाने वाली खर्चों पर शानदार फ़ायदे देती है। एचडीएफसी बैंक और फोनपे की यह रणनीतिक पार्टनरशिप, दोनों की बैंकिंग और फिनटेक ताक़त का बेहतरीन उपयोग कर, क्रेडिट कार्ड्स को ज़्यादा आसान और यूजर-फ्रेंडली बनाती है। अल्टीमो और यूनो वेरिएंट में उपलब्ध ये कार्ड रिचार्ज, बिल पेमेंट, ट्रैवेल, ऑनलाइन शॉपिंग, किराने का सामान और कैब जैसे लोकप्रिय खर्चों के कैटेगरी पर रिवॉर्ड्स देते हैं। साथ ही, कार्ड यूपीआई के साथ भी आसानी से इंटीग्रेट हो जाते हैं।

वैश्विक अनिश्चितताएं बढ़ने के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत - आरबीआई

एजेंसी
नई दिल्ली । हाल ही में जारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मासिक आर्थिक बुलेटिन के अनुसार, मई 2025 के लिए वैश्विक अनिश्चितता के बीच अलग-अलग हाई-फ्रिक्वेंसी इंडीकेटर्स भारत में औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में मजबूत आर्थिक गतिविधि की ओर इशारा करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कृषि ने 2024-25 के दौरान अधिकांश प्रमुख फसलों के उत्पादन में व्यापक आधार पर वृद्धि दर्ज की। घरेलू कीमतों की स्थिति सौम्य बनी हुई है और मई में लगातार चौथे महीने हेडलाइन मुद्रास्फीति लक्ष्य से नीचे रही। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वित्तीय स्थितियां ऋण बाजार में दरों में कटौती के ट्रांसमिशन की सुविधा के लिए अनुकूल बनी हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिर स्थिति में है, जो व्यापार नीति अनिश्चितताओं

और भू-राजनीतिक तनावों में वृद्धि के दोहरे झटकों से जूझ रही है। हालांकि, घरेलू मोर्चे पर, मई में जारी अनंतिम अनुमानों ने 2024-25 में भारत की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने की पुष्टि की है, जिसमें चौथी तिमाही में महत्वपूर्ण क्रमिक वृद्धि होगी। मई के लिए अलग-अलग हाई-फ्रिक्वेंसी इंडिकेटर्स औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में मजबूत आर्थिक गतिविधि के संकेत देते हैं। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) के लिए सर्वे किए गए देशों में भारत में गतिविधि में समग्र विस्तार सबसे अधिक रहा, जिसमें मई में देखे गए नए निर्यात ऑर्डर में विस्तार अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में देखे गए कॉन्ट्रैक्शन के बीच एक अपवाद था। मई के लिए कुल मांग के हाई-फ्रिक्वेंसी इंडिकेटर्स ने भी ग्रामीण मांग में वृद्धि का सुझाव दिया। कंज्यूमर सेंटीमेंट के दूरदर्शी सर्वेक्षण वर्तमान अवधि के लिए स्थिर उपभोक्ता विश्वास और भविष्य के बारे में बेहतर आशावाद दिखाते हैं। आरबीआई बुलेटिन में कहा गया है कि वैश्विक आर्थिक, व्यापार और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद ये सभी भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दिखाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू मुद्रास्फीति सौम्य बनी हुई है और मई में लगातार चौथे महीने हेडलाइन मुद्रास्फीति लक्ष्य से नीचे रही। 2024-25 के कृषि सत्र में रिकॉर्ड घरेलू फसल उत्पादन खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति में तेज और निरंतर कमी का संकेत दे रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, अस्थिर और ऊंचे सोने और चांदी की कीमतों के प्रभाव को छोड़कर कुछ नरमी के संकेतों के साथ स्थिर कोर मुद्रास्फीति यह दर्शाती है कि अंतर्निहित मुद्रास्फीति दबाव शांत बना हुआ है।

वित्त मंत्री ने गिफ्ट सिटी और आईएफएससीए के बाजार सहभागियों के साथ बैठक की

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुजरात में गिफ्ट सिटी और आईएफएससीए में बाजार सहभागियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। वित्त मंत्री कार्यालय की तरफ से जारी बयान में बताया गया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रमुख बैंकों, बीमा कंपनियों, वित्त कंपनियों, फंड प्रबंधन, पूंजी बाजार, ब्रोकर और भुगतान सेवा प्रदाताओं, आईटीएफ, विमान पट्टे, जहाज पट्टे, बीएटीएफ सेवाओं, टेकफिन कंपनियों और उच्च शिक्षा सहित 20 से अधिक बाजार सहभागियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में गुजरात के वित्त मंत्री कनुभाई देसाई, केंद्रीय वित्त सचिव और डीईए सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के विशेष सचिव, रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर, आईआरडीएआई के कार्यवाहक अध्यक्ष, गिफ्ट सिटी और आईएफएससीए के अध्यक्ष और वित्त मंत्रालय और गुजरात सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया।

फॉक्सकॉन की भारत में बड़े निवेश की तैयारी, सप्लाई चेन का करेगी विस्तार

एजेंसी
नई दिल्ली । ताइवानी दिग्गज कंपनी होन हाई प्रेसिजन इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड (फॉक्सकॉन) को ताइवान की सरकार से भारत और अमेरिका में 2.2 अरब डॉलर की राशि निवेश करने की मंजूरी मिल गई

फॉक्सकॉन को मंजूरी ऐसे समय पर मिली है, जब वह चीन से बाहर अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं का तेजी से विस्तार कर रहा है। भारत सरकार की मेक इन इंडिया और पीएलआई जैसी पहल बड़ी संख्या में विदेशी इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को आकर्षित करने में सफल रही हैं और इससे देश में तेजी से मैन्युफैक्चरिंग बढ़ी है और रोजगार के अवसर भी पैदा हुए हैं। फॉक्सकॉन को भारत और अमेरिका में 2.2 अरब डॉलर से अधिक की दो महत्वपूर्ण निवेश योजनाओं के लिए विनियामक अनुमोदन प्राप्त हुआ है। फोकस ताइवान की एक रिपोर्ट के अनुसार, मिनिस्ट्री ऑफ इकोनॉमिक अफेयर्स (एमओईए) के तहत आने वाले डिपार्टमेंट ऑफ इन्वेस्टमेंट रिव्यू ने इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग

दिग्गज की निवेश योजना को मंजूरी दे दी है। डिपार्टमेंट ने कंपनी की सहायक कंपनी फॉक्सकॉन सिंगापुर पीटीई लिमिटेड में पूंजी बढ़ाने के उद्देश्य से 1.49 अरब डॉलर के निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। कंपनी की सिंगापुर स्थित यह इकाई, युजान टेक्नोलॉजी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड में निवेश करेगी, जो भारत में फॉक्सकॉन की सब्सिडियरी के तहत काम करने वाली एक अन्य इकाई है। प्रमुख ऐप्पल आईफोन मैन्युफैक्चरिंग कंपनी ने अपने भारतीय ऑपरेशंस में 1.48 अरब डॉलर (लगभग 12,800 करोड़ रुपए) का निवेश किया है। यह वर्तमान में स्मार्टफोन डिस्प्ले मॉड्यूल को असेंबल करने के लिए श्रीपेरंबुदूर में एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित कर रही है।

फ्लिपकार्ट ने बढ़ाया समावेश, ई-कॉमर्स तक पहुंच को दिया और विस्तार

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत का घरेलू ई-कॉमर्स मार्केट प्लेस फ्लिपकार्ट विक्रेताओं एवं ग्राहकों के लिए विकास आधारित प्लेटफॉर्म को लगातार बढ़ावा दे रहा है। ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट अब सिर्फ एक ट्रांजैक्शन नहीं, बल्कि छोटे व्यापारियों के लिए बदलाव का प्लेटफॉर्म भी बना रहा है। कंपनी के जनवरी 2025 से शुरू हुए सेलर सपोर्ट प्रोग्राम ने पहली बार जुड़ने वाले उद्यमियों को शुरुआती 60 दिन में गाइड किया है, जिससे नए सेलर्स की सफलता 2.3 गुना बढ़ी है। विशेषकर टियर-2 और टियर-3 शहरों में इसका बड़ा असर दिखा है। फ्लिपकार्ट ने जारी बयान में कहा कि वो ऐसा ईको सिस्टम बना रहे हैं, जहां हर साइज का बिजनेस आत्मविश्वास के साथ बढ़ सके। कंपनी ने कहा कि आसान ऑनबोर्डिंग सपोर्ट, बेहतर प्रोडक्ट डिस्कवरी और आसान प्राइसिंग प्रोसेस तक, सभी पहल को विशेष रूप से पहली बार ऑनबोर्ड हो रहे सेलर्स के लिए ऑनलाइन बिजनेस को ज्यादा सुगम, पारदर्शी एवं रिवार्डिंग बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। कंपनी ने बताया कि नए सेलर सक्सेस प्रोग्राम के माध्यम से कुछ आसान टूल्स उपलब्ध कराए जाते हैं, जिनसे शुरुआती स्तर पर सेलर्स की सफलता सुनिश्चित होती है। कंपनी ने कहा कि इससे ई-कॉमर्स की पहुंच को विस्तार देने और देशभर में सभी सेलर्स के लिए विकास के समान अवसर सृजित करने के फ्लिपकार्ट के विजन को और मजबूती मिली है। साल दर साल नए सेलर्स की सफलता देशभर में कारोबारियों एवं ग्राहकों के लिए प्लेटफॉर्म की ओर से किए गए इन प्रयासों के प्रभाव को रेखांकित करती है। सेटलमेंट बेस्ड प्राइसिंग और आसान ऑनबोर्डिंग जैसे टूल्स से हजारों सेलर्स ने पिछले साल के मुकाबले दोगुना ग्रोथ पाई है। सेलर्स को अपने कारोबार को सतत तरीके से विस्तार देने में सक्षम बनाने के लिए फ्लिपकार्ट ने नए एवं ट्रेंडिंग प्रोडक्ट्स के लिए सेलेक्शन डिस्कवरी को भी बेहतर किया है। इस तरह की विभिन्न पहल के दम पर हजारों सेलर्स ने पिछले साल के मुकाबले अपने कारोबार में दोगुने से ज्यादा का विकास दर्ज किया है। कंपनी ने कहा कि इन बदलावों से कारोबार करने की उनकी लागत कम हुई है और सेलर्स को अपना लाभ बढ़ाने में मदद मिली है। फ्लिपकार्ट के सीनियर डायरेक्टर मार्केट प्लेस कपिल थिरानी ने कहा, ''फ्लिपकार्ट में हम एक ऐसा मार्केट प्लेस बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां हर आकार एवं अनुभव वाले सेलर को आत्मविश्वास के साथ विकास करने में मदद मिले। उन?होंने कहा कि पारदर्शिता को बढ़ाते हुए और सेलिंग एक्सपीरियंस को सरल करते हुए हम ऐसा वातावरण बना रहे हैं, जहां देशभर में उद्यमशीलता का विकास हो सके।

पीएलआई योजना में 1.76 लाख करोड़ रुपए का निवेश, मार्च 2025 तक 12 लाख से अधिक रोजगार हुए पैदा

एजेंसी
नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पीएलआई योजना 14 प्रमुख क्षेत्रों में कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में है। उन्होंने जानकारी दी कि इस योजना में 1.76 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ है, जिससे मार्च 2025 तक 16.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का उत्पादन/बिक्री और 12 लाख से अधिक (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) रोजगार सृजित हुए हैं। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि भारत को उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जिनमें भारत को अन्य देशों के मुकाबले प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल है और विभिन्न हितधारकों के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान करना चाहिए ताकि देश का निर्यात बढ़ सके। केंद्रीय मंत्री ने यह विचार उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना की समीक्षा बैठक के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि यह योजना विनिर्माण क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा

में बेहतरीन पहलों में से एक है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, पीएलआई योजनाओं के अंतर्गत 12 क्षेत्रों में लार्ज-स्केल इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग (एलएसईएम), आईटी हार्डवेयर, बल्क ड्रग्स, मेडिकल डिवाइस, फार्मास्यूटिकल्स, टेलीकॉम एंड नेटवर्किंग प्रोडक्ट्स, फूड प्रोसेसिंग, व्हाइट गुड्स, ऑटोमोबाइल एंड ऑटो कंपोनेंट्स, विशेष इस्पात, कपड़ा और ड्रोन एंड ड्रोन कंपोनेंट्स के लिए 21,534 करोड़ रुपए की संचयी प्रोत्साहन राशि वितरित की गई है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने पीएलआई योजना के अंतर्गत आने वाले प्रमुख क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मंत्रालयों को मात्रा पर ध्यान देने के बजाय गुणवत्तापूर्ण कुशल जनशक्ति बनाने पर ध्यान देना चाहिए और एनआईसीडीसी के साथ मिलकर इंफ्रास्ट्रक्चर की बाधाओं को दूर करना चाहिए। मंत्रालय के अनुसार, भारत में विभिन्न क्षेत्रों में पीएलआई योजनाओं का प्रभाव महत्वपूर्ण रहा है। इन योजनाओं ने घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित किया है, जिससे उत्पादन में वृद्धि हुई है, रोजगार सृजन हुआ है और निर्यात को बढ़ावा मिला है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए फार्मास्यूटिकल्स ड्रग्स में योजना के तहत पात्र उत्पादों की निर्यात बिक्री 0.67 लाख करोड़ रुपए थी, जो इसी अवधि के दौरान देश के कुल फार्मा निर्यात का लगभग 27 प्रतिशत है।

इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज का आईपीओ पहले दिन 40 फीसदी हुआ सब्सक्राइब

एजेंसी
नई दिल्ली। फसल सुरक्षा उत्पाद बनाने वाली कंपनी इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बोली के पहले दिन 40 फीसदी सब्सक्राइब किया गया। इसमें 30 जून, 2025 तक निवेश किया जा सकता है। स्टॉक एक्सचेंजों पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक इस इश?यू को 105-111 रुपये के प्राइस बैंड पर 1.33 करोड़ शेयरों के मुकाबले 53.77 लाख शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुई है, जो सभी श्रेणियों में निवेशकों की मध्यम रुचि को दर्शाता है। रिटेल पोर्शन और गैर-संस्थागत निवेशकों के पोर्शन को क्रमशः 69 फीसदी और 27 फीसदी सब्सक्राइब किया गया है, जबकि योग्य संस्थागत खरीदार पोर्शन और कर्मचारी पोर्शन को 5 फीसदी सब्सक्राइब किया गया। इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज का साइज 200 करोड़ रुपये है। इश्यू खुलने से एक दिन पहले, इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज लिमिटेड ने एंकर निवेशकों से 58.20 करोड़ रुपये जुटाए हैं। 30 जून तक चलने वाले आईपीओ में खुदरा निवेशकों की विशेष रुचि देखी गई है। एक निवेशक न्यूनतम 135 इक्विटी शेयरों और उसके गुणकों में बोली लगा सकता है। उल्लेखनीय है कि फसल सुरक्षा उत्पाद बनाने वाली कंपनी इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज लिमिटेड ने 1993 में अपना परिचालन शुरू किया। यह मुख्य रूप से तीन व्यावसायिक कार्यक्षेत्रों के तहत काम करता है। इसमें फसल सुरक्षा, पौधों के पोषक तत्व और जैविक, खुदरा और संस्थागत ग्राहकों को फसल की उपज में सुधार करने पर केंद्रित है। यह भारत में पौधों के पोषक तत्वों और जैविक के विनिर्माण के व्यवसाय में लगा हुआ है।

एनएमडीसी ने छत्तीसगढ़ में आदिवासी युवाओं के लिए पूर्ण प्रायोजित शिक्षा कार्यक्रमों को लेकर आवेदन आमंत्रित किए

एजेंसी
नई दिल्ली। एनएमडीसी ने छत्तीसगढ़ में आदिवासी युवाओं के लिए पूर्ण प्रायोजित शिक्षा कार्यक्रमों को लेकर आवेदन आमंत्रित किए हैं। इसका उद्देश्य आदिवासी युवाओं के लिए अवसरों की कमी को पूरा करना है। इस्पात मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि देश के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी लिमिटेड ने अपनी प्रमुख सीएसआर पहल बालिका शिक्षा योजना के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। एनएमडीसी ने इसके लिए अपोलो विश्वविद्यालय, चित्तूर के साथ एक साझेदारी की है, जो एक परिवर्तनकारी चिकित्सा प्रौद्योगिकी कार्यक्रम का शुभारंभ है, जिसका उद्देश्य आदिवासी युवाओं के लिए अवसर प्रदान करने के बीच की खाई को पाटना है।इस प्रमुख पहल के तहत एनएमडीसी बस्तर, दंतेवाड़ा,

सुकमा, कोंडागांव, बीजापुर और नारायणपुर की युवा आदिवासी लड़कियों को हैदराबाद में अपोलो स्कूल ऑफ नर्सिंग, यशोदा स्कूल ऑफ नर्सिंग और केआईएमएस कॉलेज ऑफ नर्सिंग जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में बीएससी (नर्सिंग 4 वर्ष) और जीएनएम (3 वर्ष) पाठ्यक्रम करने के लिए 100 फीसदी मुफ्त नर्सिंग शिक्षा प्रदान कर रहा है। इस पाठ्यक्रम में कुल 200 सीटें हैं, जिनमें बीएससी नर्सिंग के लिए 110 सीटें और जीएनएम (जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी) पाठ्यक्रम के लिए 90 सीटें शामिल हैं। कार्यक्रम में प्रति छात्र 12 से 15 लाख रुपये के निवेश के साथ ट्यूशन, छात्रावास और शैक्षणिक लागत सहित सभी शैक्षिक खर्च शामिल होंगे। आवेदक की पारिवारिक आय प्रति वर्ष 72,000 रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदन विंडो 28 जून 2025 को बंद हो जाएगी। इसका उद्देश्य आदिवासी युवाओं के लिए अवसरों की कमी को पूरा करना है। एनएमडीसी दंतेवाड़ा और बस्तर जिलों के पात्र अनुसूचित जनजाति (एसटी) छात्रों के लिए अपोलो विश्वविद्यालय, चित्तूर के साथ साझेदारी में पूर्णतः प्रायोजित संबद्ध स्वास्थ्य देखभाल शिक्षा प्रदान कर रहा है। इसमें प्रति छात्र लगभग 12 से 15 लाख रुपये के निवेश के साथ पूरी तरह से प्रायोजित इस पहल का उद्देश्य आदिवासी युवाओं को आजीविका के लिए पेशेवर कौशल से युक्त करना है।

डीपीआईआईटी ने पांच राज्यों में 11 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को प्रभावित करने वाले मुद्दों की समीक्षा की

एजेंसी
नई दिल्ली। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने पांच राज्यों झारखंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम और नगालैंड में 11 प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को प्रभावित करने वाले 18 मुद्दों की समीक्षा की है।

वाणिज्य एवं उद्योग विभाग ने जारी बयान में बताया कि डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप भाटिया की अध्यक्षता में 24 जून को हुई बैठक में केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और परियोजना प्रस्तावकों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस समीक्षा बैठक में झारखंड राज्य में 11 महत्वपूर्ण परियोजनाओं के 18 मुद्दों की समीक्षा की गई, जिसमें सभी परियोजनाओं की कुल लागत 34,213 करोड़ रुपये से अधिक है।मंत्रालय के मुताबिक बैठक में सिक्किम राज्य में 02 परियोजनाओं के 02 मुद्दों की समीक्षा की गई, जिसमें कुल 943.04 करोड़ रुपये की लागत है। नागालैंड राज्य में 02 परियोजनाओं के 03 मुद्दों की समीक्षा की गई, जिसमें कुल 544.65 करोड़ रुपये की लागत है। वहीं, असम राज्य में 01 मुद्दे और 01 परियोजना की समीक्षा की गई, जिसमें कुल 6,700 करोड़ रुपये की लागत है। इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश राज्य में 01 निजी परियोजना सहित 03 परियोजनाओं के 07 मुद्दों की समीक्षा की गई, जिसमें कुल 33,469 करोड़ रुपये की लागत है। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक झारखंड राज्य से संबंधित पतरातू थर्मल पावर स्टेशन विस्तार परियोजना के पहले चरण की व्यापक समीक्षा की गई। इसमें कहा गया कि अरुणाचल प्रदेश में जियोएनप्रो पेट्रोलियम लिमिटेड की 1,000 करोड़ रुपये की लागत वाली निजी क्षेत्र की परियोजना से जुड़े मुद्दों की भी समीक्षा की गई। डीपीआईआईटी सचिव ने राज्य सरकार को मामले को उच्च प्राथमिकता देने तथा परियोजना से संबंधित मुद्दों का समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए जियोएनप्रो को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने की सलाह दी है। इसके अलावा बैठक में परियोजना निगरानी समूह (पीएमजी) द्वारा सुगमतापूर्वक केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य प्राधिकरणों और परियोजना समर्थकों के बीच घनिष्ठ सहयोग के जरिए महत्वपूर्ण मुद्दों को हल करने और परियोजना कार्यान्वयन में तेजी लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन गिरावट का रुख बना हुआ है। सोने के भाव में आज 240 रुपये से लेकर 260 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट आ गई। इसी तरह चांदी भी आज 900 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में कमजोरी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,950 रुपये से लेकर 99,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,700 रुपये से लेकर 90,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह ही चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,08,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 99,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,950 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स में 1,000 अंक की तेजी

नई दिल्ली। जियो-पॉलिटिकल टेंशन कम होने और मजबूत ग्लोबल संकेतों के कारण घरेलू शेयर बाजार आज लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही शुरुआती मिनट में बिकवाली का मामूली दबाव भी बना, लेकिन इसके बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया। सुबह 10 बजे के बाद बिकवालों ने एक बार फिर दबाव बनाने की कोशिश की लेकिन दोपहर 1 बजे के बाद चौतरफा खरीदारी शुरू हो गई। इस खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार लगभग सवा प्रतिशत उछल गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 1.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज दिनभर के कारोबार के दौरान एनर्जी, बैंकिंग और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में जम कर लिवाली होती रही। इसके अलावा मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थ केयर और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, आईटी सेक्टर में आज बिकवाली का दबाव बना हुआ नजर आया। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.12 की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 457.45 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 454.01 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.44 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,153 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,097 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,900 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 156 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,600 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,337 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान और 1,263 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 21 शेयर बढ़त के साथ और 9 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 42 शेयर हरे निशान में और 8 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 127.41 अंक की मजबूती के साथ 82,882.92 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही शुरुआती मिनट में बिकवाली का मामूली दबाव बनने के कारण ये सूचकांक 82,816.26 अंक तक गिरा। इसके बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया, जिससे सुबह 10 बजे तक ये सूचकांक 83,304.55 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। इस स्तर तक पहुंचने के बाद सेंसेक्स को एक बार फिर बिकवाली के दबाव का सामना करना पड़ा, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट भी आई। दोपहर 1 बजे के बाद खरीदारों ने एक बार फिर आक्रामक अंदाज में लिवाली शुरू कर दी, जिससे ये सूचकांक 1,056.58 अंक उछल कर 83,812.09 अंक के स्तर तक आ गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई मामूली बिकवाली के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 56.22 अंक फिसल कर 1,000.36 अंक की मजबूती के साथ 83,755.87 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

बिरसा टाइम्स देश का सर्वाधिक प्रसारित रविवारीय अखबार है। अपनी खोजपूर्ण तथा विश्लेषणात्मक खबरों के कारण बिरसा टाइम्स ने मीडिया– जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई हैं। वर्ष 1980 से शुरू हुआ बिरसा टाइम्स का सफरनामा इसके पाठकों के निरंतर स्नेह और समर्थन के चलते आज भी उसी तेवर के साथ जारी हैं।

राँची और दिल्ली के साथ–साथ
अब
बिहार, छत्तीसगढ़ तथा उड़ीसा
से
प्रकाशित होने जा रहा है।

बिरसा टाइम्स

देश का सर्वाधिक प्रसारित नंबर–1 रविवारीय अखबार

जन सम्पर्क विभाग में विशाल भ्रष्टाचार का वट वृक्ष

विशेष संवाददाता द्वारा

रांची सूत्रों के अनुसार पिछले म पिछले दिनों बड़े पैमाने पर झारखंड में आई इ एस तथा उपायुक्त का स्थानांतरण है जिसमें से एक श्री अजय नाथ झा को बोकारो जिला का उपायुक्त बनाया गया और यह समाचार लोगों के बीच आने के बाद सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय के पूर्व उपनिदेशक तथा विक्टोरिया रानी से जाने वाली श्रीमती शालिनी वर्मा दो -तीन दिनों तक बेचैन तथा पेट में भारी दर्द हो गया और कुछ लोगों का कहना है कि श्रीमती वर्मा उपर्युक्त समाचार सुनकर कोप भवन में चली गई और पुरा का पुरा चेहरा उतर गया ! इसका कारण यह है कि पूर्व प्रभारी निदेशक श्री अवधेश पांडे है ! श्री पांडे के समय झारखंड के सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय में भ्रष्टाचार का तांडव था क्यों श्री पांडे एक मामुली चपरासी से प्रभारी निदेशक पद पर तरह-तरह का तिकड़म कर पहुंच गया था ! जब झारखंड और बिहार एक साथ था तब पांडे अपने पिता के साथ पटना में महावीर मंदिर में सफाई - सुथरा का काम करता था और पांडे जी के पिता मंदिर के सचिव आईपीएस स्वर्गीय आचार्य किशोर कुणाल जी के घर पर पूजा पाठ करते थे एवं महावीर मंदिर में भी काम करते थे और उसी समय अवधेश पांडे बिहार सरकार में दैनिक मजदूर में बहाली होकर धीरे-धीरे आई इ एस पदाधिकारी के घर पर कप-प्लेट साफ कर प्रभारी निदेशक तक पहुंच गए ! श्री पांडे को हिंदी और अंग्रेजी में एक लाइन

“ जब झारखंड और बिहार एक साथ था तब पांडे अपने पिता के साथ पटना में महावीर मंदिर में साफ–साफाई का काम करता था और पांडे जी के पिता मंदिर के सचिव आईपीएस स्वर्गीय आचार्य किशोर कुणाल जी के घर पर पूजा पाठ करते थे एवं महावीर मंदिर में भी काम करते थे और उसी समय अवधेश पांडे बिहार सरकार में दैनिक मजदूर में बहाली होकर धीरे–धीरे आई इ एस पदाधिकारी के घर पर कप–प्लेट साफ कर प्रभारी निदेशक तक पहुंच गए ! श्री पांडे को हिंदी और अंग्रेजी में एक लाइन भी लिखने नहीं आता था ! इनका सारा का सारा फाइल का काम के नीचे वाले अधिकारी लिखते थे और इस काम में उप निदेशक श्री शालिनी वर्मा और वर्तमान में बोकारो के उपायुक्त श्रीअजय नाथ झा सारा फाइल का काम करते थे ! दोनों के दोनों से पांडे के कार्यालय से लेकर आवास तक 11:00 बजे रात तक गुरु मंत्र लेते रहते थे और इसमें अपनी कुशलता से श्री झा ने उपायुक्त पद पर पहुंच गए ! ऐसे पांडे कभी भी अपनी पत्नी को अपने आवास में नहीं रखते थे और पांडे के समय में सिर्फ सिर्फ उसके पिता ही रहते थे और श्री पांडे के समय में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का पेड़–पौधा लगन ! शुरू हुआ और अब वर्तमान में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का बड़ा बरगद का पेड़ हो चुका है।

भी लिखने नहीं आता था ! इनका सारा का सारा फाइल का काम के नीचे वाले अधिकारी लिखते थे और इस काम में उप निदेशक श्री शालिनी वर्मा और वर्तमान में बोकारो के उपायुक्त श्रीअजय नाथ झा सारा फाइल का काम करते थे ! दोनों के दोनों से पांडे के कार्यालय से लेकर आवास तक 11:00 बजे रात तक गुरु मंत्र लेते रहते थे और इसमें अपनी कुशलता से श्री झा ने उपायुक्त पद पर पहुंच गए ! ऐसे पांडे कभी भी अपनी पत्नी को अपने आवास में नहीं रखते थे और पांडे के समय में सिर्फ सिर्फ उसके पिता ही रहते थे और श्री पांडे के समय में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का पेड़ -पौधा लगन ! शुरू हुआ और अब वर्तमान में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का बड़ा बरगद का पेड़ हो चुका है। ऐसे झारखंड के अलग होने के बाद भोली भाली आदिवासी पदाधिकारी श्री गुजरी जो प्रभारी निदेशक कई वर्षों तक भ्रष्टाचार मुक्त जनसंपर्क विभाग को चलाया था इसके बाद सीसीएल (कोल इंडिया) के अधिकारी 1 वर्ष के लिए श्री आलोक कुमार गुप्ता थे जिन्होंने बड़ी ही ईमानदारी से कोड़ा के मुख्यमंत्री काल के बिना आदेश करोड़ रुपए का भुगतान दर्जनों अखबार का भुगतान कराया था ! ऐसे सर्व विदित है कि मधु कोड़ा के मुख्यमंत्री काल में सभी विभाग में लूट मचा हुआ था उसे समय में अधिकारी नेता, पत्रकार मनमानी और लूट मचाई हुए थे जिसके कारण कोड़ा समय में बिना आदेश के करोड़ रुपए का विज्ञापन विभिन्न अखबारों में प्रकाशित हो गया, जिसमें सिर्फ राष्ट्रीय सहारा अखबार पटना में करीबन 4 करोड़ रुपए का बिना आदेश का विज्ञापन प्रकाशित हुआ था और भुगतान नहीं हो रहा था ऐसे में तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने विभाग को भुगतान करने का आदेश देकर अखबार का भुगतान कराया और इसके बाद प्रभारी निदेशक श्री अवधेश पांडे विभाग में आये और पांडे कई अधिकारी को गलत काम करने के लिए ट्यूशन देता था और उसी में एक श्रीमती वर्मा भी थी ! श्री मती वर्मा हेमंत सोरेन के पूर्व मीडिया सलाहकार श्री अभिषेक प्रसाद पिंटू के सह पर करीबन चार वर्षों से तक सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग में विक्टोरिया रानी की तरह बनकर भ्रष्टाचार का नंगा नाच करती रही और अभी इसके समकक्ष अधिकारी को उपायुक्त होता है तो श्रीमती वर्मा को बेचैन और पेट में बड़ी जोर का दर्द होना शुरू हो जाता है ! ऐसे पांडे के भ्रष्टाचार की अनंत कहानी है और और इस समय श्री पांडे के भ्रष्टाचार का बना हुआ पेड़ अब बढ़ चढ़कर बड़ा बरगद हो गया है वर्तमान में इसी बरगद को आगे बढ़ते हुए वर्तमान निदेशक श्री राजीव लोचन बख्शी बढ़ा कर रहे हैं।

बिरसा टाइम्स देश का विश्वास पत्रकारिता के उन मूल्यों में हैं जो आम आदमी की चिंताओं और सरोकारों को आवाज देते हैं। इसीलिए बिरसा टाइम्स लोगो के बीच इस लम्बी यात्रा में भी अपनी विश्वसनीयता बरकरार रखने में कामयाब रहा है। अपने खास कंटेंट, गंभीर राजनैतिक विश्लेषण, अलग अंदाज और सुन्दर छपाई के चलते बिरसा टाइम्स को सम्मान–जनक स्थान मिला हैं। शायद इसीलिए बिरसा टाइम्स के पाठक वे युवा और संवेदनशील लोग हैं जो न केवल देश के बारे में सोचते हैं बल्कि देश के लिए कुछ करने का जज़्बा भी रखते हैं।

सत्य और निष्पक्ष समाचारों के लिए पढ़ें !

सम्पर्क सूत्र :–

aadivasiexpress@gmail.com
birsatimes@gmail.com
8084674042
6202611859
8084674042